तुम बदलाव देखना चाहते हो तो वह बदलाव खुद बनो। — महात्मा गांधी

राजस्थान पत्रिका

खड़े होकर पानी को ताकते रहने से समुद्र पार नहीं किया जा सकता। — रवींद्रनाथ टैगोर

देश के लिए सकारात्मक बदलावों की शुरुआत उसके नागरिकों से होती है। जब हर व्यक्ति इन्हें अपनाता है, तो विकास की नई कहानी लिखी जाती है। आइए हम सब नववर्ष पर संकल्प लें कि अपने अंदर बदलाव लाकर देश को एक नई दिशा देंगे।

सुनिश्चित करें भागीदारी

जिम्मेदारी स्वीकार करें और लें सामूहिक विकास का संकल्प

छोटे-छोटे प्रयास एक बड़ा बदलाव लाते हैं। बूंद-बूंद से सागर भरता है। यह सरल विचार हमारे जीवन और समाज के हर पहलू पर लागू होता है। वर्ष 2025 के स्वागत के साथ, यह समझने का समय है कि यदि हम खुद अपने लिए, अपने परिवार, अपने समाज और अपने देश के लिए चौथाई-चौथाई भागीदारी सुनिश्चित करें, तो यह साल न केवल परिवर्तनकारी होगा, बल्कि इतिहास में एक नई इबारत लिखेगा।

कल्पना कीजिए, हर नागरिक अपने दिन को चार स्तंभों–स्वयं, परिवार, समाज और राष्ट्र–में बांटने का प्रयास करे। यह महज समय का विभाजन नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का स्वीकार और सामूहिक विकास का संकल्प है। इस सोच को अपनाना किसी महायोजना की शुरुआत से कम नहीं होगा।

2025 का यह साल आपके जीवन और आपके देश को संवारने का संकल्प है। आइए, इसे बनाएं

इतिहास का सबसे प्रेरणादायक अध्याय

आइए... हम बनें सुपर 25

पांच कदम अपने लिए...

1 | 5 | 10 | 15 | 20 | 25

1 स्वास्थ्य
'स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन बसता है।' अपनी दिनचर्या में योग, व्यायाम और पौष्टिक भोजन को शामिल करें– ***तंदरुस्ती का निवेश आज से शुरू करें।***

2 सीखना
'रोज कुछ नया सीखना आत्मा को तरोताजा करता है।' किताबों, अनुभवों और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों से **अपने ज्ञान की सीमा का विस्तार करें।**

3 ध्यान
'खुद से दोस्ती करें।' दिन में 10 मिनट ध्यान करें, अपने विचारों को समझें और ***मानसिक शांति को प्राथमिकता दें।***

4 लक्ष्य
'सपने देखने का साहस करें और उन्हें हकीकत में बदलें।' **अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करें और हर दिन एक कदम उन्हें पूरा करने की ओर बढ़ाएं।**

5 अनुशासन
'समय को साधने वाले सफलता साध लेते हैं।' अपने कार्यकलापों को व्यवस्थित करें। हर दिन की प्राथमिकताओं को तय करें, **छोटे लक्ष्य बनाएं और अपने हर काम में स्थिरता बनाए रखें।**

6-10 कदम परिवार के लिए...

1 | 5 | 10 | 15 | 20 | 25

6 साथ खाना
'एक साथ खाना, रिश्तों का स्वाद बढ़ाता है।' हर दिन परिवार के साथ बैठकर भोजन करें और ***दिलों को जोड़ने का यह सरल कदम उठाएं।***

7 साझा गतिविधियां
'खेलकूद और मौज-मस्ती रिश्तों को गहरा करते हैं।' ***सप्ताह में एक दिन परिवार के साथ खेलें, फिल्म देखें या बाहर घूमने जाएं।***

8 संवाद
'बातचीत रिश्तों की नींव है।' रोज 15 मिनट बच्चों और बुजुर्गों से खुलकर बात करें, ***उनकी कहानियों और सपनों को सुनें।***

9 समर्थन
'एकजुटता हर परिवार की ताकत है।' परिवार के हर सदस्य को इसे महसूस करना चाहिए। ***घर के हर सदस्य के फैसलों और सपनों में उनके साथी बनें और उन्हें प्रोत्साहित करें।***

10 जश्न मनाना
'छोटे पल, बड़े जादू करते हैं।' खुशी मनाने का कोई भी अवसर जाने न दें। छोटी से छोटी उपलब्धि को सेलिब्रेट करें–***केक काटें, फोटो लें, यादें बनाएं।***

पत्रिका 'मेरा नववर्ष संकल्प'

नए साल की शुरुआत हमारे जीवन में नई उम्मीदों और संकल्पों का अवसर लेकर आती है। यदि हम वर्ष 2025 में बदलाव चाहते हैं तो इसके लिए संकल्प लेकर प्राथमिकताएं तय करनी होंगी।

अपने लिए...	समाज के लिए...	देश के लिए...
1.	1.	1. .....
2.	2.	2. .....
3.	3.	3. .....
*हॉबी/ सेहत/ परिवार/ व्यक्तिगत विकास/ व्यायाम में नियमितता/ संतुलित आहार/ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान/ नींद की आदत सुधारना/आत्म-सुधार/ समर्पण/ नई चीजें सीखना/ रिश्तों को मजबूत करना	*स्वच्छता अभियान में भागीदारी/ जरूरतमंदों की मदद/ सामाजिक आयोजनों में हिस्सा लेना/ शिक्षा जागरूकता से जुड़ी पहल/ पुलिस, अखबार, विधायक-वार्ड पार्षद या सोशल मीडिया के जरिए अपराध के खिलाफ आवाज उठाना	*पर्यावरण संरक्षण/सुशासन या तकनीकी सुधार/ सामाजिक समानता/ आर्थिक विकास/ भ्रष्टाचार या अनियमितता सामने लाना/ शिक्षा के क्षेत्र में सुधार/ बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं/ स्वच्छ छवि वाले जनप्रतिनिधि चुनना

** संकल्प अपनी-अपनी प्राथमिकता के क्रम में लिखें*

2025 'परफेक्ट स्क्वायर' ईयर

सदी का 25वां वर्ष: केवल एक साल नहीं, बल्कि सदी के 25वें वर्ष का संयोग, जो इसे अन्य वर्षों से अलग बनाता है। यह वर्ष एक चौथाई सदी की पूर्णता का प्रतिनिधित्व करता है।

2025, 45 का वर्ग है यानी 45^2, जो इसे विशेष बनाता है। इसी तरह **25**, 5 का वर्ग है यानी 5^2।

पिछले 'परफेक्ट स्क्वायर' कुछ वर्ष

इससे पहले, 1936 (44^2) एक परफेक्ट स्क्वायर वर्ष था, जो 89 वर्ष पूर्व हुआ था। अगला परफेक्ट स्क्वायर वर्ष 2116 (46^2) होगा, जो 91 वर्ष बाद आएगा।

2025 का 'परफेक्ट स्क्वायर ईयर' उन ***लोगों के लिए प्रेरणा हो सकता है, जो जीवन में पूर्णता और संतुलन लाना चाहते हैं।*** यह इस बात का प्रतीक भी है कि हर दिन और तारीख विशेष हो सकती है यदि आप इसे अपने दृष्टिकोण से परिपूर्ण बनाएं।

'परफेक्ट स्क्वायर' ईयर की ऐतिहासिक झलकियां

1225 (35^2): यह समय मध्य युग का चरम था, जब यूरोप और एशिया में गणित, खगोल विज्ञान और वास्तुकला के क्षेत्र में बड़ी प्रगति हो रही थी।

1600 (40^2): यह वह समय था जब खोज, तर्क और बौद्धिक विकास की लहर उठ रही थी।

1849 (43^2): यह साल कैलिफोर्निया 'गोल्ड रश' का था, जब सोने की खान मिलने पर बड़ी संख्या में लोगों ने कैलिफोर्निया का रुख किया था।

1936 (44^2): यह समय ग्रेट डिप्रेशन के कठिन दौर का था। इस साल बर्लिन ओलंपिक भी हुए और विज्ञान व गणित में महत्त्वपूर्ण खोज भी।

11-15 कदम समाज के लिए...

1 | 5 | 10 | 15 | 20 | 25

11 समाज का हिस्सा बनें
'जरूरतमंदों का सहारा बनें।' ***अपनी क्षमता के अनुसार दान करें–कपड़े, किताबें या फिर आप उनके साथ समय भी बांट सकते हैं।***

12 सफाई अभियान
'एक स्वच्छ मोहल्ला, एक स्वस्थ समाज।' ***अपने इलाके को साफ रखें और दूसरों को भी इसमें भागीदार बनाएं।***

13 साझा मंच
'मिल-जुलकर समस्याओं का हल खोजें।' सामाजिक मुद्दों पर चर्चा के लिए बैठकें करें, ***समाधान सुझाएं और स्थानीय बदलाव का हिस्सा बनें। यह आपकी भी जिम्मेदारी का हिस्सा है।***

14 सेवा
'दूसरों की मदद आपकी सबसे बड़ी ताकत है।' महीने में एक बार सामुदायिक सेवा करें– ***जरूरतमंदों को भोजन दें, बच्चों को पढ़ाएं।***

15 संवेदनशीलता
'सहानुभूति इंसानियत की पहचान है।' ***हर व्यक्ति की भावनाओं का सम्मान करें, भेदभाव और आलोचना से बचें।***

16-20 कदम देश के लिए...

1 | 5 | 10 | 15 | 20 | 25

16 जिम्मेदारी लें
'हर नागरिक का कर्त्तव्य है, हर जगह स्वच्छता।' इसे अपना ध्येय बनाएं। ***सार्वजनिक स्थलों को गंदा करने से बचें, सफाई अभियान में भाग लें।***

17 मतदान करें
'लोकतंत्र की सफलता आपकी भागीदारी पर निर्भर करती है।' लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें। ***हर चुनाव में मतदान करें, इसके लिए दूसरों को भी जागरूक करें।***

18 विकास में भागीदार बनें
'देश को आगे बढ़ाने में साथ दें।' अपने विचारों को किसी मंच पर रखें। ***सरकारी योजनाओं में शामिल हों, सुझाव दें और विकास कार्यों का हिस्सा बनें।***

19 रोजगार सृजन
'एक नौकरी, एक भविष्य।' ***नए उद्यम शुरू करें या दूसरों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें।***

20 राष्ट्रीय धरोहर का सम्मान
'अपनी जड़ों से जुड़ें।' ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा करें, ***उनकी कहानियों को जानें और आने वाली पीढ़ियों को भी यह समझाएं।***

युवाओं की प्राथमिकता है परिवार

Q इस साल आप समय का सबसे ज्यादा हिस्सा किसमें लगाना चाहेंगे?

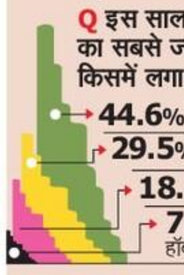

- 44.6% परिवार
- 29.5% व्यक्तिगत विकास
- 18.7% सेहत
- 7.2% हॉबी

Q इस साल आप समाज में किस बदलाव की उम्मीद रखते हैं?

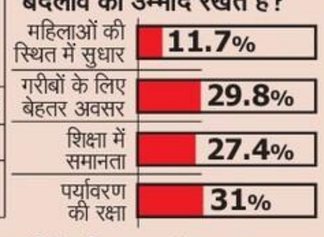

- महिलाओं की स्थित में सुधार 11.7%
- गरीबों के लिए बेहतर अवसर 29.8%
- शिक्षा में समानता 27.4%
- पर्यावरण की रक्षा 31%

Q इस साल देश की तरक्की के लिए सबसे अहम कदम क्या होना चाहिए?

- 30.7% आर्थिक सुधार
- 17.8% शिक्षा क्षेत्र में निवेश
- 27.7% प्रौद्योगिकी व नवाचार को बढ़ावा देना
- 23.8% सामाजिक न्याय और समानता

पत्रिका रेंडम सैम्पल सर्वे

21-25 कदम प्रकृति के संरक्षण के लिए...

1 | 5 | 10 | 15 | 20 | 25

21 पौधारोपण
'हर पेड़ धरती की सांस है।' और ऑक्सीजन का स्रोत है। ***हर महीने एक पौधा लगाएं और उसे परिवार के सदस्य की तरह रखें।***

22 पानी बचाएं
'हर बूंद कीमती है।' हर दिन पानी का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करें। ***नल बंद रखें, रिसाव ठीक करें। वर्षाजल संचयन पर जोर दें।***

23 पुनर्चक्रण (रीसाइकिल)
'कचरे में भी खजाना है।' प्लास्टिक, कागज और कांच का पुनर्चक्रण करें, ***कूड़े को जिम्मेदारी से निपटाएं।***

24 प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान
'प्रकृति हमारी पूंजी है।' प्रकृति ने हमें पर्याप्त मात्रा में संसाधन दिए हैं। ***अनावश्यक उपभोग से बचें और स्थायी जीवनशैली अपनाएं।***

25 ऊर्जा की बचत
'कम ऊर्जा खर्च, बड़ी बचत।' घर में फाइव स्टार रेटिंग वाले उपकरणों के इस्तेमाल को तरजीह दें। ***अनावश्यक उपकरण बंद रखें और सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ाएं।***

'छोटे कदमों से बड़े बदलाव होते हैं।' ***2025 आपको, आपके परिवार, समाज और देश – सभी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का साल बन सकता है।***

सांख्य दर्शन में 25 तत्व

भारतीय दर्शन के प्राचीन और महत्वपूर्ण दर्शनों में से एक सांख्य दर्शन में भी 25 तत्व स्वीकार किए गए हैं। ***ये तत्व हैं–*** पुरुष, प्रकृति, महत् तत्व, अहंकार, शब्द-स्पर्श-रूप-रस-गंध ये पांच तन्मात्राएं, आकाश, वायु-तेज-जल-पृथ्वी ये पञ्चमहाभूत, श्रोत्र-त्वक्-चक्षु-रसन-घ्राण ये पांच ज्ञानेन्द्रियां, वाक्-पाणि-पाद-पायु-उपस्थ ये पांच कर्मेन्द्रियां, और मन। सांख्य दर्शन में द्वैतवाद को स्वीकार किया गया है, जिसका अर्थ है कि यह संसार दो मौलिक तत्वों पर आधारित है: पुरुष (चेतन तत्व) और प्रकृति (अचेतन तत्व)। सांख्य दर्शन ब्रह्मांड, जीवन, और अस्तित्व की प्रकृति को समझाने का प्रयास करता है।

पत्रिका सर्वे मेरा शहर, मेरा सपना

विद्यार्थियों, इस पोल के माध्यम से अपनी राय व्यक्त करें कि आप अपने शहर को वर्ष 2025 में कैसा देखना चाहते हैं।

प्रश्न 1- *आप वर्ष 2025 में अपने शहर को किसकी तरह देखना चाहते हैं?*

प्रश्न 2- *आपका सबसे पसंदीदा शहर कौन सा है?*

क्यूआर कोड को स्कैन कर दें सवालों के जवाब

मन का संकल्प: 2025 की चुनौतियों से निपटने के लिए बदलाव का आह्वान जरूरी

इंसानी एल्गोरिदम को स्क्रीन की कैद से निकालना होगा

आचार्य प्रशांत
नेशनल बेस्टसेलिंग लेखक, वेदांत मर्मज्ञ

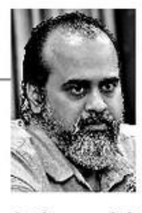

मन को प्रशिक्षित करेंगे तभी श्रेय (सत्य) के करीब जा सकेंगे और प्रेय (प्रिय लगने वाले झूठ) से दूर रहेंगे...

जब हम संभावनाओं, खतरों और चुनौतियों की बात करते हैं, तो सबसे पहले हमें यह देखना होगा कि वैश्विक और व्यापक स्तर पर क्या चल रहा है। फिर समझना होगा कि उसका संबंध व्यक्तिगत स्तर से है या नहीं। 2025 एक चुनौतीपूर्ण साल है, जो अब दस्तक दे रहा है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद के कम ही ऐसे साल रहे हैं, जब दुनिया में एक नहीं बल्कि दो बड़ी लड़ाइयां चल रही हों, और तीसरी जगह पर तनाव इतना हो कि लड़ाई कभी भी शुरू हो सकती हो।

रूस-यूक्रेन और मिडल ईस्ट में जो चल रहा है, वह एक बड़ी चुनौती है। इन युद्धों का अंत केवल समझ और संवाद से हो सकता है। अपने भीतर के अहंकार और स्वार्थ को समाप्त करने से ही यह संभव है। पर ये दोनों युद्ध रुक भी जाएं, तो भी इनसे बड़ा खतरा क्लाइमेट चेंज है। 2024 अब तक का सबसे गर्म साल रहा है। दुनिया भर में एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स बढ़े हैं, और यह स्थिति हर साल और भयावह होती जाएगी। 2025, 2026 और 2027 में तापमान और अधिक बढ़ेगा। वैज्ञानिक स्पष्ट कह रहे हैं कि

फीडबैक साइकल्स एक बार शुरू हो जाएं, तो उन्हें रोका नहीं जा सकता। इसका मतलब है कि हम प्रकृति के बिंदु से बहुत दूर निकल चुके हैं। ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज केवल पर्यावरणीय मुद्दे नहीं हैं, ये हमारी चेतना के अभाव का प्रमाण हैं। हमें व्यक्तिगत स्तर पर संसाधनों के उपयोग को सीमित करना होगा और बड़े स्तर पर सरकारों और उद्योगों को जवाबदेह बनाना होगा।

तीसरा खतरा सोशल मीडिया है। सोशल मीडिया ने इंसान के मन के साथ वह कर दिया है, जो उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ। इंसान ठीक से सुनने-समझने और ध्यान देने की क्षमता खो रहा है। सोशल मीडिया में वह क्षमता है कि यह इंसान को 'साइलो' (वस्तु भंडारण के काम आने वाली टंकीनुमा संरचना) में कैद कर देता है। यह मानसिक विकारों और अकेलेपन को बढ़ावा देता है।

सोशल मीडिया के पीछे का एल्गोरिदम इंसान की कामनाओं को पकड़ता है और उसे वही चीजें दिखाता है, जो उसे प्रिय लगती हैं। इसमें सच्चाई नहीं होती, केवल झूठ और भ्रम होता है।

अब एआइ ने इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। स्क्रीन इंसान की कामनाओं को पूरा कर रही है और उसे समाज, परिवार, और यथार्थ से दूर कर रही है। यह एक ऐसा मीठा जहर है, जो इंसान को गुलाम बना रहा है।

पत्रिका अभियान

जन संकल्प के रूप में हो रहे साकार

जागो जनमत
देश का हर मतदाता मतदान में भागीदार बने, यही है पत्रिका समूह के देशव्यापी जागो जनमत अभियान का उद्देश्य।

अमृतं जलम्
2004 में शुरू अभियान के तहत राजस्थान, मप्र और छत्तीसगढ़ में 2024 में 236 जलाशयों को नया जीवन दिया गया।

जनप्रहरी
यह पहल नए नेतृत्व को राजनीति में लाने की है। 15 सितंबर 2024 को इस अभियान का नया चरण लॉन्च किया गया।

हरयाळो राजस्थान एवं हरित प्रदेश
पर्यावरण के प्रति अपने सामाजिक सरोकारों के तहत पत्रिका ने 2005 में हरयाळो राजस्थान अभियान शुरू किया था। 2008 में मध्य प्रदेश और 2009 में छत्तीसगढ़ भी अभियान से जोड़े गए।

रक्षा कवच
साइबर अपराधों, अवैध गतिविधियों और समाज को हानि पहुंचाने वाले अपराधों के खिलाफ जनभागीदारी बढ़ाने के लिए वर्ष 2024 में अपराधों के विरुद्ध शुरू किए गए रक्षा कवच अभियान से लोग जागरूक और सतर्क हुए।

नववर्ष 2025 स्पेशल

सोशल मीडिया ट्रेंड्स में आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस भी जुड़ सकता है

NEW YEAR 2025

जो काम हम करते हैं, उन्हें तेजी से छीनेगा एआइ

एआई को सामाजिक जिम्मेदारी के दायरे में रखने के लिए नए साल में ठोस कानूनों की शुरूआत हो सकती है। एआइ के सॉफ़्टवेयर एजेंट अगले साल बहुत सारे ऐसे काम करने लगेंगे, जिन्हें आज इंसान करते हैं।

बालेंदु शर्मा दाधीच
सूचना प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ

क्वान्टम कंप्यूटिंग ऐसी तकनीक है, जो हमारे कंप्यूटरों की क्षमता को करोड़ों गुना बढ़ा देने वाली है। इसके साथ ही तकनीक का प्रयोग अगले चरण में प्रवेश कर जाएगा।

नया साल डिजिटल तकनीक की दुनिया में अब तक का सबसे बड़ा साल साबित हो सकता है। ओपन (AI) के सीईओ सैम ऑल्टमैन कह चुके हैं कि 2025 में आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआइ) का आगमन हो सकता है। यह ऐसी एआइ है, जो बुद्धि के मामले में इंसान की बराबरी कर सकती है। इसके साथ ही नए साल में एआइ मशहूर ट्यूरिंग टेस्ट भी पास कर सकती है, जो इंसान की बराबरी की क्षमता का पैमाना है। लेकिन एआइ के लिए एक चुनौती भी इंतजार कर रही है।

■ नया प्रयोग: एआइ के सॉफ्टवेयर एजेंट अगले साल बहुत सारे ऐसे काम करने लगेंगे, जिन्हें आज इंसान करते हैं। ग्लोबल वार्मिंग में एआइ के योगदान और प्रोसेसिंग के लिए अथाह बिजली की ज़रूरत के मद्देनजर अंतरिक्ष में एआइ डेटा सेंटर स्थापित करने का पहला प्रयोग भी हो सकता है, जहां सौर ऊर्जा की कोई कमी नहीं और प्रदूषण की कोई चिंता नहीं। सोशल मीडिया को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए फेक न्यूज, डीपफेक को पहचानने वाले टूल आएंगे।

■ नैतिकतापूर्ण एआइ: 2024 में लगभग पूरे साल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर सोशल मीडिया में चर्चाएं होती रहीं। चैटजीपीटी के आने से शुरू हुआ सिलसिला 2024 में गूगल, क्लॉड, कोपायलट और ग्रोक जैसे कई वैकल्पिक मॉडलों के रूप में जारी रहा। ध्यान रखने वाली बात यह है कि तकनीक की दुनिया में सबकुछ अच्छा-अच्छा ही नहीं था। जिम्मेदार और नैतिकतापूर्ण एआई की मांग भी उठती रही है। उम्मीद है कि तकनीक और नैतिकता में तालमेल होगा।

संयुक्त राष्ट्र की चिंता

संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को क्वान्टम कंप्यूटिंग को समर्पित किया है। इसी क्वान्टम कंप्यूटिंग से एआइ को कड़ी टक्कर मिलने वाली है। यह तकनीक कंप्यूटरों की क्षमता को करोड़ों गुना कर देने वाली है। उम्मीद है कि अब यह सर्वशक्तिमान तकनीक प्रयोगों के स्तर से ऊपर उठकर नए उत्पादों के रूप में हम सबके बीच पहुंच जाएगी। इन दोनों की अथाह शक्ति को सामाजिक ज़िम्मेदारी के दायरे में रखने के लिए नए साल में ठोस कानूनों की शुरुआत हो सकती है।

न्यूज विंडो

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन जरूरी

दिल्ली में 6 जनवरी के बाद घोषित हो सकते हैं चुनाव कार्यक्रम

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखें 6 जनवरी के बाद घोषित हो सकती हैं और चुनाव फरवरी के दूसरे हफ्ते तक हो जाने की उम्मीद है। राजनीतिक दल भी इसी के मद्देनजर चुनावी तैयारियों में जुटे हैं।

दरअसल, चुनाव तारीखों की घोषणा से पहले मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन होना अनिवार्य है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 6 जनवरी तक मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन होना है। इस तारीख तक मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन हो जाएगा। इससे माना जा रहा है कि 6 जनवरी या इसके बाद चुनाव कार्यक्रम घोषित हो सकते हैं।

2020 के विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा 6 जनवरी को हुई थी। तब 8 फरवरी को मतदान और 11 फरवरी को चुनाव नतीजे आए थे। इससे पूर्व 2015 में 12 जनवरी को चुनाव कार्यक्रम घोषित हुआ था, जबकि मतदान 7 फरवरी और परिणाम 10 फरवरी को घोषित हुआ था। दिल्ली में ड्राफ्ट मतदाता सूची के अनुसार एक करोड़ 53 लाख 57 हजार 529 मतदाता हैं। मतदाता सूचियों के संशोधन के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को करीब सवा दो लाख आवेदन मिले। अब मतदाता सूची को अंतिम रूप देने का कार्य चल रहा है।

बड़ा खेल: खनिज विभाग की मिलीभगत से सरकार को करोड़ों की चपत

क्वार्टजाइट को मेसेनरी स्टोन बता नीलाम कर दिए 13 ब्लॉक

सुरेश जैन
patrika.com

भीलवाड़ा . खनिज विभाग के कर्मचारियों ने खदान मालिकों से मिलीभगत कर विभाग को करोड़ों रुपए का राजस्व नुकसान पहुंचाया है। इससे खदान मालिकों को जरूर फायदा हुआ है। मामला निकटवर्ती चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा खनिज विभाग का है। वहां कर्मचारियों ने मिनरल क्वार्टजाइट को सर्वे के नाम पर नकारा बताया और उसे मेसेनरी स्टोन (चुनाई पत्थर) मानकर 13 ब्लॉक नीलाम कर दिए। क्वार्टजाइट के करोड़ों रुपए प्रति ब्लॉक मिलने थे, लेकिन मेसेनरी स्टोन बताने से सरकार को कराड़ों की चपत लगी है। खनन विभाग के एक कर्मचारी ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि बोली जरूर ऑनलाइन होती है मगर सब पहले ही तय हो जाता है।

निम्बाहेड़ा खनिज विभाग ने गत दिनों मेसेनरी स्टोन व चिनाई पत्थर के 13 प्लॉट की नीलामी निकाली। कई खदान मालिकों व अन्य कंपनियों ने हिस्सा लिया। 18 दिसंबर को नीलामी के बाद एक बोलीदाता ने मौका रिपोर्ट ली तो पता चला कि वहां मेसेनरी स्टोन न होकर क्वार्टजाइट मिनरल है। बोलीदाता का कहना है कि विभागीय कर्मचारियों ने मिलीभगत कर खदान मालिकों को फायदा पहुंचाया। ये सभी 13 ब्लॉक निम्बाहेड़ा, निकुंभ और बड़ी सादड़ी में है।

बोलीदाता की रिपोर्ट से पता चला कि स्टोन क्वार्टजाइट ही है न कि मेसेनरी

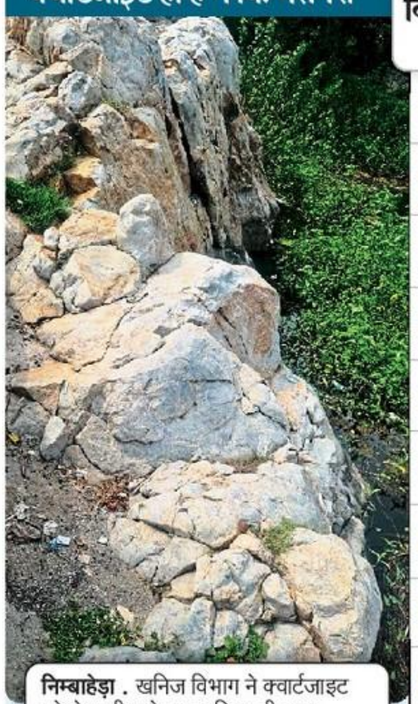

निम्बाहेड़ा . खनिज विभाग ने क्वार्टजाइट को मेसनरी स्टोन बता किया नीलाम।

किसने लगाई बोली...

ब्लॉक 69	61.77 लाख — विनीता माहेश्वरी
ब्लॉक 70	41.10 लाख — भेरव राज एंटरप्राइजेज
ब्लॉक 71	1.51 करोड़ — सेठ सांवरिया एक्सोटिक स्टोंस
ब्लॉक 72	88.40 लाख — जेपी माइंस एंड मिनरल्स
ब्लॉक 73	1.07 करोड़ — देवर्थ एंटरप्राइजेज
ब्लॉक 74	7.62 लाख — शिवाय मिनरल्स
ब्लॉक 77	1.10 करोड़ — बिजाय टेक्नोलॉजीज
ब्लॉक 78	1.10 करोड़ — बिजाय टेक्नोलॉजीज
ब्लॉक 81	1.28 करोड़ — महादेव माइंस एंड मिनरल्स
ब्लॉक 85	95.28 लाख — बाबूलाल पूनिया
ब्लॉक 86	1.00 करोड़ — शीतल चौहान
ब्लॉक 87	90.76 लाख — कुलदीप सिंह हाड़
ब्लॉक 88	65.66 लाख — तुलसी एंटरप्राइजेज

पहुंचाया परिचितों को लाभ

खनिज विभाग ने ऑनलाइन नीलामी के लिए चुनाई पत्थर की निविदाएं जारी की थी। ऐसे में कुछ गिने चुने लोगों ने ही नीलामी में हिस्सा लिया। अगर विभाग क्वार्टजाइट के नाम से नीलामी निकालता तो बोली दाताओं की संख्या अधिक होती। इस तरह खास लोगों को ही सस्ते में ब्लॉक दे दिए गए।

20-25 करोड़ का राजस्व नुकसान

खनिज विभाग के अधिकारियों का मानना है कि मेसेनरी स्टोन (चुनाई पत्थर) के नाम से नीलामी के लिए रखे ब्लॉक की कीमत 2.14 लाख से 3.77 लाख रखी गई। जबकि क्वार्टजाइट के नाम से नीलामी बोली होती तो इनकी कीमत 25 से 30 लाख रुपए रखनी पड़ती। ऐसे मे विभाग को कम से कम 13 ब्लाकों में 20 से 25 करोड़ का राजस्व का नुकसान हुआ है। जबकि इन 13 ब्लॉक से केवल 11.58 करोड़ रुपए का ही राजस्व मिला है।

यह काम आता है क्वार्टजाइट

क्वार्टजाइट का इस्तेमाल सड़क निर्माण, रेलवे गिट्टी निर्माण, छत की टाइल्स, सीढ़ियां, फर्श बनाने में होता है। रसोई के काउंटरटॉप और सजावटी दीवारें बनाने के साथ सिलिका रेत, फेरोसिलिकॉन, सिलिकॉन कार्बाइड और सिलिकॉन बनाया जाता है। क्वार्टजाइट प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाली रूपांतरित चट्टान है, जो बलुआ पत्थर से बनी है।

शिकायत मिले तो जांच

निम्बाहेड़ा में मेसेनरी स्टोन के 13 ब्लॉक की नीलामी को लेकर अभी तक कोई शिकायत नहीं आई है। अगर ऐसा होता है तो जांच की जाएगी। वैसे भी वरिष्ठ भू वैज्ञानिक की रिपोर्ट के आधार पर इनकी नीलामी की गई है। **ओपी काबरा,** अधीक्षण अभियंता भीलवाड़ा

छत्तीसगढ़ की बंद खदानों से देश को मिल रही ताजी मछलियां

प्रधानमंत्री की मत्स्य संपदा योजना मदद से स्वावलंबी हुईं महिलाएं

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना देश के मत्स्य पालन क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव के साथ भारत की नीली अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ में बंद खदानों को केज कल्चर तकनीक से मछली पालन केंद्र बनाया गया है, जहां पंगेसियस और तिलापिया जैसी मछलियों का उत्पादन तेजी से हो रहा है। यह पहल ग्रामीण रोजगार, महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता के नए अवसर प्रदान कर रही है।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में बंद खदानें अब रोजगार और मछली उत्पादन केंद्र बन चुकी हैं। योजना के तहत इन खदानों में केज कल्चर से मछलियों का पालन किया जा रहा है।

जोरातराई की दो खदानों में 9 करोड़ 72 लाख रुपए की लागत से कुल 324 केज स्थापित किए गए हैं। इन केज में मछलियां पांच माह में बाजार के लिए तैयार हो जाती हैं। एक केज में करीब 2.5 से 3 टन मछलियों का उत्पादन हो रहा है। इस प्रयास से 150 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है, और महिलाएं हर महीने 6 से 8 हजार रुपए आमदनी कमा रही हैं। मछली पालकों को 60 फीसदी तक अनुदान दिया गया है।

राज्य सरकार के मार्गदर्शन में खदानों में पंगेसियस और तिलापिया जैसी मछलियों का पालन किया जा रहा है। योजना के तहत 486 लाख रुपए की लागत से जोरातराई के एक खदान में 162 यूनिट केज लगाई है, जिसमें सरकार हितग्राहियों को 40 से 60 फीसदी अनुदान दे रही है।

पावरग्रिड ने एसएबीसी के साथ ग्रीन लोन एग्रीमेंट पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) ने सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन के साथ गिफ्ट सिटी, गांधीनगर, गुजरात में ऐतिहासिक ग्रीन लोन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया है।

यह समझौता भारत के अक्षय ऊर्जा परिवर्तन में पावरग्रिड की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। 150 मिलियन अमरीकी डॉलर के ग्रीनशू विकल्प के साथ 200 मिलियन अमरीकी डॉलर के बराबर जेपीवाई में मूल्यांकित यह सुविधा अक्षय ऊर्जा निकासी और राष्ट्रीय ग्रिड में उसके एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए पावरग्रिड और एसएमबीसी के बीच रणनीतिक सहयोग को रेखांकित करती है। इस ऋण समझौते पर निदेशक वित्त जी. रविशंकर, कार्यपालक निदेशक , एल. के. खजकुमार सहित पावरग्रिड तथा एसएमबीसी एवं पावरग्रिड के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

दिल्ली में 6-7 जनवरी को होने वाले राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन होंगे बड़े निर्णय

वर्ष 2025 को व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के रूप में मनाएगा कैट

देशभर में होंगे अनेक कार्यक्रम : व्यापारियों के अधिकारों और सम्मान के लिए होगी विशेष पहल

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने वर्ष 2025 को "व्यापारी स्वाभिमान वर्ष" के रूप में मनाने का निर्णय किया है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री तथा चांदनी चौक सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि यह वर्ष व्यापारियों के अधिकारों, देश के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विकास में उनके योगदान, और समस्या को उजागर करने तथा सम्मान स्थापित करने के उद्देश्य से समर्पित होगा।

150 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेता शामिल होंगे: भरतिया एवं खंडेलवाल ने बताया कि आगामी 6-7 जनवरी को दिल्ली में कैट राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन करेगा। इसमें देश के सभी राज्यों के 150 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेता शामिल होंगे और व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के सभी कार्यक्रमों को अंतिम रूप देंगे। देशभर के 48 हज़ार से ज़्यादा व्यापारिक संगठन इस बृहद योजना के क्रियान्वयन में जुटेंगे। देशव्यापी अभियान में व्यापारियों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। व्यापारियों के योगदान को मान्यता देने के लिए विशेष सम्मान समारोह होंगे। प्रमुख व्यापारियों और संगठनों को उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

व्यापारिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सेमिनार और कार्यशालाएं होंगी। डिजिटल व्यापार, जीएसटी, ई-कॉमर्स और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होंगी। व्यापारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए विभिन्न राज्यों में स्वाभिमान मार्च निकाले जाएंगे। स्थानीय और पारंपरिक व्यापार प्रोत्साहित करने के लिए विशेष मेले और प्रदर्शनियां लगेंगी।

आतिशी-संजय पर 10 करोड़ का मानहानि केस करेंगे संदीप दीक्षित

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने भाजपा से करोड़ों रुपए लेने के आरोप पर मुख्यमंत्री आतिशी और आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह पर मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की घोषणा की है। दीक्षित ने कहा कि वे इन दोनों नेताओं पर दस करोड़ रुपए का मानहानि मुकदमा करेंगे।

दीक्षित ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन के कारण वह इस मुद्दे पर पहले जवाब नहीं दे पाए, लेकिन अब वह आप के नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि मानहानि के 10 करोड़ रुपए में से पांच करोड़ रुपए यमुना की सफाई पर खर्च करेंगे। जबकि शेष पांच करोड़ रुपए का उपयोग प्रदूषण की समस्या दूर करने पर के लिए देंगे।

आप ने मुझे और मेरे परिवार को हमेशा निशाना बनाया

दीक्षित ने दावा किया कि केजरीवाल के मुख्यमंत्री बनने के बाद भाजपा और केजरीवाल के बीच हुई बैठक के बारे में भाजपा के विजय कुमार मल्होत्रा ने उन्हें बताया था। इस दौरान भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने शीला दीक्षित के खिलाफ सबूत मांगे थे, जिस पर केजरीवाल ने 360 अखबारों की कटिंग दिखाई। उन्होंने कहा कि केजरीवाल पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जो सबूत के तौर पर अखबार की कतरनें दिखाते हैं। आप ने पिछले 10-12 सालों से कांग्रेस समेत मुझे और मेरे परिवार को हमेशा निशाना बनाया है।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए दिवंगत शीला दीक्षित सरकार के खिलाफ 360 पेज के सबूत लेकर घूमते थे।

दिल्ली विस चुनाव

सांसद जोशी में पार्टी के लिए करेंगे प्रचार

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी.जोशी दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा के लिए प्रचार-प्रसार करेंगे। सांसद जोशी को दिल्ली विस चुनाव में आरकेपुरम क्षेत्र में पार्टी द्वारा जिम्मेदारी प्रदान की गई है। सांसद जोशी दिल्ली विधानसभा चुनाव में 1 जनवरी से ही सक्रिय रूप से दिल्ली रहकर कार्य प्रारंभ कर रहे हैं।

पत्रिका
विस्तृत खबरों और फोटोग्राफ्स के लिए देखें...
patrika.com

संकट: मौत की सजा पर राष्ट्रपति की मुहर

यमन में भारतीय नर्स के मामले में सरकार से हरसंभव सहायता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को हत्या के मामले में 2020 में सुनाई गई मौत की सजा को वहां के राष्ट्रपति रशद मुहम्मद अल-अलीमी ने मंजूरी दे दी है। एक माह में सजा पर अमल किया जा सकता है। भारत सरकार ने मंगलवार को कहा कि निमिषा को बचाने के लिए उनके परिवार को हरसंभव मदद दी जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार मामले से अवगत है। निमिषा के परिवार को कानूनी विकल्प तलाशने में सहायता दी जा रही है।

केरल के पलक्कड़ की निमिषा प्रिया को यमन के नागरिक तलाल अब्दो मेहदी की हत्या के मामले में मौत की सजा सुनाई गई थी। हत्या 2017 में हुई थी। तभी से वह जेल में हैं। निमिषा की मां ने बेटी को बचाने के लिए कोशिश की, लेकिन यमन की निचली अदालत ने निमिषा को दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। यमन के सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में सजा के खिलाफ अपील खारिज कर निचली अदालत का फैसला बरकरार रखा। निमिषा को सजा से बचाने के लिए उनके गृहनगर पलक्कड़ में काफी समय से अभियान चलाया जा रहा है।

क्लीनिक में धोखाधड़ी के बाद यौन उत्पीड़न

निमिषा 2012 में यमन गई थीं। उन्होंने तलाल अब्दो मेहदी के साथ 2015 में क्लीनिक शुरू किया। तलाल ने धोखे से क्लीनिक की आधी आय हड़पने की कोशिश की। विरोध करने पर उसने निमिषा का यौन शोषण शुरू कर दिया। उत्पीड़न से तंग आकर निमिषा ने जुलाई 2017 में तलाल को नशीला इंजेक्शन दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। निमिषा का कहना है कि उसका इरादा हत्या का नहीं था। वह सिर्फ उससे अपना पासपोर्ट वापस लेना चाहती थी।

गुजरात: हजीरा के प्लांट में हादसा, चार लोगों की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. हजीरा क्षेत्र स्थित आर्सेनल मित्तल एंड निप्पॉन स्टील (एएमएनएस) प्लांट में चार कर्मचारियों की मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार शाम कंपनी कोरेक्स-2 प्लांट में लिक्विड मेटल बनाने का काम चल रहा था। तभी अचानक ट्यूब फटने से गर्म तरल फैल गया, जो लिफ्ट में पहुंच गया। इस दौरान लिफ्ट में मौजूद चार कर्मचारियों की झुलसने मौत हो गई। मृतकों में धवलकुमार नरेशभाई, गणेश सूरज, जिग्नेश दिलीप कुमार और संदीप पटेल हैं।

रेलवे

प्रथम फेज का काम पूरा, दूसरे फेज का कार्य अंतिम चरण में

नए साल में मिल सकती है ट्रेन ट्रायल ट्रैक की सौगात

मोतीराम प्रजापत
patrika.com

चौसला (नागौर) . नए साल 2025 में राज्य के महत्वपूर्ण मेगा प्रोजेक्ट रेलवे ट्रायल ट्रेक के पूरा होने की उम्मीद है। यह भविष्य में राष्ट्र के विकास को नई ऊर्जा देगा। ट्रायल ट्रैक का निर्माण सांभर झील के किनारे किया जा रहा है। इन दिनों ट्रायल ट्रेक के दूसरे फेज का काम अंतिम चरण में है। यह ट्रैक तैयार होने के बाद ट्रेनों की टेक्नोलॉजी में काफी बदलाव आएगा। बता दें कि भारत में वर्तमान में एक भी ट्रेन के लिए परीक्षण ट्रैक नहीं है। नया साल रेलवे के लिए तकनीक में स्वर्णिम काल साबित होगा। यह ट्रैक बनने के बाद यहां 200 से 220 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हाईस्पीड ट्रेन, रेग्युलर, गुड्स वैगन के ट्रायल होंगे।

प्रोजेक्ट पर एक नजर

फरवरी 2019	कार्य आरंभ
लागत 820 करोड़	
कुल लंबाई 63.56 किमी	
133 छोटे व 7 बड़े पुलों का निर्माण	
200-220 किमी प्रति घंटे की स्पीड से ट्रायल	

धौलपुर के पत्थरों से बन रहा स्टेशन

जाब्दीनगर रेलवे स्टेशन का निर्माण धौलपुर के पत्थरों को कुशल कारीगर तराशकर तैयार कर रहे हैं। इस स्टेशन पर मारवाड़ के स्थापत्य कला की झलक देखने को मिलेगी। ट्रेक पर कुल चार स्टेशन गुढ़ासाल्ट, जाब्दीनगर, नावां, ठठाना मिठड़ी और एक विश्व स्तरीय आधुनिक लैब बनेगी।

ट्रैक की 5.56 किमी लंबाई बढ़ाई

पहले ट्रायल ट्रैक गुढ़ासाल्ट से ठठाना मिठड़ी तक 58 किमी लंबाई में बनाना प्रस्तावित था। बाद में 5.56 किमी लंबाई में बवली गुढ़ा तक बढ़ा दिया है। अब कुल लंबाई 63.56 किमी है।

निर्माण कार्य 2025 में पूरा होने की पूरी उम्मीद है। पहले फेज का काम पूरा होने के बाद दूसरे फेज काम अंतिम चरण में चल रहा है। चारों स्टेशनों का काम भी चालू है। **संदीप कुमार,** इंजीनियर, ट्रायल ट्रैक

मजाकिया अंदाज में बोले अदाणी-'आठ घंटे काम पर बिताओगे तो बीवी भाग जाएगी'

नई दिल्ली @ पत्रिका. वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर चल रही बहस में अब उद्योगपति गौतम अदाणी भी शामिल हो गए। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, वर्क-लाइफ बैलेंस बहुत व्यक्तिपरक है। मसलन, किसी को परिवार के साथ चार घंटे बिताने में खुशी मिल सकती है, तो किसी को आठ घंटे पसंद हो सकते हैं। मजाकिया अंदाज में अदाणी ने कहा, आठ घंटे काम पर ही बिताते हैं तो बीवी भाग जाएगी। अदाणी की यह टिप्पणी इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति द्वारा सप्ताह में 70 घंटे काम करने की वकालत से शुरू हुई चर्चाओं के बीच आई।

य एषु सुप्तेषु जागर्ति | वर्ष 20 | अंक 162 | पृष्ठ 12 | मूल्य 5.00 | नई दिल्ली, बुधवार, 01 जनवरी, 2025 | पौष शुक्ल पक्ष द्वितीया, संवत् 2081

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

नववर्ष की शुभकामनाएं

राजस्थान पत्रिका

नए साल 2025 में रोशनी में डूबा सिडनी हार्बर: ऑस्ट्रेलिया में भारत में 5.30 घंटे पहले नया साल शुरू हो जाता है।

तकनीकी पुनर्जागरण वर्ष

हैं तैयार हम...

नया साल AI के इस्तेमाल को नए युग में ले जाएगा, इससे हमारा जीवन होगा सहज

स्वागत! एआइ युग 2025

नई दिल्ली@पत्रिका. नया साल 2025 हमारे जीवन में बदलाव के नए दरवाजे खोलने जा रहा है। यह वर्ष हमारे जीवन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस **(AI)** के नए युग में ले जाएगा। रोजी-रोटी से लेकर मकान-दुकान तक हर जगह बदलाव का रुख दिखेगा। 2025 को टेक्नोलॉजी के पुनर्जागरण का वर्ष माना जा रहा है। न सिर्फ सुख-सुविधाओं के साधन बदलने वाले हैं बल्कि पढ़ाई-लिखाई, काम-काज से लेकर इलाज और देखभाल के तरीकों में भी क्रांतिकारी परिवर्तन होंगे।

25 बिंदुओं में समझें कि नववर्ष में आपके लिए क्या-क्या नया होगा...कैसे पूरी होंगी बुनियादी जरूरतें

स्वास्थ्य: कैंसर से दमदार लड़ाई

1 कैंसर टीके से व्यक्तिगत उपचार: रूस और ब्रिटेन ने आरएनए तकनीक से कैंसर टीके विकसित किए हैं, जिनसे एआइ की मदद से पर्सनलाइज उपचार हो सकेगा। भारतीय वैज्ञानिकों ने भी सीएआर-टी सेल थेरेपी से इलाज की नई संभावना जगाई है।

2 गर्भाशय कैंसर टीकाकरण अभियान: भारत सरकार राष्ट्रव्यापी मानव पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान शुरू करेगी, जिससे गर्भाशय कैंसर का खतरा खत्म हो जाएगा।

3 दिल का जोखिम होगा कम: अमरीका में पहली ऐसी दवा खोजी गई है जो वजन घटाने के साथ-साथ दिल के दौरे रोकने में 20 फीसदी फायदेमंद है। यह दवा भारत में भी उपलब्ध हो सकती है।

4 जीन एडिटिंग से सिकल सेल का इलाज: पिछले दो साल में सिकल सेल रोग के लिए जीन एडिटिंग की मदद से इलाज में सफलता मिली है। उम्मीद है कि भारत में इस तकनीक से इलाज हो सकेगा।

5 अल्जाइमर में नई दवाओं से उम्मीद: अल्जाइमर उम्र के साथ बढता है। अमरीका में अल्जाइमर रोगियों के बेहतर प्रबंधन के लिए 3 दवाओं को मंजूरी दी है। नए साल में इसका इस्तेमाल हो सकता है।

शिक्षा: नवाचार से बदलाव

6 तकनीकी एकीकरण: राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पढ़ाने और पढ़ने में तकनीकी के इस्तेमाल पर जोर। एआइ, वर्चुअल क्लासरूम और इंटरैक्टिव सामग्री से पढ़ाई के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान।

7 कौशल आधारित शिक्षा: उद्योगों की मांग के अनुरूप शिक्षा में कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों पर होगा जोर। ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा व नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण, इंटर्नशिप व प्रमाण पत्र जैसे कोर्स।

8 हाइब्रिड लर्निंग मॉडल: हाइब्रिड लर्निंग को अपनाने में पर रहेगा जोर। शिक्षार्थियों की सुविधा और ग्रामीण व कस्बाई छात्रों तक संसाधनों के इस्तेमाल से शिक्षा की सुलभता बढ़ेगी।

9 अनुसंधान व नवाचार को प्रोत्साहित करेंगे: भारत की वैश्विक रैंकिंग को बढ़ाने के लिए, शोध पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। नवाचार केंद्रों की स्थापना और शोध के लिए बजट बढ़ाकर भारत को ज्ञान केंद्र बनाने का प्रयास होगा।

10 उच्च शिक्षा का वैश्वीकरण: भारतीय विश्वविद्यालय वैश्विक भागीदारी बढ़ाएंगे और दोहरी डिग्री कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इस दिशा में आगे बढ़ने से भारतीय शिक्षा के स्तर में सुधार होगा।

घर: सपना हो सकता है पूरा

11 पांच लाख से ज्यादा मकान बनेंगे: पांच लाख से अधिक नए मकान बनने की उम्मीद है। इनमें 50 फीसदी से अधिक लग्जरी हाउसिंग प्रोजेक्ट होंगे, जिनकी कीमत कम से कम एक करोड़ रुपए होगी। मकान की कीमतें 10 फीसदी बढ़ने की उम्मीद।

12 पीएम आवास योजना में 60 लाख घर: 60 लाख से अधिक मकानों का निर्माण हो सकता है पीएम आवास योजना के तहत इस साल। केंद्र सरकार ने अगले पांच साल में शहरी व ग्रामीण इलाकों में तीन करोड़ अतिरिक्त मकान के निर्माण को मंजूरी दी है।

13 होम लोन पर सब्सिडी की तैयारी: सरकार शहरी आवास के लिए सस्ती दरों पर लोन की सुविधा के लिए ब्याज सब्सिडी योजना लेकर आएगी, जिसकी घोषणा 2024 के आम बजट में हुई थी।

14 बिना गारंटी का होम लोन: सरकार जीरो कोलैटरल यानी बिना गारंटी के 20 लाख रुपए तक का होम लोन देने की योजना बना रही है।

15 एआइ बनाएगा घर का नक्शा: घर का नक्शा व मॉडल बनाने में बड़े पैमाने पर एआइ का इस्तेमाल होगा। इससे कम स्पेस में बेहतर घर और स्पेस को पूरा यूटिलाइज किया जा सकेगा।

सुविधा: एआइ समझेगा भावनाएं

16 एआइ 'डिया' करेगा जीवन आसान: इमोशनल एआइ इंसानों की भावनाओं को समझने में काबिल हो सकता है। इससे एलेक्सा, सिरी जैसे वॉयस असिस्टेंट सिर्फ आदेश का पालन नहीं करेंगे, बल्कि आपके सुख, दुख, गुस्से को भी समझेंगे।

17 एआइ दूर करेगा विकलांगता: एआइ की मदद से ऐसे अंग विकसित होंगे जो इंसानी अंगों की तरह ही काम करेंगे। ये मस्तिष्क के संकेतों को समझ कर काम भी कर सकेंगे।

18 बगैर इंटरनेट काम: ऐसे एआइ चैटबॉट्स आ सकते हैं, जो इंटरनेट नहीं होने पर भी काम करेंगे। ये टिकट बुकिंग, ट्रैफिक मैनेजमेंट, कचरा प्रबंधन, बिजली सप्लाई और रूटीन काम कर सकेंगे।

19 सुविधाजनक रेल यात्रा: वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का परिचालन इस साल शुरू हो जाएगा। नमो भारत रैपिड रेल (वंदे मेट्रो), दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें व 136 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू होंगी।

20 तीन नई घरेलू उड़ान सेवा: तीन नई घरेलू विमानन कंपनियां के जहाज आसमान में उड़ान भरेंगे। एयरकेरला और अलहिंद एयर के साथ यूपी की शंख एयर को मंत्रालय से एनओसी मिल चुकी है।

रोजगार : खुलेंगे नए रास्ते

21 सरकारी नौकरियां और अवसर: केंद्र सरकार व उससे जुड़े संस्थानों में दो लाख और राज्यों के स्तर पर 10 लाख से ज्यादा नौकरियों की भर्ती होगी। रेलवे, सड़क व शहरी आवास की सरकारी योजनाओं में रोजगार के आठ फीसदी अवसर बढ़ेंगे।

22 लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन में अवसर: लॉजिस्टिक्स सेक्टर में 14% वर्कफोर्स बढ़ने का अनुमान। इसके लिए एआइ सक्षम लॉजिस्टिक्स व ग्रीन सप्लाई चेन तकनीकों में अवसर।

23 ई-कॉमर्स और टेक स्टार्ट-अप में उछाल: ई-कॉमर्स फर्मों के कर्मचारियों की 9% बढ़ोतरी हो सकती है। क्लाउड आर्किटेक्ट, एआइ उत्पाद प्रबंधक व फुल-स्टैक डेवलपर्स जैसी प्रमुख भूमिकाओं में भर्ती हो सकती है।

24 अक्षय ऊर्जा व ईवी में मौका: अक्षय ऊर्जा और ईवी क्षेत्र में 12% भर्तियां हो सकती हैं। इसमें सौर ऊर्जा परियोजनाओं, स्मार्ट ग्रिड विकास और ईवी बुनियादी ढांचे के विकास में अवसर मिल सकता है।

25 यात्रा व आतिथ्य में अवसर: यात्रा व आतिथ्य उद्योग वर्कफोर्स में 8.2% की वृद्धि हो सकती है। कंपनियों में प्रबंधन, डिजिटल परिवर्तन व आइटी से जुड़े लोगों के लिए रोजगार के मौके।

अंतरिक्ष स्टेशन पर सुनीता विलियम्स के लिए नया साल 16 बार आएगा। धरती से 400 किमी दूर अंतरिक्ष स्टेशन पर 16 बार सूर्योदय और सूर्यास्त होगा। अंतरिक्ष स्टेशन हर 90 मिनट में एक बार धरती का चक्कर लगाता है।

भारत में 76% लोग मान रहे हैं कि नया साल उनके लिए बढ़िया रहेगा, जबकि 24% लोग इसके प्रति निराशावादी हैं। दुनिया के 33 देशों में किए गए इप्सोस के सर्वे से पता चलता है कि नए साल को लेकर सबसे ज्यादा आशावादी इंडोनेशिया (90%) और सबसे कम आशावादी जापान (38%) के लोग हैं। भारत का स्थान 13वां है।

न्यूज विंडो

■ रिटर्न फाइल करने की तारीख बढ़ाई

नई दिल्ली@ पत्रिका. सरकार ने बिलेटेड/रिवाइज्ड इनकम टैक्स रिटर्न (आइटीआर) फाइल करने की तारीख 31 दिसंबर से बढ़ाकर 15 जनवरी कर दी है। जिन्होंने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आइटीआर फाइल नहीं की है, वे लेट फीस से साथ 15 जनवरी तक फाइल कर सकेंगे।

झरोखा

पत्रिका समूह के सृजनात्मक साहित्य पुरस्कार घोषित

उमा को कहानी व कुलदीप को कविता का पहला पुरस्कार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पं. झाबरमल्ल शर्मा स्मृति व्याख्यानमाला समारोह में 4 जनवरी को सम्मानित होंगे विजेता

उमा | कुलदीप सिंह भाटी | संजय दुबे | अंकित शर्मा

जयपुर. पत्रिका समूह ने अपने वार्षिक सृजनात्मक साहित्य पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। समूह के परिशिष्टों में प्रकाशित श्रेष्ठ कहानी व कविता के लिए हर साल ये पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। विजेताओं को ये पुरस्कार, साहित्य और पत्रकारिता के पुरोधा पं. झाबरमल्ल शर्मा की स्मृति में व्याख्यानमाला के तहत आयोजित समारोह में प्रदान किए जाएंगे। पत्रकारिता की विभिन्न विधाओं में श्रेष्ठ रहने वाले पत्रिका टीम के सदस्यों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। यह समारोह 4 जनवरी को जयपुर में होगा। पं. झाबरमल्ल शर्मा की स्मृति में वर्ष 1992 से शुरू हुई इस व्याख्यानमाला को देश के वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक और प्रबुद्धजन संबोधित करते रहे हैं।

सृजनात्मक साहित्य पुरस्कारों के तहत कहानी में पहला पुरस्कार जयपुर की उमा की कहानी 'सपना' और कविता में पहला पुरस्कार जोधपुर के कुलदीप सिंह भाटी की कविता 'पूर्णता की ओर' को दिया जाएगा। कहानी में दूसरा पुरस्कार रायपुर (छत्तीसगढ़) के संजय दुबे की कहानी 'अंतिम संस्कार' और कविता में दूसरा पुरस्कार मुरैना (मध्यप्रदेश) के अंकित शर्मा 'इषुप्रिय' को 'सावन के दोहे' के लिए दिया जाएगा। ये कहानी व कविताएं पत्रिका समूह के परिशिष्टों में वर्ष 2024 के दौरान प्रकाशित हुई थीं। इस साल कहानी और कविता के निर्णायक मंडल में इंदौर के मनीष वैद्य, महासमुंद (छत्तीसगढ़) की डॉ. चंद्रिका चौधरी, बांसवाड़ा के भरतचंद्र शर्मा, भिलाई के परमेश्वर वैष्णव, भोपाल की

लॉस एंजिल्स: एयरपोर्ट पर बाल-बाल बची विमानों की टक्कर

अमरीका के लॉस एंजिल्स हवाई अड्डे पर दो विमान आपस में टकराने से बच गए। हवाई अड्डे पर लाइम एयर फ्लाइट 563 उतरी थी। वह रनवे को पार करने वाली थी, तभी एक निजी विमान भी टेकऑफ कर रहा था। इस दौरान दोनों विमान नजदीक आ गए। एटीसी ने एक विमान को रोका। हवाई अड्डे पर आमने-सामने आए विमान।

ट्रेंडिंग न्यूज

केरल

एंबुलेंस जाम में फंसी, दो मरीजों की मौत

तिरुवनंतपुरम@ पत्रिका. केरल में कोझिकोड के हाइवे पर दो एंबुलेंस जाम में फंसने से दो मरीजों की मौत हो गई। दोनों को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया जा रहा था। लोगों ने रास्ता खोलने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। दोनों एंबुलेंस 45 मिनट जाम में फंसी रहीं।

अमरीका

एंजेलिना जोली और ब्रैड पिट का तलाक

न्यूयॉर्क@ पत्रिका. हॉलीवुड स्टार्स एंजेलिना जोली और ब्रैड पिट का तलाक हो गया है। उनके बीच तलाक को लेकर 8 साल से कानूनी लड़ाई चल रही थी। अदालत ने सोमवार को उनके तलाक को अंतिम रूप दे दिया। एंजेलिना और पिट का विवाह 2014 में हुआ था।

गुजरात

स्टंट करते टाई फंसने से बच्चे की मौत

वडोदरा@ पत्रिका. गुजरात में वडोदरा के नवापुर इलाके में घर के झूले पर स्टंट कर रहे 10 साल के रचित पटेल की मौत हो गई। उसकी टाई झूले के लूप में फंस गई थी। इससे गला दबने से उसका दम घुट गया। हादसे के समय मां बाहर गई हुई थी, जबकि पिता दूसरे कमरे में था।

बचपन की सुरक्षा

नाबालिगों की निगरानी, माता-पिता को देगा नियंत्रण के सुझाव

बच्चों में इंटरनेट की लत रोकने के लिए ऐप लाएगा ग्रीस

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

एथेंस. बच्चों में इंटरनेट की लत रोकने के लिए ऑस्ट्रेलिया के बाद अब ग्रीस की सरकार ने बड़ा कदम उठाने का ऐलान किया है। वह नए साल में 'किड्स वॉलेट ऐप' लॉन्च करेगी। यह नाबालिगों के इंटरनेट उपयोग पर नजर रखेगा और माता-पिता को नियंत्रण के सुझाव देगा।

ग्रीस के डिजिटल गवर्नेंस मंत्री दिमित्रिस पापास्तेरजियू ने बताया कि ऐप मार्च, 2025 में लॉन्च किया जाएगा। इससे बच्चों के मोबाइल पर ब्राउजिंग सीमाएं और आयु सत्यापन लागू होंगे। ऐप सरकार के पहले से मौजूद डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। माता-पिता ऐप की मदद से तय कर पाएंगे कि उनके बच्चे कौन-कौन-से ऐप और वेबसाइट इस्तेमाल कर सकते हैं। पापास्तेरजियू ने कहा, किड्स वॉलेट माता-पिता के लिए

मोबाइल पर ब्राउजिंग सीमाएं और आयु सत्यापन लागू होंगे

बहुत कमा लिया, अब जिम्मेदारी निभाएं

ग्रीस का यह कदम ऑस्ट्रेलिया की सोशल मीडिया पाबंदी से प्रेरित है। ऑस्ट्रेलिया ने नवंबर में कानून पास कर 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीजी ने इसे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी बताते हुए कहा, सोशल मीडिया कंपनियों ने बच्चों से बहुत मुनाफा कमाया है। अब वे जिम्मेदारी दिखाएं।

चीन में भी सख्ती, फ्रांस में तैयारी

इंटरनेट की लत से निपटने के लिए दूसरे देश भी कदम उठा रहे हैं। चीन 2021 में बच्चों के लिए इंटरनेट का उपयोग सीमित कर चुका है। वहां 14 साल से कम उम्र के बच्चों को डूयीन (टिकटॉक का चीनी संस्करण) पर दिन में 40 मिनट से ज्यादा समय बिताने की इजाजत नहीं है। फ्रांस ने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर आयु सत्यापन करने का प्रस्ताव रखा है।

प्राइवेट जांच में अलग इशारे: मौत को बताया साजिश, सच सामने लाने की मांग

सुचिर बालाजी की मां का दावा, बेटे के पास थे एआइ इंडस्ट्री में भूचाल मचाने वाले दस्तावेज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय मूल के अमरीकी एआइ रिसर्चर सुचिर बालाजी (26) की मौत को उनकी मां पूर्णिमा रामाराव ने साजिश बताते हुए सच सामने लाने की मांग की है। एक मीडिया हाउस को इंटरव्यू में उन्होंने बेटे की मौत को सामान्य मानने से इनकार करते हुए मामले की जांच को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके बेटे के पास ऐसे कई दस्तावेज व जानकारी थी, जो एआइ इंडस्ट्री की दुनिया में भूचाल मचा सकते थे।

सुचिर पिछले माह सैन फ्रांसिस्को के अपार्टमेंट में मृत मिले थे। पूर्णिमा ने बेटे की मौत की जांच में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए दावा किया कि उन्होंने एक निजी संस्था से मामले की

गड़बड़ी का संकेत

पूर्णिमा रामाराव ने कहा कि उनके बेटे को द न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा ओपनएआइ के खिलाफ दायर मुकदमे में संभावित गवाह के रूप में नामित किए जाने के एक हफ्ते बाद मृत पाया गया, जो अपने आप में कुछ न कुछ गड़बड़ी होने का संकेत देता है।

ओपनएआइ पर लगाए आरोप, परेशानी बढ़ी

अगस्त में ओपनएआइ छोड़ने वाले बालाजी ने ओपनएआइ के डेटा-कलेक्शन के तरीकों और चैटजीपीटी को डेवलप करने में कथित कॉपीराइट उल्लंघन के गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि इसके बाद उन्हें परेशान करने की कोशिश की गई।

आबूरोड में आयुर्वेद चिकित्सा शिविर सम्पन्न

आयुर्वेद दुनिया की सबसे प्राचीन चिकित्सा पद्धति : डॉ. शर्मा

आबूरोड @ पत्रिका. आयुर्वेदिक विभाग की ओर से शहर के मानपुर स्थित माली समाज भवन परिसर में आयोजित निशुल्क दस दिवसीय स्वास्थ्य जांच एवं शल्य चिकित्सा शिविर का समापन हुआ। शिविर में 10,370 लोग लाभान्वित हुए। 52 रोगियों के अर्श, भगंदर के ऑपरेशन किए गए। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त निदेशक, आयुर्वेद विभाग जोधपुर डॉ. राजीव लोचन शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद दुनिया की सबसे प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। आज भी इस विद्या को कई लोग अपनाकर तरोताजा व तंदुरुस्त रख पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में लोगों का विश्वास जगा है। रोग जड़ से समाप्त हो जाते हैं। अध्यक्षता कर रहे विभाग के सेवानिवृत्त अतिरिक्त निदेशक डॉ. केशव भारद्वाज ने कहा कि जीवन शैली में बदलाव व आयुर्वेद दवाइयों से विभिन्न रोगों से छुटकारा मिल जाता है। उन्होंने पंचकर्म चिकित्सा की महत्ता पर प्रकाश डाला। उप निदेशक डॉ. यशवंत कुमार व्यास ने विचार प्रकट किए। विशिष्ट अतिथि गौतम, उम्मेद माली व छोगजी ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा से बढ़कर कोई सेवा प्रमाणिक नहीं है। इस मुहिम को साकार करने में भामाशाह अनिल मालवीय, संजय चतुर्वेदी, गौतम जैन व अन्य भामाशाह ने शिविर में सहयोग किया। उन्होंने शिविर का हिस्सा बने विभाग के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ व अन्य की सेवाओं की प्रशंसा की।

देवासी समाज ने सुबह ज्ञापन दिया, शाम को 3 आरोपी पकड़े

पाली @ पत्रिका. शहर के सेंचुरियन गार्डन के निकट पिछले दिनों चाय बनाने वाले युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज देवासी समाज के लोगों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने पर नाराजगी जताई। शाम को ही कोतवाली पुलिस ने तीनों आरोपियों को धर दबोचा। सीओ सिटी देरावरसिंह सोढ़ा ने बताया कि गुंदोज गांव के देवासियों का बास हाल शहर के सेंचुरियन गार्डन निवासी प्रभुराम पुत्र बहादुराम देवासी सूरजपोल के निकट निजी अस्पताल के पास चाय की थड़ी चलाता है। 12 दिसंबर की रात करीब 10 बजे दुकान को बंद कर अपने घर की तरफ आ रहा था। सेंचुरियन गार्डन रोड पर दो बाइक पर सवार होकर चार-पांच युवक आए और उस पर हमला कर दिया। उसकी रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसके आधार पर दो बाइक पर सवार युवकों की पहचान करते हुए गुंदोज गांव हाल केशव नगर निवासी बुधाराम, मानपुरा भाखरी के पाबू नगर निवासी विजय उर्फ विजु और मानपुरा भाखरी के पाबू नगर निवासी सुरेशनाथ को गिरफ्तार किया गया।

गांव के युवक से थी रंजिश : बुधाराम देवासी करीब एक साल पहने सामाजिक कार्यक्रम में पोस्टर के विवाद को लेकर रंजिश रखता था। इसी रंजिश के कारण बुद्धाराम ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर यह साजिश रची।

कुंड में मिला युवक का शव

युवक के शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी ले जाती पुलिस।

माउंट आबू @ पत्रिका. पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू के अचलगढ़ क्षेत्र के मंदाकिनी कुंड में एक युवक की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला और मर्ग दर्ज कर घटना के कारणों की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, अचलगढ़ के मंदाकिनी कुंड में एक युवक का पानी में शव तैरने की ग्रामीणों से सूचना मिली। पुलिस की ओर से छानबीन करने पर अचलगढ़ निवासी चेतन सिंह ने बताया कि पानी में डूबने वाले युवक का नाम करण सिंह है, जो उसकी मौसी का बेटा है। करण सिंह अपनी मां कोकिला देवी के साथ रहता था और टैक्सी चलाता था। वह शराब पीने का आदी था।

गो संरक्षण के साथ गाय को राज्य माता करें घोषित

जालोर. मलकेश्वर मठ से ज्ञापन देने के लिए रवाना होते गो भक्त।

जालोर. राजस्थान गो सेवा समिति के पदाधिकारियों ने पंजीकृत गोशालाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान का लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा। इससे पूर्व अध्यक्ष बद्रीदान नरपुरा की मौजूदगी में मलकेश्वर मठ परिसर में बलदेव दास महाराज के सानिध्य में बैठक आयोजित की गई। जिसमें अध्यक्ष ने सनातन धर्म और हिन्दू समाज में गाय की महिमा बताते हुए कहा गाय को मां का दर्जा दिया हुआ हैं, गाय के दूध से लेकर गोबर तक को शास्त्रों में व वैज्ञानिकों ने मानव जीवन के लिए सर्वोत्तम माना हैं। उन्होंने गो माता को राज्य माता घोषित करने की मांग की। साथ ही कहा कि पंजीकृत गोशाला में संरक्षित गोवंश को वर्ष पर्यत राज्य सरकार की ओर से सहायता राशि उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि गांवों के गायों की गोचर भूमि व अन्य चारागाह भूमि पर वृहद मात्रा में अतिक्रमण किए जा रहें हैं। इस तरह के मामले में कार्रवाई की मांग की गई। बैठक में मंगलसिंह सिराणा, दिनेश कुमार पुरोहित सचिव ने भी सम्बोधित किया। बैठक में शिवनाथसिंह राजपुरोहित, केसरसिंह रेवतड़ा, नन्दकिशोर, छगनलाल मेंगलवा, जयरूपसिंह रेवतड़ा, मदन गुर्जर ने सहभागिता निभाई।

शहर के 12 क्षेत्रों के लिए नगर निगम टीम ने सर्वे कर बनाई थी रिपोर्ट

जोधपुर : 12 साल से क्षेत्रफल बढ़ाने का प्रस्ताव फाइलों में 'कैद'

कई ग्राम पंचायतें और राजस्व ग्राम शहरी सीमा में होने के बावजूद अब भी ग्रामीण क्षेत्रों में

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. नगर निगम की ओर से 2012 में राज्य सरकार को शहरी सीमा विस्तार के लिए भिजवाए गए प्रस्ताव आज भी फाइलों में दबे हैं। इनमें शहर की पेराफेरी के 12 बड़े क्षेत्रों को शामिल करने के प्रस्ताव बनाए गए थे। खुद सरकार ने निगम की सीमा का विस्तार करने के लिए प्रस्ताव मांगे थे। शुरुआती दौर में सरकारी कार्यालयों में पत्र व्यवहार हुआ, सवाल पूछे गए, जवाब दिए गए, लेकिन सीमाओं के बदलाव पर अंतिम फैसला नहीं हुआ। इसके चलते पाल, करवड़, माणकलाव, चौखा, रमजान जी का हत्था, बनाड़ जैसे कई ऐसी ग्राम पंचायतें और राजस्व ग्राम शहरी सीमा में होने के बावजूद अब भी ग्रामीण क्षेत्रों में शामिल किए जा रहे हैं।

वर्ष 2012 में जब राज्य सरकार की ओर से निगम की सीमा बढ़ाने के लिए प्रस्ताव मांगें गए तो निगम ने करवड़, कुड़ी भगतासनी, पाल, चौखा सहित लगभग 12 क्षेत्रों के लिए टीम बनाकर जनगणना करने के साथ सीमांकन करने का कार्य सौंपा था। टीम ने सर्वे भी किया। लेकिन सर्वे और रिपोर्ट पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया।

अब सफाई सहित कई सुविधाओं को तरसे लोग : निगम की पेराफेरी में शामिल ग्राम पंचायतें सफाई जैसी मूलभूत सुविधा को तरस रही है। नगर निगम सफाई की निविदा के विवाद को नहीं सुलझा पाया। इसके अलावा जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने, सड़क निर्माण और रोशनी जैसी सुविधाओं के लिए भी इन पंचायतों के रहवासियों को दूसरी एजेंसियों की तरफ देखना पड़ता है।

फैक्ट फाइल

- 27 साल से नहीं बदली शहर की सीमा
- 2012 में सरकार को भेजे थे प्रस्ताव
- 12 बड़े क्षेत्रों को शहर में लेना था

इन क्षेत्रों का हुआ था सर्वे

- पाल
- मंडलनाथ
- शिकारगढ़
- चौखा
- करवड़
- झालामंड
- भूरीबेरी
- रमजान जी का हत्था
- कुड़ी भगतासनी
- कालीबेरी

हाईवे पर सिर कुचली लाश मिलने का पुलिस ने किया खुलासा

पति का 50 लाख का बीमा करवाया, बड़ी बहन और प्रेमी के साथ मिलकर की हत्या

तीन गिरफ्तार : 21 दिसंबर को हत्या की तारीख तय की, 25 को दे दिया वारदात को अंजाम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बांसवाड़ा. 25 दिसंबर को सागड़ोद क्षेत्र में सिर कुचली लाश मिलने के मामले में सदर थाना पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पत्नी ने पहले शराबी पति के 50 लाख रुपए के बीमे करवाए, फिर उसे रास्ते से हटा बीमा राशि हड़पने और प्रेमी के साथ बांटने की साजिश रची। इस योजना में मृतक की बड़ी साली भी शामिल थी। पुलिस ने इस प्रकरण में मृतक कालू कटारा की पत्नी कांता, उसके प्रेमी दिनेश मईड़ा और उसकी बड़ी साली कमला को गिरफ्तार कर लिया। एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने राजतालाब में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी।

मृतक पति

एसपी ने बताया कि पिछले अप्रेल माह में ही आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम देने की सहमति बना ली थी। मृतक कालू कटारा की 38 वर्षीय पत्नी कांता और 42 वर्षीय साली कमला ने 21 दिसंबर को तय किया कि 25 दिसंबर को वारदात करनी है। उसने दिनेश मईड़ा और उसके साथियों को साथ मिला लिया। घटना के दिन आरोपी दिनेश ने कालू को अपनी गाड़ी में बिठाया और बांसवाड़ा ले गया। यहां शराब खरीदी और उसमें नशे की गोलियां मिलाकर पिला दी। बेहोश होने पर आगे की सीट पर बैठा उसे सागड़ोद क्षेत्र में ले जाकर लोहे की रोड सिर पर मारकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फिर हाईवे पर रखकर गाड़ी के पहिए से कुचल दिया, ताकि मृतक की पहचान न हो सके।

अकेले नवंबर में 24 लाख का बीमा करवाया : पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या की साजिश करीब एक 9 माह पहले बनाई थी। मृतक कोई काम नहीं करता था और शराब का आदी था। नवंबर में कांता और कमला ने कालू के विभिन्न निजी व सरकारी बीमा कंपनियों से 50 लाख रुपए के बीमे करवाए। अकेले नवंबर में ही 24 लाख के बीमे कराए गए थे। कार्रवाई में एसआई रामलाल, परीक्षित, एएसआई महेंद्र कुमार, कांस्टेबल अनिल कुमार, प्रकाश, दिग्पाल सिंह, मुकेश, गोपाल, राहुल, गौरव, सुरेंद्र सिंह, यशवर्धन सिंह और लोकेंद्र सिंह का योगदान रहा।

प्रेम संबंध और साजिश...ऐसे आए करीब

पुलिस को जांच में पता चला कि कालू के बच्चे एक निजी स्कूल में पढ़ते हैं और दिनेश मईड़ा स्कूल के बच्चों को लाने-ले जाने का काम करता था। कालू को शराब पीने के लिए दिनेश पैसे भी देता था। गहन पूछताछ पर दिनेश ने खुलासा किया और वारदात कबूल की। दिनेश के पहले कमला से संबंध थे, फिर उसकी शादी होने पर छोटी बहन कांता से प्रेम संबंध हो गए। कांता बांसवाड़ा शहर में झाड़ू-पोंछा लगाने का काम करती थी। उसका पति शराबी था, जिस कारण वह दिनेश के करीब आ गई।

पुलिस गिरफ्त में तीनों आरोपी।

बीमा राशि बांटने की शर्त

आरोपियों ने कालू की हत्या की योजना बनाने के साथ ही बीमे करवाए और उसके नाम पर लोन भी ले लिया। यदि बीमा क्लेम मिलता तो दिनेश को 15 लाख रुपए उसमें से देना तय था। हत्या में दिनेश के साथ विनोद और श्रवण नामक युवक भी थे।

आरोपियों ने प्रेल में ही कालू की हत्या का मन बना लिया था। फिर कालू के बीमे कराए जा रहे थे। उसी माह से लोन लेना भी शुरू कर दिया। बीमा क्लेम में से दिनेश को 15 लाख रुपए देना तय था। दिनेश ने लांबा वडाला निवासी विनोद और श्रवण के साथ मिल घटना अंजाम दी। उन्हें तलाश कर रहे हैं।
- **बुद्धाराम विश्नाई,** सीआई, सदर थाना

चौबीसी तीर्थंकर समवशरण विधान महामंडल आराधना महोत्सव आज से

नावांशहर @ पत्रिका. शहर में नववर्ष के शुभारंभ पर चौबीसी तीर्थंकर समवशरण विधान महामंडल आराधना महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। सकल दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष नवीन कुमार गोधा ने बताया कि नन्दीश्वरमती माताजी ससंघ मंगल सानिध्य में नववर्ष 2025 के शुभारंभ पर यह आयोजन होगा। एक जनवरी सुबह से घट यात्रा के साथ शुभारम्भ होगा।

उसके बाद में ध्वजारोहण, मण्डप शुद्धि, मंत्र जाप्य संकल्प देवाज्ञा आदि के बाद में महाआरती, शास्त्र सभा तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होगी। 2 से 6 जनवरी तक मंगलाष्टक, दिग्बंधन, सकलीकरण, इन्द्रप्रतिष्ठा सहित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां नियमित होगी। साथ ही 7 जनवरी को मंगलाष्टक, दिग्बंधन यंत्राभिषेक मंत्र जाप्य, जिनाभिषेक, शान्तिधारा आदि के बाद में शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। नवीन गोधा ने बताया कि आयोजन स्थल मुदड़ा साल्ट है,जहां सभी कार्यक्रम होंगे।

आज का राशिफल बुधवार, 01 जनवरी 2025

मेष — *चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ*
आर्थिक मामलों में सतर्क रहने की आवश्यकता है। आपकी बातों को महत्व दिया जाएगा, आय के नए स्रोत स्थापित होंगे।

वृषभ — *ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो*
किसी तीर्थयात्रा पर जाने का अवसर मिलेगा, अपरिचित पर अतिविश्वास नुकसानदायक साबित होगा, जोखिम से दूर रहें।

मिथुन — *क, की, कु, घ, ड, छ, के, को, ह*
कारोबार में परिवर्तन के योग हैं, मित्रों में मनमुटाव बढ़ेगा, आर्थिक पक्ष मजबूत होगा, शारीरिक कष्ट से विचलित रहेंगे।

कर्क — *हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो*
आमदनी बढ़ाने के प्रयास सफल रहेंगे, अपने व्यवहार को नम्र रखें, पिता के साथ तालमेल स्थापित न होने से तनाव रहेगा।

सिंह — *मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे*
संपत्ति से संबंधित मामलों में सफलता हासिल होगी। राजनीति के कार्यों में हर किसी पर विश्वास न करें।

कन्या — *टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो*
मित्रों का सहयोग करना होगा, कारोबार में आर्थिक मामलों में सतर्क रहें, दोस्तों के साथ नया कारोबार शुरू करेंगे।

तुला — *रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते*
रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। कार्यस्थल पर आधुनिक तकनीकी का प्रयोग लाभदायक रहेगा। विवाद समाप्त होंगे।

वृश्चिक — *तो, ना, नी, नू, या, यी, यू*
दांपत्य जीवन मधुर होगा, प्रेम संबंधों को लेकर चिंतित रहेंगे। मेहनत अधिक लाभ कम होगा आर्थिक स्थिति यथावत रहेगी।

धनु — *ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे*
अपने आप को सुधारने और सिखाने का समय है, सहकर्मियों की मदद से कार्य पूरे होंगे। दोस्तों संग समय व्यतीत होगा।

मकर — *भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी*
कार्य की अधिकता रहेगी, आमदनी के नए मार्ग स्थापित होंगे वैवाहिक चर्चाएं सफल रहेगी। संतान की उन्नति होगी।

कुम्भ — *गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा*
काम पर ध्यान दें, धार्मिक आस्था बढ़ेगी अजनबी से संबंध मजबूत होने विदेश जाने की अड़चनें दूर होगी।

मीन — *दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि*
व्यापारिक यात्रा हो सकती है, नए वस्त्र और आभूषण की प्राप्ति संभव है। माता-पिता के स्वास्थ में कमी आएगी।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446
ऋतु:	शिशिर	संवत्सर का नाम:	कालयुक्त
मु.मास:जमादि-उलसानि-30	मास:	पौष	
शाके सम्वत:	1946	अयन:	उत्तरायण
पक्ष:	शुक्ल		

आज का दिन

बुधवार, 01 जनवरी, 2025

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

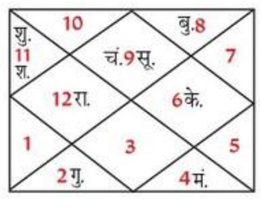

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज सूर्योदय से प्रात: 09-55 तक लाभ व अमृत, पूर्वाह्न 11-13 से दोपहर 12-30 तक शुभ तथा अपराह्न 03-05 से सूर्यास्त तक क्रमश: चर व लाभ के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं। बुधवार को अभिजित नामक मुहूर्त शुभकार्यों में त्याज्य हैं।

शुभ तिथि: द्वितीया भद्रा संज्ञक तिथि रात्रि 02-25 तक, तदन्तर तृतीया जया संज्ञक शुभ तिथि है। अभी धनु का मलमास चल रहा है। मलमास में सभी शुभ व मांगलिक कार्य शुभ नहीं होते। वैसे द्वितीया तिथि में भूषण, बसन, संगीत, नाच-गाना आदि कार्य शुभ कहे हैं।

नक्षत्र: उत्तराषाढ़ा "ध्रुव व ऊर्ध्वमुख" संज्ञक नक्षत्र रात्रि 11-46 तक, तदन्तर श्रवण "चर व ऊर्ध्वमुख" संज्ञक नक्षत्र है। यदि समय शुद्ध हो तो उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में सभी शुभ व मांगलिक कार्य शुभ कहे हैं, पर अभी मलमास में शुभ कार्यादि वर्जित हैं।

योग: व्याघात नामक नैसर्गिक अशुभ योग सायं 05-06 तक, तदुपरान्त हर्षण नामक नैसर्गिक शुभ योग है।

विशिष्ट योग: रवियोग नामक दोष समूह नाशक शुभ योग रात्रि 11-11 से प्रार.।

करण: बालव नामकरण दोपहर बाद 02-53 तक, तदुपरान्त कौलव व तैतिलादि करण क्रमश: हैं।

व्रतोत्सव : चन्द्रोदय उत्तर शृंगोन्नत, नववर्ष दिवस, जनवरी मास 2025 प्रारम्भ।

चंद्रमा : चंद्रमा मकर राशि में सम्पूर्ण दिवारात्रि है।

शुभ मुहूर्त: उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज किसी शुभ व मांगलिक कार्यादि के शुभ व शुद्ध मुहूर्त नहीं हैं।

दिशाशूल: बुधवार को उत्तर दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार आज दक्षिण दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभप्रद है।

राहुकाल (मध्यमान से): दोपहर 12-00 बजे से दोपहर बाद 1-30 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे- आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (ज, जी, खि, खू, खे) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। इनकी जन्म राशि मकर है। मकर राशि के स्वामी शनि हैं। इनका जन्म ताम्रपाद से हुआ है। सामान्यत: ये जातक होशियार, चतुर, बहादुर, परोपकारी, मान-सम्मान पाने वाले, गाने-बजाने के शौकीन, सर्वप्रिय, विद्वान व बुद्धिमान होते हैं। इनका भाग्योदय 30-31 वर्ष की आयु तक होता है। मकर राशि वाले जातकों को कुछ खर्चे की समस्या रहेगी। आय सीमित रहेगी कुछ शारीरिक और मानसिक परेशानियों से गुजरना पड़ेगा।

जरूरतमंदों को कंबल बांटे, गोसेवा के कार्य किए

रूई से नगर सेठ को दिया बाबा बर्फानी का रूप

मेड़तासिटी @ पत्रिका. साल की अंतिम सोमवती अमावस्या के अवसर पर मीरा नगरी में दिनभर दान-पुण्य और सेवा के कार्य हुए। मंदिरों में धार्मिक आयोजन किए गए। नगर सेठ चारभुजानाथ का बाबा बर्फानी के रूप में शृंगार किया गया। खास बात यह रही कि यह शृंगार पूर्ण रूप से सफेद रूई से हुआ। आमजन ने जरूरतमंदों को फल-फूट, कंबल वितरित किए जाने के साथ गो सेवा के कार्य किए गए। भाजपा शहर मंडल के तत्वावधान में शहर की नवलासागर में कंबल वितरित किए गए। नगरपालिका अध्यक्ष पवन परतानी के साथ मंडल महामंत्री तुलसीराम प्रजापत सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने जरूरतमंदों को ऊनी कंबल बांटे। इसी तरह शहर के भाटियों के मोहल्ले में लोगों ने गायों एवं श्वानों के लिए 168 किलो अनाज से मीठे गुलगुले बनाए। वहीं शहर की गोशालाओं में गोसेवा के कार्य हुए।

पाली : गर्म दूध के भगोने में गिरने से बालिका झुलसी

पाली @ पत्रिका. जिले के बाली उपखंड के कोट बालियान गांव में एक 9 साल की बच्ची मिठाई की दुकान में रखे गर्म दूध के भगोने में गिर गई। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे बांगड़ अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे भर्ती कर उपचार शुरू किया।

जानकारी के अनुसार कोट बालियान गांव निवासी कीर्ति (9) सुरेश प्रजापत अपने चाचा नरेश और प्रदीप की मिठाई की दुकान में खेल रही थी। इस दौरान वह खेलते-खेलते दही जमाने के लिए रखे गर्म दूध से भरे भगोने में गिर गई। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन से उसे बाली के अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे पाली के बांगड़ अस्पताल रैफर कर दिया। जहां चिकित्सकों ने उसे भर्ती कर उपचार किया।

वन विभाग व वाइल्ड लाइफ कंट्रोल ब्यूरो टीम की कार्रवाई

हाथी दांत निर्मित सामग्री बरामद, तीन गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पाली/सुमेरपुर. वन विभाग एवं वाइल्ड लाइफ कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने सुमेरपुर और शिवगंज में संयुक्त कार्रवाई को अंजाम देते हुए हाथी दांत से बने उत्पाद बरामद किए। टीम ने तीन आरोपियों को भी पकड़ा है। बरामद किए गए हाथी दांत के उत्पाद की कीमत लाखों में बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार शिवगंज में बड़ी कार्रवाई करते हुए टीम ने हाथी दांत से बनी सामग्री जब्त की। हाथी दांत से बनी सामग्री का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन बिक्री होने का मामला सामने आ रहा है। दिल्ली क्राइम टीम के एसीएफ प्रेमसिंह ने बताया कि हाथी दांत की बनी सामग्री को देहरादून लेबोरेटरी में भेजा जाएगा। उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। टीम को सुमेरपुर में मॉनिटर लिजेर्ड के सात जोड़ी नाखून मिले हैं। साथ ही शिवगंज मार्केट में हाथी दांत से बने कई बैंगल्स आदि आइटम मिले हैं। इस मामले में सुमेरपुर के तखतगढ रोड निवासी सुरेश कुमार साटिया, जालोर जिले के बागरा गांव निवासी भैरूसिंह व सिरोही जिले के गोदाणा निवासी महेंद्रसिंह को हिरासत में लिया है। सुमेरपुर रेंजर बलदेव चौधरी ने बताया कि सुमेरपुर से गिरफ्तार किए गए आरोपी सुरेश कुमार को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

सुमेरपुर. वन विभाग की कार्रवाई के दौरान जब्त की गई सामग्री।

आरोपियों से पूछताछ, कहां से मंगवाया हाथी दांत

वन विभाग आरोपियों से पूछताछ कर रहा है। यह पड़ताल की जा रही है कि हाथी दांत निर्मित सामग्री कहां भेजी जा रही थी। इसके पीछे किसी सरगना का हाथ तो नहीं है।

138 उचित मूल्य की दुकानें, 1.2 लाख सफेद राशन कार्ड जारी होंगे

महाकुंभ में श्रद्धालुओं को मिलेगा रियायती दर पर राशन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

प्रयागराज. उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ के दौरान अखाड़ों, संस्थाओं और कल्पवासियों की सहायता के लिए रियायती दर पर आटा और चावल पांच रुपये प्रति किलोग्राम की दर से देने की योजना शुरू की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार, सुचारू वितरण के लिए मेला क्षेत्र में 138 उचित मूल्य की दुकानें स्थापित की गई हैं। महाकुंभ को भव्य और शानदार आयोजन बनाने के लिए योगी ने श्रद्धालुओं की खाद्य आवश्यकताओं की व्यापक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। सरकार कल्पवासियों के लिए रियायती दर पर खाद्य सामग्री प्राप्त करने के लिए 1.2 लाख सफेद राशन कार्ड की व्यवस्था कर रही है। कल्पवासियों, अखाड़ों और संस्थाओं को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उल्लेखनीय कमी का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आटा पांच रुपए, चावल छह और चीनी 18 रुपये प्रति किग्रा की दर से मिलेगी। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं को गैस की व्यवस्था के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा। यहां गैस एजेंसियों को स्थापित किया गया है। सभी व्यवस्थाओं पर निगरानी रहेगी।

गैस रिफिलिंग के लिए एजेंसियां नियुक्त

योगी ने महाकुंभ के दौरान रियायती राशन के अलावा भोजन पकाने की व्यापक सुविधाएं सुनिश्चित की हैं। कल्पवासियों, अखाड़ों और संस्थाओं को नए गैस कनेक्शन देने के साथ ही निर्बाध रिफिलिंग सेवाएं देने के लिए सभी 25 सेक्टरों में एजेंसियां नियुक्त की गई हैं। कल्पवासी अपने खाली गैस सिलेंडर के साथ रिफिलिंग की सुविधा का लाभ भी उठा सकते हैं। अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने के लिए तीन तरह के गैस सिलेंडर- 5 किलो, 14.2 किलो और 19 किलो- रखने की विशेष व्यवस्था की गई है।

आटा, चावल, चीनी के गोदाम तैयार

निर्बाध खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए महाकुंभ क्षेत्र में 138 उचित मूल्य की दुकानें स्थापित की गई हैं। इसके अलावा, पांच खाद्य भंडारण गोदाम तैयार किए गए हैं, जिनमें 6,000 टन आटा, 4,000 टन चावल और 2,000 टन चीनी रखी गई है। इन सुविधाओं का उद्देश्य अखाड़ों, कल्पवासियों और संस्थाओं को किसी भी तरह की असुविधा से बचाना है। इस पहल के तहत प्रत्येक कल्पवासी को तीन किलो आटा, दो किलो चावल और एक किलो चीनी उपलब्ध कराई जाएगी। यह राशन सुविधा जनवरी से फरवरी के अंत तक उपलब्ध रहेगी।

कांग्रेस और वामपंथी दलों के विधायकों का आंदोलन

विधायकों के राजभवन मार्च के दौरान पुलिस के साथ नोंकझोंक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) अभ्यर्थियों के समर्थन में कांग्रेस और वामपंथी दलों के विधायकों की राजभवन मार्च के दौरान पुलिस के साथ नोक झोंक हुई।

बीपीएससी अभ्यर्थियों की मांगों के समर्थन में मंगलवार को कांग्रेस और वामदलों के विधायकों ने राजभवन मार्च किया। प्रतिबंधित क्षेत्र होने के कारण पुलिस ने विधायकों को राजभवन जाने से पहले रोकने का प्रयास किया। फिर भी विधायक नहीं माने और राजभवन की ओर बढ़ते गए। इस पर पुलिस के साथ हल्की झड़प हुई।

कांग्रेस और वामदलों के विधायक विधानसभा से राजभवन मार्च के लिए जैसे ही आगे बढ़े तभी पहले से मुस्तैद पुलिस ने उन्हें रोक दिया। विधायक राजभवन जाने की जिद्द पर अड़े हैं। विधायकों ने कहा कि वह मार्च कर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेंगे। विधायकों का कहना है कि अनावश्यक ही लाठीचार्ज किया जा रहा है। परिक्षार्थियों से जुड़े इस मामले में लगातार कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

यह है मामला

उल्लेखनीय है कि पिछले 14 दिनों से बीपीएससी अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल, बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने का मामला थमता नजर नहीं आ रहा है। अभ्यर्थी इस मामले पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बात करने की मांग कर रहे हैं। इसे लेकर पटना के गर्दनीबाग में छात्रों का प्रदर्शन भी जारी रहा। इसी दौरान 29 दिसंबर को गांधी मैदान से आंदोलनरत छात्र जब मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ रहे थे तब उन पर पुलिस ने वाटर कैनन से पानी की बौछार की और लाठीचार्ज किया। इसमें कई छात्र घायल हुए जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

ब्रीफ न्यूज

■ **उपचार के दौरान जिला अस्पताल में कैदी की मौत : फिरोजाबाद @ पत्रिका.** जिला कारागार में हत्या के आरोप में बंदी कैदी की तबीयत बिगड़ने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसकी मंगलवार को उपचार के दौरान मौत हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा दिया है। थाना दक्षिण क्षेत्र के मोहल्ला फुलवारी निवासी भगवान सिंह 38 वर्ष जिला कारागार में हत्या के आरोप में आजीवन कैद की सजा काट रहा था। सोमवार को तबीयत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान मंगलवार को बीमार भगवान सिह की मौत हो गई।

■ **शंटिंग के दौरान पटरी से उतरा इंजन: संभल @ पत्रिका.** उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मंगलवार को शंटिंग के दौरान एक इंजन पटरी से उतर गया। रेलवे के मुताबिक जिला संभल के अंतर्गत के चंदौसी जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर शंटिंग के दौरान एक इंजन पटरी से उतर गया। इंजन के पटरी से उतर जाने की सूचना पर रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और इंजन को दोबारा से ट्रैक पर लाने का कार्य कराने में जुट गए। इंजन के पटरी से उतर जाने के कारण थोड़ी देर के लिए गाड़ियों का संचालन भी प्रभावित रहा। इंजन के पटरी से उतर जाने की जांच के आदेश दिए हैं।

■ **किसान नेता का हाल जानने खनौरी बॉर्डर जाएगा दल: लखनऊ@ पत्रिका .** समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल नव वर्ष के पहले दिन बुधवार को किसान नेता जगजीत सिंह का हाल जानने खनौरी बार्डर (दिल्ली) जायेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मण्डल कल खनौरी बार्डर (दिल्ली) जायेगा। जहां किसान नेता डल्लेवाल आमरण अनशन पर बैठे हैं उनकी हालत बेहद नाजुक है। किसान नेता का हाल जानने के लिए प्रतिनिधि मण्डल खनौरी बार्डर पहुंचेगा। प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों सर्वश्री आनन्द भदौरिया सांसद, लोकसभा क्षेत्र धौरहरा, उत्कर्ष वर्मा सासंद, लोकसभा क्षेत्र लखीमपुर खीरी, कुलदीप सिंह भुल्लर एवं पूर्व प्रत्याशी विधान सभा क्षेत्र पलिया शामिल हैं।

महाकुंभ: प्रमुख स्नान पर्वों पर हेलिकॉप्टर से होगी पुष्प वर्षा

हमारी संस्कृति का दुष्प्रचार करने वाले को देंगे करारा जवाब: योगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महाकुंभनगर. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की संस्कृति और परंपरा से चिढ़ने वाले लोग दुष्प्रचार कर रहे हैं, लेकिन उनको करारा जवाब दिया जाएगा।

योगी पांचवी बार महाकुंभ मेला की तैयारियों की समीक्षा करने मंगलवार को महाकुंभनगर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा से चिढ़ने वाले लोग महाकुम्भ को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं, उन्हें यथोचित जवाब दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सभी छह प्रमुख स्नान पर्वों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाएगी।

महाकुंभ में कोई भारतीय हो या विदेशी, प्रवासी भारतीय हो या प्रयागराजवासी, बिना भेदभाव सबकी सुरक्षा-सबकी सुविधा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि अराजक संगठनों द्वारा महाकुम्भ के नाम पर फर्जीवाड़ा कर वसूली करने का दुस्साहस किया जा रहा है, पुलिस द्वारा ऐसे लोगों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि मेला साधु संतो का होता है और उनकी भावनाओं को सम्मान दिया जाना चाहिए। मेला प्रबंधन से जुड़े अधिकारी संतों से सतत-संपर्क-संवाद बनाये रखें। मेलाधिकारी ने बताया कि सभी अखाड़ों, महामंडलेश्वर, खालसा, दंडीबाड़ा, खाकचौक एवं अन्य संस्थाओं को भूमि आवंटन का कार्य पूर्ण हो गया है, जबकि प्रयागवाल और अन्य नई संस्थाओं को आवंटन का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि यहां रोडवेज की अच्छी कंडीशन की बसों को चलाया जाएगा। किसी श्रद्धालु को परेशान नहीं होने देंगे।

सिक्सलेन स्टील ब्रिज से मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री ने फाफामऊ में गंगा नदी पर निर्माणाधीन सिक्सलेन पुल के विकल्प के रूप में बन रहे स्टील ब्रिज का भी निरीक्षण किया। इस बार के महाकुम्भ में यह स्टील ब्रिज तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए संगम तक आवागमन का सबसे सहज साधन होगा। स्टील ब्रिज से पश्चिमी उत्तर प्रदेश, अयोध्या, गोरखपुर, लखनऊ, दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान की ओर से महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को काफी सहूलियत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में प्रदेश के पहले एमएसडब्ल्यू आधारित बायो सीएनजी प्लांट का निरीक्षण करने के बाद कहा नगरीय वेस्ट के निस्तारण का मॉडल है नैनी का यह प्लांट। स्वच्छ और सुव्यवस्थित महाकुम्भ की परिकल्पना के साथ नैनी में प्रदेश का पहला एमएसडब्ल्यू बायो सीएनजी प्लांट क्रियाशील होने को तैयार है।

फेक न्यूज पर कड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया, डिजिटल मीडिया पर फेक न्यूज पर कड़ाई से लगाम लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा से चिढ़ने वाले लोग महाकुम्भ को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं, उन्हें यथोचित जवाब दिया जाना चाहिए। योगी ने संगम ऐरावत घाट और संगम नोज घाट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि हर एक तीर्थयात्री का स्नान सुरक्षित हो, इसके लिए व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि करीब 550 शटल बसें महाकुम्भ में चलाई जाएंगी।

जमुई से गांजा बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

दो किलो 500 ग्राम मादक पदार्थ बरामद

जमुई @ पत्रिका. पुलिस ने गांजा बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि नाकाबंदी के दौरान रोकने पर एक मोटरसाईकिल सवार व्यक्ति वाहन छोड़ कर भागने लगा। फरार होने की कोशिश कर रहे व्यक्ति को पुलिस टीम ने कुछ दूरी पर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब दो किलो 500 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान झारखंड निवासी धनराज मंडल के रूप में की है।

नवनियुक्त राज्यपाल खान से की शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल को सीएम नीतीश कुमार ने दी भावभीनी विदाई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार निवर्तमान राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के विदाई समारोह में शामिल हुए।

कुमार लोकनायक जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा के स्टेट हैंगर पर आयोजित पूर्व राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के विदाई समारोह में शामिल हुए।

इस अवसर पर सीएमने आर्लेकर को पुष्प गुच्छ भेंटकर सप्रेम विदा किया और नई जिम्मेवारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। बाद में नीतीश कुमार ने राजभवन जाकर बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से शिष्टाचार मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

समाजवादी पार्टी के वोट काटने का आरोप

अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट जीत रहे हैं हम: शिवपाल यादव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अयोध्या. समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मंत्री शिवपाल यादव ने कहा कि अयोध्या जिले की मिल्कीपुर विधानसभा की सीट को हम जीत रहे हैं।

यादव का पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिस तरह से लोकसभा चुनाव में यहां की जनता ने भाजपा को हराया था ठीक उसी तरह से मिल्कीपुर उपचुनाव में भी जनता भाजपा को हरायेगी। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर विधानसभा में समाजवादी पार्टी के वोट काटे जा रहे हैं। भाजपा एक बेईमान सरकार है। भगवान राम के नाम पर कितने ही घटिया काम यह लोग कर रहे हैं, यहां की जनता इस बार भी इन्हें मिल्कीपुर उपचुनाव में हरायेगी।

पत्रकारों को बताया कि जब हमारी सरकार थी तो हमने कुंभ पर छह सौ करोड़ रुपये खर्च किये थे। कुंभ के बजट का आनंद ले रही है। 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर उन्होंने कहा कि जब भी चुनाव होंगे भाजपा हर जगह से हारेगी।

प्रताप गढ़ में पुलिस और बदमाशों के फायरिंग

मुठभेड़ में एक के पैर में लगी गोली, दो बदमाश गिरफ्तार

पिस्टल, खोखा, कारतूस और बाइक बरामद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

प्रताप गढ़. उत्तर प्रदेश के प्रताप गढ़ जिले के थाना मान्धाता के निरंकारी भवन ग्राम शिवरा के पास सोमवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर गोली चलायी, जिस पर पुलिस ने आत्मरक्षा के तौर पर जवाबी कार्रवाई की और पुलिस की गोली वांछित शातिर अभियुक्त फुल्लू उर्फ सुहैल निवासी शिवरार्स के दायें पैर में गोली लगी। अन्य बदमाश दिलशाद को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार अभियुक्त फुल्लू उर्फ सुहैल के कब्जे से एक तमन्चा 315 बोर, 02 खोखा कारतूस 315 बोर, 1 कारतूस एवं अभियुक्त दिलशाद के कब्जे से एक पिस्टल .32 बोर, एक कारतूस .32 बोर, 1 खोखा कारतूस .32 बोर बरामद किया। पुलिस मामला दर्ज कर उनके आपराधिक इतिहास को खंगाल रही है।

2025 विधानसभा चुनाव

एनडीए गठबंधन नीतीश के नेतृत्व में रेकॉर्ड बहुमत से जीतेगा: चौधरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा है कि 2025 के विधान सभा चुनाव में एनडीए गठबंधन नीतीश कुमार के नेतृत्व में रेकॉर्ड बहुमत से जीत दर्ज करेगा।

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) प्रदेश कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए। इस दौरान पत्रकारों से वार्ता करते हुए चौधरी ने कहा कि एनडीए गठबंधन दिनोंदिन मजबूत हो रहा है और वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में हमारा गठबंधन चट्टानी एकता के साथ कुमार के नेतृत्व में रेकॉर्ड बहुमत से जीत दर्ज करेगा।

राजनीतिक स्वार्थ के लिए खिलवाड़

मंत्री ने बिहार लोक सेवा आयोग अभ्यर्थियों के मुद्दों पर कहा कि नीतीश सरकार छात्रों की हितैषी है और उनकी हर वाजिब मांगों को सुना जाएगा। कुछ लोग निहित राजनीतिक स्वार्थ के लिए छात्रों की भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। बिहार सरकार के मुख्य सचिव की ओर से पेपर लीक को लेकर प्रमाण मांगा गया है और अगर इस संबंध में कोई शिकायत आती है तो हमारी सरकार निश्चित रूप से मामले को संज्ञान में लेकर आगे की कार्रवाई करेगी। लेकिन अब तक किसी तरह का कोई प्रमाण अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है। हमारी सरकार छात्रों की हितों को समझती है और कुमार छात्रों के साथ किसी भी सूरत में कोई नाइंसाफी नहीं होने देंगे।

शिष्टाचार मुलाकात

रांची में मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात करते झारखंड एकेडमिक कौंसिल के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार महतो तथा सचिव जयंत कुमार मिश्रा।

दरभंगा में देशी कट्टा बरामद, दो अपराधी गिरफ्तार

दरभंगा @ पत्रिका. बिहार के दरभंगा जिले के बहेड़ी थाना क्षेत्र में बड़े अपराध की घटना को अंजाम देने जा रहे दो अपराधी को पुलिस ने लोडेड देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि बहेड़ी थाना ने विशेष छापेमारी कर दो अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान पवन मुखिया एवं दोकठा गांव निवासी सिकन्दर कुमार के रूप में हुई है।

राजकीय कृषि विद्यालय का लोकार्पण करेंगे सीएम योगी

गोरखपुर @ पत्रिका. कृषि क्षेत्र की प्रगति के लिए उत्तर प्रदेश के सीएम योगी गोरखपुर के चरगांवा में नव वर्ष के दूसरे दिन (दो जनवरी) नवीनीकृत राजकीय कृषि विद्यालय के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन और छात्रावास, किसान हॉस्टल, का लोकार्पण करेंगे।

इस कृषि विद्यालय में कृषि से जुड़े मास्टर ट्रेनरों, कर्मचारियों और प्रगतिशील किसानों को प्रशिक्षण दिया जाता है।

पत्नी की हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार

शादी के बाद से ही दहेज मांगने का आरोप

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

फिरोजाबाद. उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के थाना खैरगढ़ क्षेत्र में शनिवार को विवाहित शिवानी की हत्या के आरोप में पति को गिरफ्तार कर लिया। मामले में बाकी लोगों की तलाश जा रही है।

थाना खैरगढ़ क्षेत्र के गांव कुड़ी निवासी पुष्पेंद्र कुमार की पत्नी शिवानी (22) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मायका पक्ष के लोगों ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए ससुरालीजनों पर मुकदमा दर्ज कराया था। मृतका शिवानी के चाचा प्रमोद कुमार ने पुलिस को बताया कि शिवानी की शादी 2022 में हुई थी। तब से ही ससुराल के लोग दहेज की मांग को लेकर उसका उत्पीड़न कर रहे थे।

सियासत | विपक्ष की छवि खराब करने की रचती है साजिश

भाजपा करती है नकारात्मक राजनीति : अखिलेश यादव

किसान, नौजवान, गरीब, मध्यम वर्ग हो गया परेशान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी नकारात्मक राजनीति करती है और विपक्षी नेताओं की छवि खराब करने के लिए साजिश और षड्यंत्र करती हैं।

अखिलेश यादव ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में कार्यकर्ताओं को कहा कि किसान, नौजवान, गरीब, मध्यम वर्ग सब परेशान हैं। इस सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था खराब कर दिया और कानून व्यवस्था ध्वस्त है। राज्य में कहने के लिए डबल इंजन की सरकार है, लेकिन भाजपा सरकार की कोई उपलब्धि नहीं है। महंगाई, बेरोजगारी अपने चरम पर है, जिससे राज्य की जनता त्रस्त है।

उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का सत्ता से बाहर जाना और समाजवादी पार्टी की सरकार बनना तय है। भाजपा सरकार और इसके मुख्यमंत्री का कोई विजन नहीं है। भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था को नष्ट कर रही है। सत्ता का दुरुपयोग करती है। अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए प्रशासन का इस्तेमाल करती है। इस बार कुंभ का पहला स्नान 13 जनवरी 2025 को है, लेकिन अभी तैयारी पूरी नहीं हो पायी। असुविधा और अव्यवस्था की भरमार है। इससे महाकुंभ में आए लोग परेशान होंगे।

संभल घटना सुनियोजित हिंसा थी

सपा अध्यक्ष ने कहा कि संभल की घटना भाजपा सरकार ने जानबूझकर करायी है। संभल में प्रशासन ने निर्दोष लोगों की जान ली। प्रशासन और अधिकारी दबाव में काम कर रहे है। भाजपा सरकार फर्जी खबरों को बढ़ावा देती है। अपने राजनीतिक लाभ के लिए दूसरों की छवि खराब करने का अभियान चलाती है। भाजपा बहुत षडयंत्रकारी पार्टी है। यह किसी की सगी नहीं है। इस की हर रणनीति चालाकी भरी रहती है, मौका मिलते ही अपना रंग दिखाती है।

महाकुंभ में भाजपा सरकार का खिलवाड़

यादव ने कहा कि भाजपा जमीन पर कोई कार्य नहीं करती है। काम के बजाय सिर्फ उसका प्रचार करती है। उन्होंने कहा कि 2013 में समाजवादी पार्टी की सरकार में महाकुंभ का सफल आयोजन किया गया था। समाजवादी सरकार में हुए महाकुंभ की देश के साथ विदेश में भी सराहना हुई थी।

अपनी घोषणाओं पर अमल करें मुख्यमंत्री

बेरोजगार युवाओं के लिए नियुक्ति कैलेंडर जारी करें :बाबूलाल मरांडी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची . झारखंड में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर वादा खिलाफी का बड़ा आरोप लगाया।

मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन ने पहली कैबिनेट बैठक के बाद 1 जनवरी 2025 से पूर्व जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं के लिए नियुक्ति कैलेंडर जारी करने की घोषणा की थी, लेकिन आज वर्ष का अंतिम दिन बिना कैलेंडर की घोषणा के बीत गया।

उन्होंने कहा कि साल का अंतिम दिन भी बीतने को है, लेकिन अब तक परीक्षा परिणाम अथवा कैलेंडर जारी करने की कोई पहल नहीं की गई है। ऐसा लगता है कि राज्य सरकार फिर अपनी पुरानी चाल से ही चलेगी।

मरांडी ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन, झूठ बोलने की भी कोई सीमा होती है! मुख्यमंत्री पद के गरिमा का सम्मान करिए और झूठ बोलने की आदत छोड़कर प्रतियोगी परीक्षाओं का पारदर्शी क्रियान्वयन शुरू कीजिए। उन्होंने कहा कि घोषणाओं के अनुरूप अविलंब प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए वर्ष भर का कैलेंडर जारी करें।

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

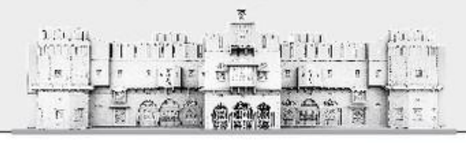

नई सुबह...भारत पर होंगी दुनिया की निगाहें

आज से शुरू हो रहा नया साल हमारी उपलब्धियों का नया साल माना जा रहा है। ये उपलब्धियां अनायास नहीं हैं। इसरो ने वर्ष 2024 के अंतिम मिशन के रूप में स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पैडेक्स) कर अंतरिक्ष क्षेत्र में दुनिया के इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण अध्याय जोड़ दिया है। यह हमारी वैज्ञानिक क्षमताओं और तकनीकी कौशल का एक और प्रमाण है। डॉकिंग विशेषज्ञता प्राप्त करने से इसरो को चंद्रयान-4 और गगनयान जैसे भविष्य के चंद्र मिशनों के लिए अनुभव मिलेगा। इन मिशनों में चंद्रमा के नमूने पृथ्वी पर लाए जाएंगे और भविष्य में मनुष्य को चंद्रमा पर भेजा जाएगा।

भारत इस मिशन के पूरा होने से अमरीका, रूस और चीन के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गया है। भारत की सैटेलाइट तकनीक में ही क्षमता नहीं बढ़ी है, बल्कि वह जलवायु निगरानी और रक्षा क्षेत्र में वैश्विक शक्ति के रूप में आगे बढ़ा है। तकनीक के क्षेत्र में बढ़ते कदम विश्व पटल पर भारतीय वर्चस्व का प्रमाण हैं। इस सफलता से घरेलू स्तर पर भी अनुसंधान की प्रेरणा मिलेगी। स्टार्टअप्स को मजबूती मिलेगी। खास बात है कि भारत दुनिया में आर्थिक शक्ति के रूप में छलांग लगाना चाहता है, उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए यह सफलता महत्त्वपूर्ण साबित हो सकती है। इधर, भारतीय युवा भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सरकार भी युवाओं को स्किल से लैस करने पर जोश-शोर से काम कर रही है। कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत लाखों युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वह आर्थिक तरक्की कर सकें। इस साल को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ), रोबोटिक्स और चिकित्सा के क्षेत्र में भी दूरगामी असर डालने वाला वर्ष बताया जा रहा है। इन क्षेत्रों में भी भारत तेजी से तरक्की कर रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था भी दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रही है, लिहाजा भारत पर इस साल भी दुनिया की निगाहें बनी रहेंगी। इन सबके बावजूद यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि सफलताओं के साथ चुनौतियां भी बढ़ती हैं। एआइ का प्रयोग बढ़ने के साथ ही डीपफेक जैसी समस्याएं सामने आने लगी हैं।

वायु प्रदूषण चिंता का विषय बना है। आर्थिक तरक्की के साथ ही बेरोजगारी के आंकड़े परेशान करने वाले हैं। लोगों की बीच आर्थिक असमानता की खाई बढ़ रही है। इन पर ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि इससे कई तरह की समस्याएं सामने आएंगी। उम्मीद है कि नए साल में घरेलू चुनौतियों का हल निकालते हुए भारत बड़ी उपलब्धियां हासिल कर वैश्विक स्तर पर बड़ी जिम्मेदारियां निभाएगा।

नया साल, नई ऊर्जा : जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति का समय

तकनीक ने बदल दी स्वास्थ्य की दुनिया

डॉ. देवी प्रसाद शेट्टी
कॉर्डियक सर्जन और फाउंडर, नारायण हैल्थ ग्रुप
@patrika.com

सेहत

वार्षिक और नियमित स्वास्थ्य जांच की आदत हमारे जीवन का हिस्सा क्यों नहीं बन पाई है, यह सोचने का विषय है।

नया साल नई शुरुआत का समय है। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का यह विशेष अवसर है। आइए, 2025 में यह संकल्प लें कि आप अपनी वार्षिक और नियमित स्वास्थ्य जांच कराएंगे। भारत में हर दिन दिल के दौरे, कैंसर जैसी बीमारियों के हजारों मामले सामने आते हैं। यह सब वार्षिक और नियमित स्वास्थ्य जांच से टाला जा सकता है। फिर भी, यह आदत हमारे जीवन का हिस्सा क्यों नहीं बन पाई है, यह सोचने का विषय है।

जब मैं केएमसी मंगलुरु में एक युवा सर्जिकल रेजिडेंट था, तब एक सामान्य सर्जरी 'लैपरोटॉमी और प्रोसीड' थी। जब मरीज लंबे समय से पेट दर्द की शिकायत करते थे, और उस समय अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी जांच उपकरण उपलब्ध नहीं थे, तो हमारे पास एकमात्र विकल्प था पेट खोलना, अंगों का निरीक्षण करना और किसी भी असामान्यता की जांच करना। अधिकांश समय हमें कुछ गंभीर नहीं मिलता था और हम बिना जरूरत अपेंडिक्स निकालने के बाद पेट बंद कर देते थे। आज, एक साधारण अल्ट्रासाउंड मशीन से हम शरीर के किसी भी हिस्से की जटिल संरचनाओं को बिना दर्द के, मिनटों में देख सकते हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, इन उपकरणों का उपयोग आमतौर पर तब होता है जब मरीज गंभीर स्थिति में अस्पताल पहुंचते हैं। इसका कारण यह है कि अधिकांश लोग यह नहीं समझते कि वे कितने फिट महसूस करते हैं, इसका उनकी वास्तविक फिटनेस से कोई लेना-देना नहीं है। यदि आप फीफा कार्डियक अरेस्ट सर्च करेंगे, तो आपको यह जानकर हैरानी होगी कि पिछले चार साल में 617 युवा पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ियों को खेलते समय दिल का दौरा पड़ा। पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ियों से ज्यादा फिट कौन हो सकता है?

जब किसी सेलिब्रिटी को 30 या 40 की उम्र में अचानक दिल का दौरा पड़ता है, तो मीडिया में सनसनी मच जाती है। तनाव, कोविड-19 या अन्य कारणों को दोष दिया जाता है। लेकिन कोई यह नहीं कहता कि अगर उस व्यक्ति ने 10 साल पहले स्वास्थ्य जांच करवाई होती, तो इस स्थिति को रोका जा सकता था। मैंने अपने पूरे पेशेवर जीवन में कभी भी किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं देखा, जिसने सामान्य दिल के साथ कार्डियक अरेस्ट का सामना किया हो। यह जरूरी है कि चिकित्सा समुदाय वार्षिक स्वास्थ्य जांच को बढ़ावा दे, ताकि बीमारियों का प्रारंभिक चरण में पता लग सके। कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये 18 वर्ष की आयु में भारतीयों को पहली बार लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराने और परिणामों के आधार पर जीवनशैली में बदलाव करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

हमारा सीधा संदेश है कि हर वयस्क भारतीय को अपने स्वास्थ्य से जुड़े नंबरों को जानना चाहिए, जैसे कि ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, लिवर फंक्शन, किडनी फंक्शन, थायरॉयड फंक्शन, ईसीजी और महत्त्वपूर्ण अंगों के अल्ट्रासाउंड परिणाम। 40 वर्ष से ऊपर के भारतीय, जिनके परिवार में दिल की बीमारी या कैंसर का इतिहास है, उन्हें डॉक्टर से परामर्श कर अन्य आवश्यक जांचों पर विचार करना चाहिए।

तकनीक ने स्वास्थ्य को मापने योग्य संख्याओं में बदल दिया है। जब ये संख्याएं असामान्य हो जाती हैं, तो उन्हें अक्सर जीवनशैली में बदलाव से सामान्य स्तर पर लाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, कुछ किलो वजन कम करके एक डायबिटिक व्यक्ति गैर-डायबिटिक बन सकता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति का रक्तचाप सामान्य हो सकता है और फैटी लिवर ठीक हो सकता है। हां, वजन कम करना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन हजारों-लाखों हैं जिन्होंने अपना वजन बहुत कम किया है। हैल्थ केयर की लागत कम करने का सबसे अच्छा तरीका है- गंभीर बीमारियों का प्रारंभिक चरण में पता लगाना और उनका उपचार करना। उदाहरण के लिए प्रारंभिक अवस्था में पहचाना गया ब्रेस्ट कैंसर मामूली सर्जरी से लगभग पूरी तरह ठीक हो सकता है। इसके विपरीत, अंतिम चरण में ब्रेस्ट कैंसर का इलाज जटिल और महंगा हो जाता है और परिणाम भी अच्छे नहीं होते। इसलिए, हमारी प्राथमिकता वार्षिक और रूटीन स्वास्थ्य जांच के माध्यम से शुरुआती पहचान पर होनी चाहिए। यह 30 साल पहले असंभव लगता था, जब डायग्नोस्टिक उपकरण खराब गुणवत्ता वाले थे। लेकिन आज तकनीक ने सब बदल दिया है।

आप अपनी वार्षिक और नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं। अपनी सभी रिपोर्ट अपने मोबाइल में सुरक्षित रखें। इससे आपके स्वास्थ्य रिकॉर्ड दुनिया में कहीं भी डॉक्टर के लिए उपलब्ध होंगे। आप अपनी पसंद के किसी भी डॉक्टर से ऑनलाइन परामर्श ले सकेंगे और बीमारियों को गंभीर होने से पहले रोक सकेंगे। हैल्थ केयर का अनुभव तब और बेहतर हो जाता है, जब आप डिजिटल प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनते हैं। यह अनुभव सहज और जादुई बन सकता है।

आध्यात्मिकता से चुनौतियां ही ताकत बन जाएगी

चुनौतियां हमारे जीवन का हिस्सा हैं, इनसे घबराना नहीं चाहिए, यह हमें और मजबूत करने आती हैं

अध्यात्म

अमितासना दास
अध्यक्ष, गुप्त वृन्दावन धाम, जयपुर
@patrika.com

वर्ष का पहला दिवस, आज हम नई आशाओं और नई उमंगों के साथ नूतन वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, आपके जीवन में सुख, सादगी, सफलता, स्वास्थ्य, सम्मान, शांति एवं समृद्धि की बढ़ोतरी हो। यह वर्ष आपके जीवन में सफलता के नए सोपान रचे और आपको आध्यात्मिकता के और करीब लेकर जाए। आध्यात्मिकता ही वह नाव है जिस पर सवार होकर आप जीवन की किसी भी चुनौती और किसी भी मुकाबले का डट कर सामना कर सकते हैं। चुनौतियां हमारे जीवन का हिस्सा हैं, इनसे घबराना नहीं चाहिए। यह हमें और मजबूत करने आती हैं, कभी-कभी हम बहुत घबरा जाते हैं और हार मानने लगते हैं, पर अगर हम इन्हें पार करने के लिए आध्यात्मिकता का सहारा लें तो ये चुनौतियां ही हमारे जीवन की ताकत बन जाती हैं। हर साल हम नए संकल्प लेते हैं जिससे हमारा जीवन बेहतर हो सके, कुछ हम पूरे कर पाते हैं और कुछ अधूरे ही रह जाते हैं, फिर हम स्वयं का आंकलन करते हैं कि ऐसी क्या कमी रह गई?

यह तो हुई बाहरी उपलब्धियों के आकलन की बात, पर क्या कभी हमने अपना आंतरिक अवलोकन किया है? क्या हमारे मन की स्थिति का हमारी आत्मा के साथ संतुलन हो पा रहा है? अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश में व्याप्त प्रदूषण की समस्या पर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए थे, क्योंकि बाहरी वातावरण अगर अशुद्ध हो तो ये सीधा हमारे स्वास्थ्य पर असर डालता है। अब यहां पर ये बात विचारणीय है कि हमारा मन और मस्तिष्क भी तो हमारे शरीर का ही हिस्सा है तो अच्छे स्वास्थ्य के लिए उनका भी शुद्ध होना उतना ही जरूरी है। हमारा मन, मस्तिष्क, क्रोध, भौतिकता, काम, लोभ, मोह, स्वार्थ और नकारात्मकता से प्रदूषित रहता है। दरअसल हम यह समझ ही नहीं पाते कि हमारे जीवन का असली मकसद क्या है क्योंकि सुबह से शाम तक विचारों के तूफान हमें घेर कर रखते हैं। अब यहां पर यह भी समझना जरूरी है कि विचारों के आने पर हम अंकुश तो नहीं लगा सकते, क्योंकि मनुष्य की सबसे बड़ी ताकत ही उसकी उसकी विचार शक्ति है, लेकिन हम उनकी दिशा बदल सकते हैं और इसमें हमारी मदद करती है आध्यात्मिकता।

आपने आई-क्यू, ई-क्यू के बारे में तो सुना होगा पर क्या आप एस-क्यू के बारे में जानते हैं? यह है स्पिरिचुअल कोशिएंट यानी कि अध्यात्म की ताकत को समझने की क्षमता, हमारे जीवन में अध्यात्म का ग्राफ जितना बढ़ता जाएगा, उतनी ही मजबूती से हम जीवन की जटिलताओं पर विजय पाते जाएंगे। बाहरी प्रदूषण को साफ करने के लिए हम एयर प्यूरीफायर का उपयोग करते हैं, फिल्टर्स लगाते हैं और भी न जाने कितने उपाय करते हैं, लेकिन आत्मा पर छाए प्रदूषण को साफ करने के लिए हम क्या करते हैं? शायद, इस बारे में हमने कभी सोचा ही नहीं। अगर हम रोजाना मंत्र जाप करें, ध्यान करें और सुबह-शाम वक्त निकालकर आध्यात्मिक किताबें पढ़ें तो इन सारे उपायों से धीरे-धीरे हम अपनी आध्यात्मिक प्रगति कर सकते हैं।

विकसित भारत मिशन का आधार बनेगा 2025 का शिक्षा मॉडल

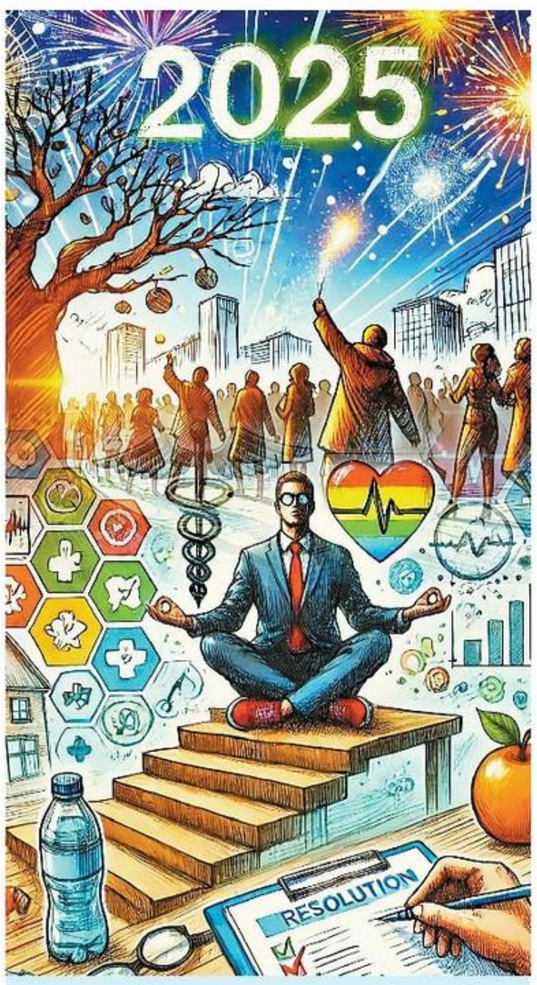

नए साल में शिक्षा व्यवस्था में बदलाव देश की प्रगति का आधार बनेगा। शिक्षा केवल जानकारी प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि समाज के विकास का माध्यम बनेगी। यह विकसित देशों की श्रेणी में लाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

भारतीय शिक्षा व्यवस्था में तेजी से गुणात्मक परिवर्तन हो रहा है। नई शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) को अच्छे तरीके से लागू करने पर जो दिया जा रहा है। 2025, नई शिक्षा नीति का अवधारणात्मक परिवर्तन का साल होगा। इसमें देश के सभी सरकारी और गैर सरकारी शैक्षणिक संस्थाओं को बड़ी भूमिका में आना होगा। इसके लिए पहले से ही प्रयास जारी हैं। भारत सरकार की ओर से नियमित मॉनिटरिंग हो रही है। भारतीय शिक्षा प्रणाली को एक नई दिशा देने की कोशिश जारी है, जो न केवल विद्यार्थियों को ज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ाएगी, बल्कि उन्हें व्यावहारिक कौशल और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए भी तैयार करेगी। नई नीति, शिक्षा को अधिक समावेशी और लचीला बनाते हुए पारंपरिक और आधुनिक दृष्टिकोण का संगम भी है।

अनुमान हैं कि नई शिक्षा नीति को 2025 में पूरी तरह से लागू कर दिया जाएगा। अगर ऐसा संभव हुआ तो यह भारतीय शिक्षा की आत्मा में परिवर्तन का भी साल होगा। शिक्षा का यह नया मॉडल विद्यार्थियों को विषयों का चयन करने की स्वतंत्रता देता है, जिससे वे अपनी रुचियों और क्षमताओं के अनुसार सीख सकें। यह लचीलापन न केवल उनकी शैक्षणिक यात्रा को सुगम बनाता है, बल्कि उन्हें बहुक्षेत्रीय दक्षताओं से लैस करेगा। अंतरविषयी शिक्षा का यह दृष्टिकोण भारत में पहली बार एक बड़े स्तर पर लागू किया जा रहा है। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य शिक्षा को जड़ों से जोड़ना है। भारतीय परंपराओं, संस्कृति और मूल्य शिक्षा का अभिन्न हिस्सा होंगे, जिससे विद्यार्थियों में अपने समाज और इतिहास के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। साथ ही, वैश्विक दृष्टिकोण और तकनीकी नवाचारों को भी शिक्षा में समाहित किया जा रहा है। इसका परिणाम यह होगा कि छात्र न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी प्रभावशाली भूमिका निभाने में सक्षम होंगे। 2025 में, भारत की शिक्षा व्यवस्था का यह परिवर्तन देश की प्रगति का आधार बनेगा। एक ऐसा समाज विकसित होगा जहां शिक्षा केवल जानकारी प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि समाज के निर्माण और विकास का माध्यम बनेगी।

यह बदलाव भारत को विकसित देशों की श्रेणी में लाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। भारत का भविष्य, उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर है। यह नई शिक्षा नीति भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त और वैश्विक दृष्टिकोण वाला देश बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

शिक्षा-कॅरियर

प्रो. बद्री नारायण तिवारी
निदेशक, जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद
@patrika.com

जरूरतों और इच्छाओं में फर्क समझकर बनाएं बचत का लक्ष्य

आगामी समय में ब्याज दरों में कमी, मुद्रास्फीति में स्थिरता और ग्रामीण आय बढ़ाने के प्रयास उपभोग सुधार को गति देंगे। कॉर्पोरेट क्षेत्र में मैन्युफैक्चरिंग, यूटिलिटीज और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर निवेश चक्र का नेतृत्व कर सकते हैं।

नए साल में बचत और निवेश का लक्ष्य तय करना आपको बड़े सपनों को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। बचत जीवन के उतार-चढ़ाव से सुरक्षा प्रदान करती है। पिछले चार वर्षों में भारत ने निवेश-आधारित मजबूत वृद्धि दर्ज की, जिसमें उपभोग (कंजम्पशन) पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया गया। सरकार का मुख्य फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने पर रहा। निवेश के बाद उपभोग वृद्धि में आमतौर पर समय लगता है। आगामी समय में ब्याज दरों में कमी, मुद्रास्फीति में स्थिरता, मजबूत फसल उत्पादन और ग्रामीण आय बढ़ाने के प्रयास उपभोग सुधार को गति देंगे। कॉर्पोरेट क्षेत्र में मैन्युफैक्चरिंग, यूटिलिटीज और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर निवेश चक्र का नेतृत्व कर सकते हैं। पावर सेक्टर में बड़े खिलाड़ी, विशेषकर रिन्यूएबल प्रोजेक्ट्स में, अपने कैपेक्स बढ़ा रहे हैं। स्टील और सीमेंट जैसे क्षेत्रों में उच्च उपयोग दर ऑपरेटिंग लीवरेज को बढ़ावा दे सकते हैं। सीमेंट सेक्टर में विस्तार और विलय की गतिविधियां जारी रहेंगी।

उपभोग में गिरावट अपने निचले स्तर पर है, लेकिन सुधार की गति धीमी रहेगी। वित्त वर्ष 2025-26 की कमाई के अनुमानों के प्रति सतर्कता बरतनी होगी। घरेलू मैन्युफैक्चरिंग और मांग में सुधार की संभावना है। 2025 वैश्विक मैक्रोइकोनॉमिक अनिश्चितताओं के कारण चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अमरीका और चीन की आर्थिक स्थिति का प्रभाव भारतीय बाजारों पर पड़ेगा। ऐसे में बॉटम-अप स्टॉक चयन पर ध्यान देना महत्त्वपूर्ण होगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और यूटिलिटीज जैसे कैपेक्स-आधारित सेक्टर निवेश चक्र से लाभान्वित होंगे। भारतीय इक्विटी महंगी बनी हुई हैं। निफ्टी मार्च 2026 की कमाई पर 20 गुने के अनुपात पर ट्रेड कर रही है। बड़े-कैप स्टॉक्स निवेश के लिए उपयुक्त हैं, जबकि मिड-कैप्स और फंड्स में चयनात्मक रुख अपनाना होगा।

जोखिम प्रबंधन के लिए मल्टी-एसेट रणनीतियां, जैसे हाइब्रिड फंड्स, बेहतर विकल्प हो सकते हैं। डेट म्यूचुअल फंड्स में स्थिरता की संभावना है। सोने में दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक है, और इसकी कीमतें 3000 डॉलर तक जा सकती हैं। हालांकि, निकट भविष्य में अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर, विविधता और सतर्क दृष्टिकोण अपनाकर भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के इस दौर में लाभ उठाया जा सकता है।

बचत-निवेश

प्रदीप गुप्ता
सीइओ, कोटक महिंद्रा इक्विटी, मुंबई
@patrika.com

आंतरिक शांति और बाहरी खतरों से निपटने की चुनौती

अरुण साहनी
रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल, भारतीय सेना
@patrika.com

सुरक्षा

भारत के पड़ोस में उभरते घटनाक्रम भी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौतीपूर्ण हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अकारण युद्ध से सुरक्षा चिंताएं बनी हुई हैं।

वर्ष 2025 में अमरीका में राजनीतिक नेतृत्व परिवर्तन के बाद विश्व सुरक्षा परिदृश्य में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। अमरीका की यूक्रेन-रूस संघर्ष और इजराइल-गाजा संकट को लेकर नीतियां न केवल इन क्षेत्रों की स्थिरता बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन पर भी गहरा प्रभाव डालेंगी। इसी तरह, बशर अल-असद के बाद सीरिया की स्थिति और ईरान के प्रभाव में गिरावट क्षेत्रीय स्थिरता को नई दिशा दे सकती है। हौथी और हिजबुल्लाह जैसे विघटनकारी संगठनों की कमजोर होती भूमिका पश्चिम एशिया में शक्ति संतुलन को स्थापित कर सकती है।

चीन की आक्रामकता वैश्विक और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए लगातार चुनौती बनी हुई है। दक्षिण और पूर्वी चीन सागर में उसकी सैन्य कार्रवाइयां, ताइवान पर आक्रमणकारी नीति, और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उसकी रणनीतियां चिंता का विषय हैं। इसके अतिरिक्त, भारत-चीन सीमा पर गतिरोध और सैन्य दबाव दोनों देशों के बीच तनाव को बढ़ा रहे हैं। ब्रिक्स (भारत, ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संयुक्त संगठन) और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ, जिसमें भारत, चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और पाकिस्तान शामिल हैं) जैसे बहुपक्षीय संगठनों का विस्तार और ऑकस (ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और अमरीका का एक सुरक्षा गठबंधन) तथा क्वाड (ऑस्ट्रेलिया, भारत, अमरीका और जापान) जैसे नए गठबंधन वैश्विक शक्ति संतुलन को नया स्वरूप दे रहे हैं। चीन और अमरीका के बीच व्यापार और तकनीकी प्रतिस्पर्धा भी एक नई वैश्विक चुनौती के रूप में उभर रही है। एआई, सेमीकंडक्टर्स और 5जी प्रौद्योगिकियों में प्रतिस्पर्धा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर रही है। इससे विकासशील और विकसित देशों के बीच आर्थिक असंतुलन बढ़ने का खतरा है। भारत के पड़ोस में उभरते घटनाक्रम भी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौतीपूर्ण हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अकारण युद्ध से सुरक्षा चिंताएं बनी हुई हैं। हालांकि, जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को हटाने और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के बाद हालात में सुधार हुआ है। इसके बावजूद पाकिस्तान-अफगानिस्तान में बढ़ता तनाव कश्मीर में अस्थिरता लाने की कोशिश कर सकता है, जिससे अतिरिक्त सतर्कता की आवश्यकता है। म्यांमार में अस्थिरता, बांग्लादेश में हिंदू-विरोधी बयानबाजी और मंदिरों में तोड़फोड़ और पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बढ़ती अस्थिरता भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में जातीय और धार्मिक तनाव को बढ़ा सकती हैं। मणिपुर में जातीय संघर्ष, नागा शांति वार्ता की धीमी प्रगति और मिजो समुदाय से जुड़े मुद्दे उत्तर-पूर्व क्षेत्र में शांति और विकास में बाधा बन रहे हैं।

असम और पश्चिम बंगाल में सामाजिक-धार्मिक विभाजन से उत्पन्न तनाव राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती है। इन समस्याओं का समाधान स्थानीय समुदायों के सहयोग और संवेदनशील नीति निर्माण के माध्यम से किया जा सकता है। बाहरी सुरक्षा के लिहाज से, भारत-चीन सीमा विवाद, समुद्री क्षेत्र में चीनी आक्रामकता और पाकिस्तान व बांग्लादेश की बयानबाजी से जुड़े मुद्दे प्रमुख हैं। खासतौर पर चटगांव क्षेत्र में बढ़ती हिंदू-विरोधी बयानबाजी भारत के सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित कर सकती है। गृह मंत्री अमित शाह ने 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का वादा किया है। हालांकि, छिटपुट घटनाएं अभी भी सामाजिक स्थिरता में बाधा डाल सकती हैं। राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसे समान नागरिक संहिता और किसान आंदोलनों से जुड़े विवाद संभावित नागरिक अशांति का कारण बन सकते हैं।

इन बदलते सुरक्षा परिदृश्यों में, भारत को मजबूत कूटनीति, सुदृढ़ सैन्य नीति और समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। आंतरिक शांति और बाहरी खतरों से निपटने के लिए सशक्त रणनीतियां ही भारत को इन चुनौतियों से उबरने में मदद कर सकती हैं। इस तरह की नीतियां न केवल भारत की सुरक्षा को सुनिश्चित करेंगी बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान देंगी।

आपकी बात

तेज रफ्तार वाहनों से खतरा

पैदल और साइकिल चलाने में सुरक्षा की कमी और अव्यवस्थित सड़कें बड़ी समस्याएं हैं। तेज रफ्तार वाहनों से खतरा होता है। गर्मी और बारिश के मौसम में पैदल चलने में कठिनाई और बढ़ती है। इसके समाधान के लिए बेहतर सड़क संरचना और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रास्ते बनें। - विशंभर थानवी, फलौदी

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की अन्य प्रतिक्रियाएं

पत्रिकायन का सवाल था, 'पैदल या साइकिल से चलने पर क्या समस्याएं सामने आती हैं?' कई प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। कुछ ऑनलाइन भी दी जा रही हैं।

इसे स्कैन करें https://shorturl.at/Aq8cP

आज का सवाल

नए साल पर देशहित में आप कौनसा संकल्प ले रहे हैं?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

नववर्ष 2025 स्पेशल

दुनियाभर में स्वास्थ्य देखभाल के बदलेंगे ट्रेंड्स, तकनीक करेगी मॉनिटरिंग

NEW YEAR 2025

कस्टमाइज्ड हेल्थ केयर पर बढ़ेगा भरोसा

जीनोमिक्स, डेटा एनालिटिक्स और एआइ से पर्सनलाइज्ड मेडिसिन उपचार मिलने लगे हैं, जो नए साल में आम लोगों को उपलब्ध होंगे। आनुवंशिक संरचना के अनुरूप कस्टमाइज्ड उपचार मिलेगा।

ऑन्कोलॉजी में एआई एल्गोरिदम के साथ शुरुआती चरणों में कैंसर का सटीक पता लगाया जा सकता है। यह प्रगति है, जो उपचार प्रोटोकॉल को नया रूप देगी, जिससे उपचार अधिक सटीक और प्रभावी होगा।

डॉ. संतोष शेट्टी
सीईओ, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, कोकिला बेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल, मुंबई

वर्ष 2025 में कदम रखते हुए भारतीय स्वास्थ्य देखभाल उद्योग की प्रौद्योगिकी में बदलाव हो रहा है। नए ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल और मरीज-केंद्रित देखभाल पर बढ़ता हुआ जोर इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। डायग्नोस्टिक, प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स और वर्कफ्लो ऑप्टिमाइज़ेशन में एआई-चालित समाधान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह उन्नति न केवल अच्छे परिणाम दिलाती है, बल्कि पूरे स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में ज्यादा समावेशकता लाती है। 2025 में कुछ प्रमुख ट्रेंड्स इस प्रकार होंगे -

फार्माकोजेनोमिक्स का होगा उपयोग

स्वास्थ्य सेवा उद्योग 'वन-साइज-फिट्स-ऑल अप्रोच' से हटकर हर व्यक्ति के बायोलॉजिकल प्रोफाइल के आधार पर कस्टमाइज्ड दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है। जीनोमिक्स, डेटा एनालिटिक्स और एआई में प्रगति जैसे पर्सनलाइज्ड मेडिसिन की वजह से ऐसे उपचार मिल रहे हैं, जिन्हें मरीज की आनुवंशिक संरचना के अनुरूप डिजाइन किया जा सकता है।

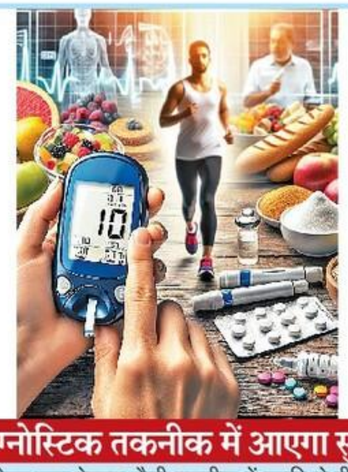

मशीन लर्निंग से संक्रामक बीमारियों की भविष्यवाणी

जीन थेरेपी, स्टेम सेल उपचार और डिजिटल चिकित्सा जैसे नवाचारों को विनियामक प्रगति ने मजबूत किया है। कई वेयरेबल्स और मोबाइल हेल्थ ऐप्स इस परिवर्तन को आगे बढ़ा रहे हैं, रियल-टाइम मॉनिटरिंग की सुविधा दे रहे हैं, लोगों को खुद की देखभाल में प्रोएक्टिव रहने का प्रोत्साहन दे रहे हैं।

डायग्नोस्टिक तकनीक में आएगा सुधार

हाई-प्रिसिजन इमेजिंग और बायोमार्कर-बेस्ड ब्लड टेस्ट्स जैसी तकनीक में उन्नति से बीमारियों का जल्द से जल्द और अधिक सटीक पता लगाने में मदद मिल रही है। नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच और प्रोएक्टिव वेलनेस मैनेजमेंट की आदतों को बढ़ावा देकर गंभीर और लंबे समय तक चलने वाली बीमारियों का बोझ कम करना इसका उद्देश्य होता है। मधुमेह, हाइपरटेंशन और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का जल्द से जल्द पता लगाना और भी आसान हो रहा है।

काव्यांजलि
POEM

नए वर्ष ने डाला डेरा!

अज़हर हाशमी

सूरज लाया नया सवेरा!
नए वर्ष ने डाला डेरा!

नए वर्ष की धूप सुहानी,
चमक रहा नदियों का पानी!
सुबह-सुबह गाती गौरैया,
चह-चह का गाना रूहानी!
कहती 'छोड़े तेरा-मेरा' !
नए वर्ष में डाला डेरा!

चले कृषक लेकर अपना हल,
बजें बैल के घुंघरू हर पल!
मजदूरों ने नए जोश से,
लिया हथौड़ा-गेती-सब्बल!
श्रम का सुंदर चित्र उकेरा!
नए वर्ष ने डाला डेरा!

उदित हुआ सूरज का गोला,
प्राची ने अरुणिम रंग घोला!
'शटर उठाकर फूलों वाले'!
तितली ने भी 'दफ्तर' खोला!
गायों ने बछड़ों को टेरा !
नए वर्ष ने डाला डेरा!

न्यूज शॉर्ट्स

दो चेन स्नैचरों को 7-7 साल की सजा

ग्वालियर. विशेष सत्र न्यायालय ने दो चेन स्नैचरों को 7-7 साल की सजा सुनाई है। दरअसल 24 मई 2022 को सावित्री बघेल गांव से लौट रही थी। पड़ाव पुल के पास पीछे से बाइक सवार धर्मवीर धानुक व मुकेश झा आए।पीछे बैठे युवक ने चेन खींच ली। इससे सावित्री बाइक से गिरकर घायल हो गई। पुलिस ने केस दर्ज करके दोनों को पकड़ लिया।

4 घंटे विलंब से गई जबलपुर-कटरा एक्स.

जबलपुर . कटरा (जम्मू) जाने वाली ट्रेन को मंगलवार को री शेड्यूल कर दिया गया। इससे यात्री परेशान हुए। रेलवे के अनुसार, माता वैष्णो देवी कटरा के लिए जाने वाली ट्रेन को सुबह 6 बजे रवाना होना था। उसे सुबह 10 बजे रवाना किया गया। अधिकारियों ने बताया, ट्रेन को मदनमहल स्टेशन हुए हुए हादसे के कारण रीशेड्यूल किया गया है।

@10 जिले न्यूनतम तापमान

कहां- कितना

ग्वालियर	11.4	सागर	9.5
भोपाल	9.6	सतना	12.5
रतलाम	10.5	जबलपुर	9.5
खजुराहो	20.0	नौगांव	9.0
दमोह	12.0	इंदौर	14.3

(आंकड़े डिग्री सेल्सियस में)

अस्सी और नब्बे के दशक की बधाई देने की परंपरा आखिरी पड़ाव पर

एडिट के विकल्प ने 25 वर्षों के ग्रिटिंग कार्ड कारोबार को किया धराशायी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. हम नए साल में प्रवेश कर चुके हैं। इस अवसर को खास बनाने के लिए हर कोई अपने- अपने तरीके प्रयास कर रहा है। लेकिन आपने बदलते दौर के साथ यह जरूर महसूस किया होगा कि बदलते साल के साथ न जाने कितनी चीजें पीछे ही छूट गई। संवेदनाओं के मायने बदल गए। एक दौर वो भी था, जब नववर्ष आने के एक माह पहले से लेकर एक माह बाद तक दुकाने ग्रीटिंग कार्ड से गुलजार हुआ करती थी। दोस्ती के मायने ग्रीटिंग कार्ड में लिखे शब्दों से मापे जाते थे। खत शब्द से हजारों गाने गढ़ गए..यहां तक लिखा गया कि पहले जब तू खत लिखता था, कागजे में चेहरा दिखता था। लेकिन अब स्मार्टफोन में इंसान का जीवन ही समा गया है।

एडिट के विकल्प ने शब्दों और भावों को पल भर में बदलने के कई अवसर दे दिए। और इसी अवसर ने ग्रीटिंग कार्ड को ही गायब कर दिया। शायद 80 और 90 के दशक में जन्मी इस परंपरा के अंतिम गवाह होंगे। पत्रिका ने ग्रीटिंग कार्ड के बाजार की हकीकत जानी तो पता चला, स्मार्टफोन व सस्ते इंटरनेट पैक ने 25 सालों के इस कारोबार के वर्चस्व को धराशायी कर दिया है।

साल 2005 से टूटने लगा बाजार

मध्यमवर्गीय परिवार के हाथ में जैसे ही आसानी से फोन पहुंचा। वैसे ही ग्रीटिंग का क्रेज धीरे-धीरे कम होने लगा। साल 2000 से इस बदलाव की शुरुआत हुई। पहले लोग फोन करके नववर्ष की बधाई देने लगे। फिर बाद में मैसेज का क्रेज बढ़ा और लोगों ने ग्रीटिंग कार्ड की जगह मैसेज से जरिए शुभकामनाएं प्रेषित होने लगी। फिर धीरे-धीरे ग्रीटिंग कार्ड की जगह की फोन ने ले ली। साल 2010 का वक्त रहा होगा जब स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट पैक युवाओं को अपनी ओर धीरे-धीरे आकर्षित कर रहे थे। यानी मैसेज का दौर भी अब खत्म हो रहा था। लोग सस्ते इंटरनेट से फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम और ट्विटर की ओर बढ़ रहे थे। फिर धीरे- धीरे डिजिटल की ऐसी क्रांति आई की अब लाइव वीडियो, रील और वीडियो कॉल न जाने कैसे- कैसे तरीकों से लोग बधाई देने लगे और ऐसे ही ग्रीटिंग कार्ड का दौर ही खत्म हो गया।

ध्यान नहीं अंतिम बार ग्रीटिंग कार्ड कब छापी थी

प्रिंटिंग का कारोबार करने वाले विपिन गर्ग ने बताया, ग्रीटिंग कार्ड की एक इंडस्ट्री थी, जो अब 99 प्रतिशत खत्म हो चुकी है। अब तो कई दफ्तरों में इसका नाममात्र इस्तेमाल किया जा रहा है। एक वह भी दौर था, जब 5-7 रुपए से लेकर 15-20 रुपए तक के ग्रीटिंग कार्ड धड़ल्ले से बिकते थे। अगर उस रुपए के हिसाब से आज की तुलना की जाए, तो पता चलेगा कि तब इसका कारोबार करोड़ो रुपए का होता था। जो अब करीब-करीब शून्य के कगार पर है। पिछले 36 सालों से प्रिंटिंग का पीढ़ी दर पीढ़ी कारोबार कर रहे भोपाल के पुलकित जैन ने बताया, ग्रीटिंग कार्ड का इस्तेमाल अब पूरी तरह से बंद हो चुका है। मुझे ध्यान ही नहीं है कि अंतिम बार ग्रीटिंग कार्ड कब छापी थी।

बिजली बिल नहीं भरा, 188 सरकारी कर्मियों के खाते सीज

मुरैना@पत्रिका. बिजली बिल जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध बिजली कंपनी ने सख्त कदम उठाया है। कंपनी ने 1.41 करोड़ रुपए का बिजली बिल जमा न करने वाले 188 उपभोक्ताओं के बैंक खाते सीज करा दिए हैं। ये सभी सरकारी नौकरी में हैं। बकायादारों में हड़कंप है। कंपनी के उपमहाप्रबंधक रीतेश श्रीवास्तव ने बताया, अंबाह क्षेत्र में 9 हजार उपभोक्ताओं पर बिजली बिल की 122 करोड़ राशि बकाया है। अकेले स्कूल शिक्षा विभाग पर ही 1.20 करोड़ रुपए की राशि बाकी है। उपभोक्ताओं को नोटिस देने के बाद बैंक खातों को सीज करने की कार्रवाई हो रही है। 188 बकायेदारों के बैंक खाते सीज कर चुकी है।

महिलाओं से सुविधा के नाम पर वसूले जा रहे पांच रुपए

भोपाल@पत्रिका. महिलाओं एवं पुरुषों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए नगर निगम ने अनेक स्थान पर सुलभ शौचालय का निर्माण किया है। जहां लघु शंका निशुल्क है। इसके बावजूद भोपाल नादरा बस स्टैंड के पास सार्वजनिक सुलभ शौचालय में कर्मचारियों द्वारा महिलाओं से सुविधा के नाम पर पांच रुपए शुल्क वसूली का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ताओं ने फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए निगम कमिश्नर से कार्रवाई की मांग की है।

ऐसा भी जश्न: पार्टी पर पुलिस से शिकायत

नए साल के जश्न में तड़का लगाने यूट्यूबर एल्विस को बुलाया, हिंदू संगठन नाराज

जबलपुर@पत्रिका. नए साल के लिए शहर के कुछ होटलों ने जश्न के नाम पर शराब परोसने के पैकेज जारी किए हैं। जिनकी बुकिंग एक लाख रुपए एक रात के पैकेज पर कराई गई है। इस पैकेज के साथ यह भी बताया गया है कि किसे कितने बोतल शराब मिलेगी। पीकर बहकने वालों के लिए आयोजकों द्वारा गनमैन और बाउंसर उपलब्ध कराए जाएंगे। वहीं, एक होटल में जश्न पर तड़का लगाने टीवी रियल्टी शो विजेता व यूट्यूबर एल्विस यादव को बुलाया है। जिसका हिन्दू संगठनों ने विरोध करते हुए कार्यक्रम रद्द कराने की मांग की है। उधर, पुलिस का कहना है, नियम का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया, जश्न को लेकर होटल, रेस्टॉरेंट और लाउंज संचालकों को समझा दिया गया था कि उन्हें नियम कानून तोड़ने की गतिविधि में शामिल नहीं होना है। इस संबंध में लिखित में सभी से बॉन्ड भी भरवाया गया था।

हिंदू संगठन बोले, नशे की हो रही ब्रांडिंग

हिन्दू संगठनों ने यूट्यूबर एल्विस यादव के इवेंट पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद-राष्ट्रीय बजरंग दल ने कलेक्टर व पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन देकर एल्विस के कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि एल्विस नशे के रैकेट से जुड़े हुए हैं। उनके जबलपुर आने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

पीएचक्यू में पत्रकारों की एंट्री पर प्रतिबंध

भोपाल@पत्रिका. मंगलवार को अब पुलिस मुख्यालय में पत्रकारों की एंट्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिसके मौखिक आदेश सुरक्षा अधिकारी ने गेट में लगे सुरक्षाकर्मियों को दिए है। 31 दिसंबर को जब पत्रकार पीएचक्यू के गेट नं. दो पर पहुंचे तो उन्हें सुरक्षाकर्मियों ने रोक दिया। कारण पूछने पर कहा, सुरक्षा अधिकारी का निर्देश है, क्योंकि मंगलवार को डीजीपी जनसुनवाई करते है। जब पत्रिका संवाददाता ने सुरक्षा अधिकारी मुकेश सैनी से इस बारे में बात की, तो उन्होंने गेट नंबर पूछकर फोन काट दिया। फिर थोड़ी देर में सुरक्षाकर्मियों को फोन लगाकर फटकारा कि मेरा नंबर क्यों बांट रहे हो।

सेंधवा: पुलिस को नहीं मिला है कोई सुसाइड नोट

बीएससी नर्सिंग की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सेंधवा (बड़वानी)@पत्रिका. देवझिरी कॉलोनी क्षेत्र में किराए के मकान में रह रही छात्रा ने अपने रूम में फांसी लगा ली। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जिस समय युवती ने फांसी लगाई, उसकी सहेलियां बाजार गई हुई थी। छात्रा के परिजनों के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद ताला तोड़कर शव नीचे उतारा गया। बीएससी नर्सिंग की छात्रा का शव बंद कमरे में दुपट्टे के फंदे से लटका हुआ मिला। उसकी सहेलियां बाजार से लौटीं तो कमरे का दरवाजा बंद था।

सहेलियों ने लोगों को बुलाकर खिड़की खोलकर अंदर देखा तो छात्रा पंखे से फंदे पर लटकी थी। पुलिस को सूचना दी गई। वहीं परिजनों को भी बुलाया गया। छात्रा की पहचान सलमा पिता भाया निवासी शिवन्यापानी के रूप में हुई है, जो बीएससी नर्सिंग में फर्स्ट इयर की छात्रा है। पुलिस को मृतका के पास से फिलहाल में कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

2024 का आखिरी सूर्यास्त... आज नई सुबह

...डूबते सूरज की यह तस्वीर देवास शहर के मीठा तालाब की है। घुंघरू नृत्य अकादमी की बालिकाओं ने नृत्य की मुद्राएं बनाकर कुछ इस तरह वर्ष 2024 के अंतिम सूर्यास्त को अलविदा कहा। अब बुधवार को उगते सूरज के साथ नए साल 2025 की शुरुआत होगी। शहर में नए वर्ष के स्वागत के साथ माता टेकरी पर बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे।
फोटो: मयूर व्यास

धार न्यू ईयर पार्टी में खपानी थी ड्रग की खेप

पांच लाख कीमत की एमडी ड्रग के साथ धराया नाबालिग

धार@पत्रिका. तिरला पुलिस मंगलवार को धार के एक नाबालिग को एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा। उसके पास से 100 ग्राम ड्रग जब्त की गई। इसकी कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई जा रही है।

तिरला के उप निरीक्षक जगदीश मीणा ने बताया, मुखबिर से सूचना मिली कि जवाहर मार्ग निवासी बाल अपचारी एक सफेद प्लास्टिक की थैली में अवैध मादक पदार्थ एमडी लेकर चिकलिया फाटे पर किसी को देने के लिए खड़ा है। सूचना पर धार सीएसपी रविन्द्र वास्कले के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने चिकलिया फाटे से नाबालिग को घेराबंदी कर पकड़ा। तलाशी लेने पर 100 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी कीमत 5 लाख मिली। पुलिस आरोपी से एमडी ड्रग कहां से लेकर आया था और किन लोगों को सप्लाई करने वाला था, इसे लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया, नाबालिग तस्करी का माध्यम है। ड्रग की खेप नये साल की किसी पार्टी में खपानी थी।

ट्रेंडिंग न्यूज

खंडवा

रुपए मांगने पर एसआइ-एएसआइ निलंबित

खंडवा. ट्रक चालक से रुपए की डिमांड करने पर एसआइ और एएसआइ निलंबित कर दिए गए। पुलिस अधीक्षक मनोज राय को रोशनी चौकी में प्रभारी एसाइ रमेश मोरे और एएसआइ अकलिम खान द्वारा ट्रक चालक से एक लाख रुप मांगने की शिकायत मिली। वीडियो भी मिला। इसके बाद उन्होंने तत्काल जांच करवाई और दोनों को निलंबित कर दिया।

इंदौर

25 लाख के 115 मोबाइल आवेदकों को सौंपे गए

इंदौर. पुलिस की साइबर सेल ने सिटीजन कॉप पर आई मोबाइल गुम की शिकायतों पर बड़ी कार्रवाई की। इंदौर सहित देश के शहरों में चल रहे 115 मोबाइल को क्राइम ब्रांच ने बरामद किए हैं। 115 मोबाइल की 25 लाख रुपए कीमत है। इनको वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आवेदकों को सौंपा गया। वर्ष 2024 में 986 मोबाइल बरामद कर आवेदकों को सौंपे हैं।

ग्वालियर

जीवाजी विवि में ऑनलाइन मिलेंगे सर्टिफिकेट

ग्वालियर. जीवाजी विवि में एक जनवरी से विद्यार्थियों को माइग्रेशन व प्रोविजनल डिग्री ऑनलाइन मिल सकेगी। आवेदन के तीन दिन के भीतर विद्यार्थी लिंक पर जाकर ऑनलाइन ही यह दस्तावेज डाउनलोड कर सकेंगे। साथ ही विवि की अध्ययनशाला व संबद्ध कॉलेजों के छात्रों को अब डिग्री के लिए आवेदन नहीं करना पड़ेगा और नए सत्र से छात्रों के घर पर डिग्री बिना आवेदन पहुंचेगी।

भविष्यवाणी | अंक ज्योतिष में बताया गया है हर एक अंक का महत्व, जातकों पर डालता है प्रभाव

साल 2025 में 9 अंक का चलेगा जादू, मंगल की रहेगी विशेष कृपा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. कैलेंडर में साल बदलते ही इसके हर पहलू पर चर्चा होनी शुरू हो जाती है। लोग भी यह जानने के इच्छुक होते हैं कि नया साल उनके लिए कैसा साबित होगा। जिस तरह से ज्योतिष शास्त्र में नए साल को राशियों के हिसाब से वर्णित किया जाता है, उसी तरह दूसरी विद्याओं में भी इसका अलग-अलग महत्व बताया जाता है। जैसे अंक ज्योतिष में साल 2025 में अंक 9 का महत्व होगा। ज्योतिष शास्त्री पूनम श्रीवास्तव के अनुसार, अंग 9 का संबंध मंगल ग्रह से है, जो ऊर्जा, शक्ति औ नेतृत्व को दर्शाता है।

ऐसे में 9 मूलांक के जातकों के लिए नया साल हर क्षेत्र में विशेष उपलब्धि देने वाला होगा। इसके अलावा यह अंक सभी मूलांकों के लिए भी महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाला है। आइए जानते हैं:

मूलांक 1 1, 10, 19, 28
प्रभाव: सफलता, समृद्धि और नए अवसरों का साल।
उपाय: आत्मविश्वास बनाए रखें और नए प्रोजेक्ट्स शुरू करें।

मूलांक 2 2, 11, 20, 29
प्रभाव: मिश्रित परिणाम, सावधानी और धैर्य की जरूरत।
उपाय: बड़े फैसले सोच-समझकर लें। भावनाओं पर नियंत्रण रखें।

मूलांक 3 3, 12, 21, 30
प्रभाव: रुके हुए काम बनेंगे, धन-संपदा और विवाह के योग।
उपाय: नए अवसरों का पूरा लाभ उठाएं।

मूलांक 4 4, 13, 22, 31
प्रभाव: फोकस बनाए रखें, बुरी आदतों से बचें।
उपाय: अनुशासन और मेहनत सफलता दिलाएगी।

मूलांक 5 5, 14, 23
प्रभाव: धन, प्रॉपर्टी और नई संभावनाओं का साल।
उपाय: प्लानिंग के साथ निवेश करें और मौके हाथ से न जाने दें।

मूलांक 6 6, 15, 24
प्रभाव: लाभकारी लेकिन फिजूलखर्ची और अपयश से बचें।
उपाय: खर्च पर नियंत्रण रखें और सोच-समझकर निर्णय लें।

मूलांक 7 7, 16, 25
प्रभाव: आध्यात्मिक उन्नति और मानसिक शांति का वर्ष।
उपाय: ध्यान और भक्ति से आंतरिक शक्ति बढ़ाएं।

मूलांक 8 8, 17, 26
प्रभाव: मिले-जुले परिणाम, नैतिकता का पालन करें।
उपाय: ईमानदारी और मेहनत से शुभ परिणाम प्राप्त होंगे।

मूलांक 9 9, 18, 27
प्रभाव: संघर्ष और विवाद से बचें, धैर्य बनाए रखें।
उपाय: मेडिटेशन और संयम से सफलता मिलेगी।

सारांश और उपाय

ज्योतिष अंक शास्त्र के जानकारों के मुताबिक साल 2025 सभी मूलांकों के लिए विशेष फल देने वाला है। पूरे साल जो जातक हनुमान जी की आराधना, हनुमान चालीसा का पाठ और नियमित ध्यान करेंगे उनके लिए यह साल और शुभफलदायी साबित हो सकता है। मंगल ग्रह की ऊर्जा से भरे इस साल में सफलता और समृद्धि के द्वार खुलने वाले हैं।

जेसी मिल मजदूरों के मामले में फंसा पेच

एसबीआइ ने प्रबंधन से मांगी 2930 करोड़ की देनदारी

ग्वालियर. जेसी मिल मजदूरों की देनदारी देने का प्रस्ताव तैयार हो चुका है। इसके लिए जेसी मिल की संपत्ति बेचकर फंड जुटाया जाएगा, लेकिन संपत्ति को बेचने में कानूनी अड़चन आ रही है। दरअसल, प्रशासन को मिल की संपत्ति बेचने का अधिकार नहीं है, क्योंकि संपत्ति लिक्विडेटर के आधिपत्य में है। अब एसबीआइ ने मिल प्रबंधन से अपनी देनदारी मांगी है। इसके लिए हाईकोर्ट में अंतरिम आवेदन लगाया है। बैंक ने 2930.61 करोड़ मांगे हैं। तर्क दिया, मिल की संपत्ति बैंक में बंधक है। फिलहाल आवेदन पर हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है। प्रदेश सरकार की पहल पर इंदौर के हुकुमचंद मिल के मजदूरों को देनदारी वापस मिल चुकी है। इस तर्ज पर जेसी मिल के मजदूरों को भी देनदारी देने की तैयारी है। 8 सदस्यीय कमेटी ने प्रस्ताव तैयार कर सीएम को भेज दिया था। मिल की जो 100 बीघा जमीन खाली पड़ी है, उस पर हाउसिंग प्रोजेक्ट से फंड जुटाया जाएगा। मिल की 131 करोड़ की देनदारी बताई थी, जिसमें 8000 हजार श्रमिकों और 8 बैंकों का बकाया बताया था। हालांकि बैंक की मांग से मिल मजदूरों की देनदारी में एक नया पेच आ गया है।

बदला पैटर्न : होटल और टेंट बुक, अगले दो माह तक चलेगा दौर...राजस्थान आ रहे फ्रांस, इटली, अमरीका, यूके, जर्मनी, बेल्जियम, स्पेन, कनाडा के पर्यटक

बर्फ वालों को रेत के धोरे पसंद, माटी वालों को लुभा रहे पहाड़

राजेश शर्मा
patrika.com

झुंझुनूं. सर्दी की छुट्टियों और नए साल को लेकर पर्यटन स्थल देसी-विदेशी सैलानियों से आबाद हैं। होटल, रिसोर्ट व टेंट सब बुक हो चुके हैं। खास बात यह कि झुंझुनूं में मंडावा की हवेलियां, जैसलमेर के सम के धोरे और पुष्कर की टेंट सिटी में जहां ठंडे देशों के लोग छुट्टियां मनाने आ रहे हैं, वहीं राजस्थान के लोग छुट्टियां मनाने कुल्लू, मनाली, शिमला, मसूरी व अन्य जगह जा रहे हैं। राजस्थान में फ्रांस, इटली, अमरीका, यूके, जर्मनी, बेल्जियम, स्पेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया सहित अनेक देशों के पर्यटक आ रहे हैं। इस बार जैसलमेर, जोधपुर और शेखावाटी में विदेशी पर्यटकों के अलावा हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर से भी पर्यटक पहुंचे हैं। विदेशी पर्यटक दो माह में प्रमुख जिलों में करोड़ों रुपए का कारोबार होने की संभावना है।

जैसलमेर के धोरों में नए साल का आनंद लेते पर्यटक।

झुंझुनूं में आने वाले पर्यटकों को यहां की हैरिटेज हवेलियां और फ्रेस्को पेंटिंग सबसे ज्यादा पसंद आ रही हैं। रेत के धोरों में भी खूब घूम रहे हैं। - **देवेन्द्र चौधरी,** सहायक निदेशक, पर्यटन विभाग

लुभा रहे पुष्कर के टेंट

अजमेर जिले में नए साल पर करीब एक हजार विदेशी व दो लाख देसी पर्यटक आए। पर्यटक पुष्कर के टेंट, ब्रह्मा मंदिर, सावित्री मंदिर, आनासागर झील आदि देखने आ रहे हैं। वहीं यहां से करीब तीस हजार लोग छुट्टियां मनाने हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर गए हैं।

जयपुर में जुट रहे सैलानी

जयपुर जिले में आने वाले पयर्टक आमेर महल, सिटी पैलेस, जंतर मंतर, अलबर्ट हॉल व अन्य स्थल घूम रहे हैं। नए साल का जश्न मनाने के लिए लाखों की संख्या में पर्यटक पहुंचे।

जैसलमेर में पसंद आ रही ऊंट सफारी

पूरे राजस्थान में इन दिनों देसी व विदेशी पर्यटकों को सम के धोरों में ऊंट की सफारी काफी पसंद आ रही है। जैसलमेर में नए साल पर करीब 60 हजार से ज्यादा पर्यटक आ चुके हैं। पर्यटक यहां सोनार किला, पटवा हवेलियां, कुलधरा, लौद्रवा, सम, खुहड़ी, तनोटराय, रामदेवरा का भ्रमण कर रहे हैं। दो माह में करीब चालीस करोड़ के कारोबार की संभावना है।

झुंझुनूं में देख रहे हैरिटेज

नवम्बर में 5635 विदेशी व 97 हजार 850 देसी पर्यटक झुंझुनूं आए। टूर एवं ट्रेवल्स एजेंसियों के अनुसार झुंझुनूं जिले से करीब तीन हजार से ज्यादा लोग घूमने कुल्लू, मनानी व अन्य ठंडी जगह गए हैं। विदेशी पर्यटकों ने झुंझुनूं में मंडावा, अलसीसर, महनसर व अन्य पर्यटक स्थलों को निहारा। विशाल हैरिटेज हवेलियां व फ्रेस्को पेंटिंग देखी।

जोधपुर : होटल फुल

जोधपुर में 70 हजार से अधिक पर्यटक पिछले दो माह में आ चुके हैं। वे मेहरानगढ़ फोर्ट, जसवंत थड़ा, छित्तर पैलेस, मंडोर आदि स्थलों को निहार रहे हैं। सभी होटलों में नो रूम है। यहां दो माह में करीब 40 करोड़ से ज्यादा के कारोबार का अनुमान है।

उदयपुर : झील पसंद

यहां पिछले दो माह में करीब चालीस हजार पर्यटक आए हैं। पर्यटक यहां फतहसागर, पिछोला, सिटी पैलेस, सज्जनगढ़, करणी माता रोप-वे, सहेलियों की बाड़ी आदि देख रहे हैं। यहां दो माह में करीब 60 करोड़ रुपए के कारोबार की संभावना है।

ट्रेंडिंग वीडियो

1. नए साल पर पर्यटकों से गुलजार मरुधरा

2. मनमोहन सिंह को लेकर गहलोत का हमला

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

आरपीएससी : सहायक आचार्य के 329 पदों के लिए आवेदन शुरू

अजमेर. राजस्थान लोक सेवा आयोग के तत्वावधान में सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा) के 329 पदों के ऑनलाइन आवेदन मंगलवार से भरना शुरू हो गए। सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि सहायक आचार्य के ऑनलाइन फॉर्म 29 जनवरी तक भरे जा सकेंगे। अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार से होगा।

दृष्टिबाधित कार्मिकों का होगा स्थानांतरण

बीकानेर @ पत्रिका. शिक्षा विभाग में दृष्टिबाधित कार्मिकों का स्थानांतरण किया जाएगा। इसके लिए पूर्व में भी आवेदन मांगे गए थे, लेकिन वांछित स्थानांतरण के प्रस्ताव अपर्याप्त होने के कारण दुबारा आवेदन मांगे गए हैं। इस संबंध में संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) माध्यमिक शिक्षा ने सभी संयुक्त निदेशकों एवं जिला शिक्षरा अधिकारियों को आदेश भेजे हैं।

नौ हजार की रिश्वत लेते सेल्समैन गिरफ्तार

जालोर (पाली) @ पत्रिका. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) टीम जालोर ने आहोर में कृषि उपज मंडी के सेल्समैन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भंवरसिंह को 9 हजार की रिश्वत लेते ट्रैप किया। भंवरसिंह कृषि उपज उप मंडी में सहायक खरीद प्रभारी के रूप में नियुक्त था। एसीबी महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि परिवादी ने बताया कि मूंग की की बोरियों, कट्टों का कृषि मंडी में तोलकर खरीदने की एवज में आरोपी 9 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। सत्यापन होने पर आरोपी भंवरसिंह को परिवादी से 9 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

आधा शिक्षा सत्र बीतने के बाद अब जनवरी में मिलेंगे शिक्षक

अंग्रेजी माध्यम स्कूल : घर आने के चक्कर में बदला शिक्षकों का 'भूगोल'

88 हजार शिक्षकों ने चयन परीक्षा के लिए किया था आवेदन

बृजमोहन आचार्य
patrika.com

बीकानेर. कांग्रेस सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में अब आधा शिक्षा सत्र बीतने के बाद ही शिक्षकों का पदस्थापन किया जा सकेगा। हालांकि, उन शिक्षकों के सामने यह संकट खड़ा हो गया है, जिन्होंने अपने गृह जिलों में आने के लिए चयन परीक्षा दी थी। उनका चयन भी हो गया, लेकिन अब सरकार ने प्रदेश में 9 जिलों को ही समाप्त कर दिया है। ऐसे में चयनित शिक्षकों के घर आने का भूगोल ही बदल गया है। चयनित शिक्षकों के जनवरी में पदस्थापन आदेश जारी होने की संभावना है। प्रदेश के 3737 अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के लिए 88 हजार शिक्षकों ने चयन परीक्षा दी थी। सबसे बड़ी संख्या तृतीय श्रेणी शिक्षकों की थी, जिनके तबादले लंबे समय से नहीं हो रहे हैं। इस रास्ते से उन्हें गृह या आस-पास पदस्थापन मिलने की आस थी। लेकिन एक बार फिर उनके गृह जिले में जाने की उम्मीदों पर सरकार ने नवगठित जिलों की संख्या कम करके पानी फेर दिया। परीक्षा में 30 हजार शिक्षकों का चयन किया गया था। चयन के लिए 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य था।

50 जिलों के हिसाब से मांगे थे आवेदन

जिस समय चयन परीक्षा लिए आवेदन मांगे गए थे, उस समय प्रदेश में 50 जिले थे। लिहाजा, गृह जिलों में आने के लिए भी शिक्षकों ने आवेदन कर दिए थे। जब पदस्थापन देने का समय आया है, तो राज्य में 9 जिलों को समाप्त ही कर दिया। खत्म किए गए जिलों में आने के इच्छुक उन शिक्षकों का चयन किस आधार पर किस जिले में किया जाए, इसके लिए कोई रास्ता भी नहीं निकाला गया। हालांकि, विभागीय सूत्रों का कहना है कि पदस्थापन देने से पहले विधिक राय ली जाएगी, ताकि बाद में कोई शिक्षक अदालत की शरण में न चला जाए।

उम्मीदों पर फिर गया पानी

केस 1

थर्ड ग्रेड शिक्षक निर्मल खटाना 2019 से राजकीय प्राथमिक विद्यालय गदेलिया तहसील बेगूं जिला चित्तौड़गढ़ में कार्यरत हैं। उन्होंने अंग्रेजी माध्यम स्कूल में चयन के लिए परीक्षा दी थी, ताकि वे अपने गृह जिले गंगापुरसिटी आ सकें, लेकिन अब गंगापुरसिटी जिले को समाप्त कर दिया गया।

केस 2

झालावाड़ के डग ब्लॉक में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेलकी के शिक्षक महेंद्र जारा 2019 से कार्यरत हैं। उन्होंने गृह जिले गंगापुरसिटी आने के लिए अंग्रेजी माध्यम स्कूल के लिए चयन परीक्षा दी थी। उनके चयन के लिए निर्धारित अंक भी हासिल कर लिए। गंगापुरसिटी जिले को समाप्त कर दिया है।

केस 3 **राजकीय** प्राथमिक विद्यालय अमरपुरा अजमेर में कार्यरत शिक्षक श्यामलाल माली का गृह जिला गंगापुरसिटी है। वे यहां पांच साल से कार्यरत हैं। उन्होंने अपने गृह जिले में आने के लिए अंग्रेजी माध्यम स्कूल की चयन परीक्षा दी थी। अंक भी 40 प्रतिशत से अधिक आए थे। इनकी उम्मीदों पर भी ग्रहण लग गया।

परीक्षा का परिणाम जारी, अब होगा पदस्थापन

अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के विद्यार्थियों को निजी स्कूलों की तरह ही अंग्रेजी में मजबूत करने के लिए अंग्रेजी माध्यम शिक्षकों का ही पदस्थापन करना था। शिक्षा विभागीय परीक्षाएं पंजीयक ने 25 अगस्त को परीक्षा आयोजित कराई। ताकि सितंबर तक परिणाम जारी कर उनका पदस्थापन किया जा सके, लेकिन बोनस अंकों को लेकर मामला अदालत में चला गया। गत दिनों अदालत के फैसले के बाद 23 दिसंबर को चयन परीक्षा का परिणाम जारी किया गया।

अस्पतालों में आने लगे मरीज

सर्दी का प्रकोप बढ़ा, कोल्ड अटैक से गलने लगी त्वचा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कोटा. सर्दी का प्रकोप बढ़ने के साथ ही कोल्ड अटैक के मामले आने लगे है। सरकारी और निजी अस्पतालों में ऐसे मरीजों की संख्या 10-15 प्रतिशत तक बढ़ गई है। कामकाजी महिलाएं, किसान, धोबी, दुपहिया वाहन चालक और खुले में काम करने वाले लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। त्वचा रोग विशेषज्ञों के अनुसार, ठंड के कारण त्वचा की नसों में सिकुड़न होने से रक्त संचार प्रभावित होता है, जिससे त्वचा में सूजन और जलन की समस्या बढ़ जाती है। इसके अलावा एलर्जी, सोरायसिस के मरीज भी सामने आ रहे हैं। कोल्ड अटैक से प्रभावित लोगों में त्वचा पर सूजन, जलन, दर्द, लाल या काले निशान और अल्सर जैसी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। विशेष रूप से हाथ, पैर, कान और नाक जैसे हिस्से, जो ठंड के सीधे संपर्क में रहते हैं, अधिक प्रभावित हो रहे हैं। शरीर के तापमान में अचानक गिरावट से यह समस्या होती है। ठंडे पानी या सर्द हवा के लंबे संपर्क में रहने से त्वचा के नीचे की नसें सिकुड़ जाती हैं, जिससे रक्त संचार बाधित हो जाता है। यही स्थिति चिलब्लेंस नामक समस्या को जन्म देती है। स्किन डिपार्टमेंट मेडिकल कॉलेज कोटा के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र यादव ने बताया कि ओपीडी में कामकाजी महिलाओं, किसानों, वाहनों पर काम करने वाले युवाओं और चालकों की संख्या बढ़ी है। ये लोग ठंडे पानी और तेज हवा के संपर्क में ज्यादा रहते हैं, जिससे उनके हाथ-पैर, कान और आंखों में सूजन, जलन और कालापन हो रहा है।

सर्दी के कारण हाथ में पड़े निशान।

बचाव के उपाय

- गर्म कपड़े और ग्लब्स का उपयोग करें।
- ठंडे पानी के बजाय गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें।
- हाथ-पैरों की सरसों के तेल से मालिश करें।
- त्वचा में जलन होने पर चिकित्सक द्वारा दी गई दवाओं और लोशन का उपयोग करें।

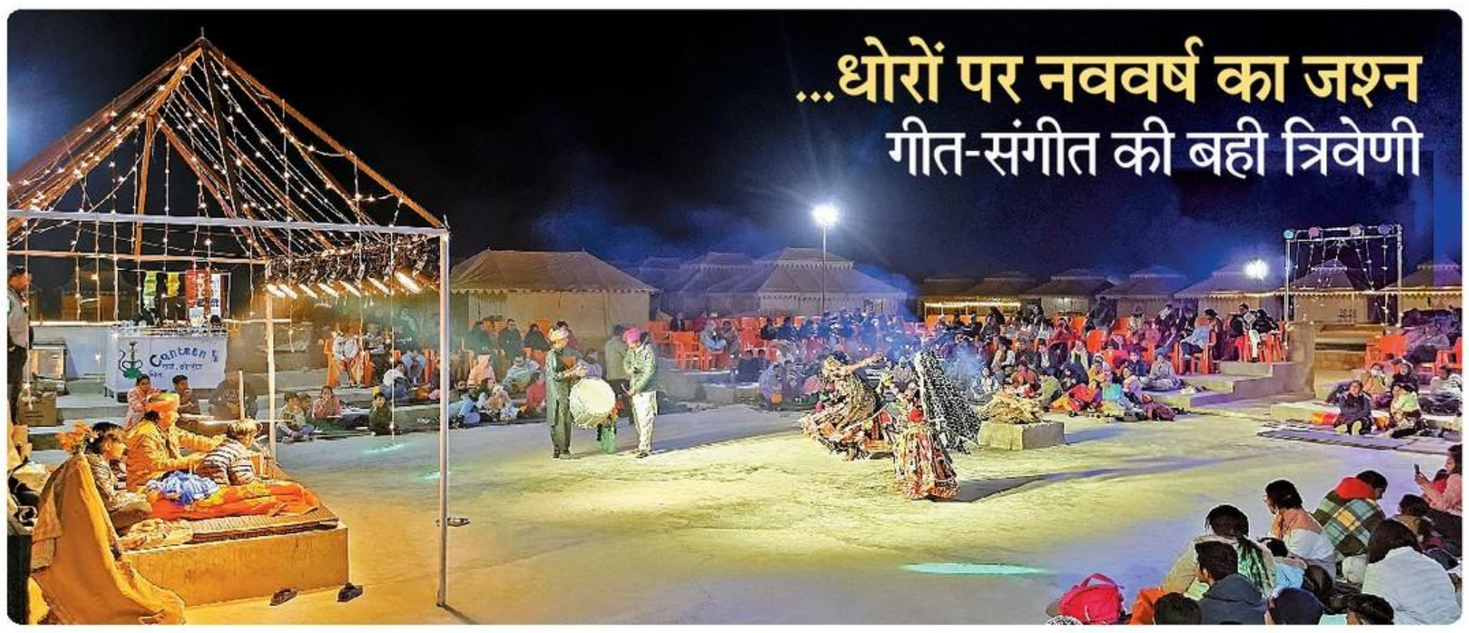

जैसलमेर. गोल्डनसिटी के नाम से मशहूर जैसलमेर और यहां से 42 किलोमीटर दूर धोरां धरती सम सेंड ड्यून्स पर नए वर्ष 2025 का देश-दुनिया के हजारों सैलानियों ने बाहें फैला कर स्वागत किया। सम में रेत के समंदर में साल की अंतिम शाम का सूरज जैसे-जैसे समाता गया, वहां मौजूद सैलानियों और स्थानीय बाशिंदों का नए साल के जश्न का जोश परवान चढ़ता नजर आया। उसके बाद रिसोर्ट्स में राजस्थानी गीत-संगीत और नृत्य की त्रिवेणी बही। साथ ही हिन्दी और पंजाबी के पॉप सॉन्ग्स सहित स्पेनिश आदि विदेशी भाषाओं के गीतों की धुनों पर युवाओं ने थिरकते हुए वर्ष को विदाई दी और नए साल का स्वागत किया। देश-दुनिया से नए साल मनाने हजारों पर्यटक सम पहुंचे। नववर्ष की महफिलों में होटल्स और रिसोर्ट्स में राजस्थानी और देश के अन्य प्रांतों के साथ इटालियन, चाइनीज, कॉन्टिनेंटल आदि लजीज व्यंजनों की पूरी शृंखला परोसी गई। सैलानियों ने शाम से लेकर मध्यरात्रि तक उनका लुत्फउठाया। होटलों और रिसोर्ट्स में इस मौके पर विशेष पैकेज के इंतजाम किए गए। रात 12 बजे रंगीन आतिशबाजी के साथ पूरा वातावरण हैप्पी न्यू ईयर के शोर से गूंज उठा।

अलवर : वन विभाग की टीम को छकाया

शहर में घुसा बघेरा...मचा हड़कंप, तीन घंटे बाद पकड़ा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अलवर. अलवर शहर में मंगलवार सुबह एक बघेरा घुसा तो हड़कंप मच गया। करीब तीन घंटे तक बघेरे ने वन विभाग की टीम को छकाया। आखिरकार बघेरे को शहर के कंपनीबाग में ट्रेंकुलाइज कर सरिस्का के जंगल में छोड़ दिया गया। बघेरा सुबह 8 बजे सुगनाबाई की धर्मशाला के पीछे गली में दिखा। लोगों ने शोर मचाया तो वह हनुमान जी की बगीची में बने खाली प्लॉट में छिप गया। सुबह 9.15 बजे वन विभाग की टीम वहां पहुंची तब तक बघेरा प्लॉट में ही छिपा रहा। सुबह 10.45 बजे कंपनी बाग जा पहुंचा। 11 बजे वन विभाग की टीम ने बघेरा को ट्रेंकुलाइज किया।

जोन 4 में रिद्धि और उसके शावकों के किए दीदार

रणथम्भौर : राज्यपाल ने देखी बाघों की अठखेलियां

सवाईमाधोपुर. रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में बाघ-बाघिन देखते राज्यपाल।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सवाईमाधोपुर. राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को परिवार सहित रणथम्भौर टाइगर रिजर्व का भ्रमण किया। उन्होंने जोन नंबर 4 में बाघिन रिद्धि व उसके शावकों की अठखेलियां देखी और अन्य वन्यजीवों को प्राकृतिक रूप से विचरण करते हुए देखकर आनंदित हुए।

जानकारी के अनुसार राज्यपाल सुबह करीब 11 बजे सवाईमाधोपुर पहुंचे और सीधे जोगी महल गए। यहां उन्होंने वन विभाग के चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट (सीसीएफ) अनूप के आर. और उप वन संरक्षक एवं उपक्षेत्र निदेशक प्रथम रामानंद भाकर से टाइगर रिजर्व में पर्यटन, वन्य जीवों की स्थिति तथा उनकी देखभाल, वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास सहित यहां चल रही विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली। साथ ही जोगी महल के इतिहास और स्थापत्य के संबंध में भी जानकारी ली। इस दौरान वे जोन चार में गए और बाघ-बाघिन सहित शावकों की अठखेलियां देखी।

कैंपस प्लेसमेंट निजी कंपनियां करेंगी जॉब ऑफर, युवाओं को किया जाएगा इंटरव्यू के लिए तैयार

संभागस्तर पर जनवरी में सरकारी कॉलेजों में लगेंगे रोजगार मेले

गौरव कुमार खण्डेलवाल
patrika.com

दौसा. प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या दूर करने के लिए राज्य सरकार अब सरकारी महाविद्यालयों में ही जॉब फेयर लगाकर युवाओं को नौकरी के अवसर उपलब्ध कराने जा रही है। इसकी शुरुआत नए साल के पहले माह से ही होगी। कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय फिलहाल संभाग स्तर के सात राजकीय महाविद्यालयों में रोजगार मेले का आयोजन करने जा रहा है। इसमें निजी कंपनियां कॉलेज कैम्पस में आकर विभिन्न पदों की योग्यता के अनुसार युवाओं का चयन कर जॉब ऑफर करेगी।

संभाग स्तर के कॉलेज में होने वाले जॉब फेयर में जिले के सभी राजकीय महाविद्यालयों के विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। इसके लिए विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन गूगल फॉर्म के माध्यम से होगा। जिले के रोजगार कार्यालय के सहयोग व समन्वय से यह आयोजन होगा।

फैक्ट फाइल

557 प्रदेश में राजकीय कॉलेज

13 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत

2.70 लाख ग्रेजुएट बेरोजगार युवा नेशनल कॅरियर सर्विस पोर्टल पर पंजीकृत

कैंपस सेल करेगी युवाओं को तैयार

सरकारी कॉलेजों में पढ़ने वाले युवाओं में आत्मविश्वास और मार्गदर्शन की कमी रहती है। ऐसे में कॉलेज के प्लेसमेंट व कॅरियर काउंसलिंग सेल जॉब फेयर के लिए युवाओं को तैयार करेगी। पंजीकृत विद्यार्थियों का बॉयोडेटा तैयार कराया जाएगा। पूर्व में मॉक इंटरव्यू का आयोजन कर विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, पर्सनेलिटी डवलपमेंट का विकास करने का प्रयास भी करना होगा।

इन कॉलेजों में लगेंगे जॉब फेयर

- एसपीसी राजकीय महाविद्यालय अजमेर
- एमएसजे राजकीय महाविद्यालय भरतपुर
- राजकीय डूंगर महाविद्यालय बीकानेर
- राजकीय महाविद्यालय जयपुर
- राजकीय महाविद्यालय जोधपुर
- राजकीय महाविद्यालय कोटा
- राजकीय मीना कन्या महाविद्यालय उदयपुर

युवाओं को मिलेगी बेहतर दिशा

राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुसार राजकीय महाविद्यालयों में जॉब फेयर का आयोजन जनवरी में होंगे। इसके लिए संभाग स्तर के सात महाविद्यालयों के प्राचार्यों को दिशा-निर्देश दिए हैं। कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के साथ ही युवाओं का भविष्य के लिए बेहतर दिशा मिल सकेगी।

ओमप्रकाश बैरवा, कमिश्नर, कॉलेज शिक्षा राजस्थान

स्त्री आज भी पति की उम्र बढ़ाने/सुरक्षित रखने को व्रत करती है। अर्द्धांगिनी बनकर जीना चाहती है। समाज में पति का प्रतिनिधित्व करती है, स्वयं का कभी नहीं करती। क्योंकि उसके प्राण पति के प्राण के साथ पति के शरीर में बसते हैं।

पति से जुड़ा स्त्री का दिव्य भाव

गुलाब कोठारी
प्रधान संपादक
पत्रिका समूह
@patrika.com

कुछ देश तो महिला को पदार्थ से अधिक महत्त्व देते ही नहीं हैं। जैसे मकान-कार जैसी सामग्री जुटाता है, बदलता रहता है, एक से अधिक को शान मानता है, वही हाल औरतों का है।

स्त्री की शक्ति कौन नाप सकता है, ईश्वर के अतिरिक्त! उसी की तो माया है वह। इन्द्र के क्षेत्र में तपस्वी, वरुण के क्षेत्र में उर्वशी भी। पानी की तरह रंग बदलती है- गिलास के साथ। वह तो फिर भी असंग, निराकार और निर्लेप रहती है। वह बाहर तो बहती है, प्रवाहमान है और भीतर चट्टान है। संकल्पवान है। भारत में तो आज भी उसकी दिव्यता प्रतिष्ठित है।

स्त्री आज भी पति की उम्र बढ़ाने/सुरक्षित रखने को व्रत करती है। अर्द्धांगिनी बनकर जीना चाहती है। समाज में पति का प्रतिनिधित्व करती है, स्वयं का तो कभी नहीं करती। क्योंकि उसके प्राण तो पति के प्राण के साथ पति के शरीर में ही बसते हैं। वही परिवार के संगठित स्वरूप की स्वामिनी है। वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम में तो पति लगभग स्त्रैण भाव में आने लग जाता है। स्त्री नेतृत्व संभालने लग जाती है। दोनों के भीतर का स्वरूप प्रकट होने लगता है।

स्त्री में एक अद्भुत शक्ति है- स्व-रूपान्तरण की। मानसिक स्तर का यह कार्य बड़ा दुरूह है। भारतीय विवाहिता का जीवन पति-आश्रित है। यदि दुर्भाग्यवश पति का देहावसान हो जाए, तो स्त्री निर्वीर्य हो जाती है। पति के उसके पिता एवं श्वसुर के सूत्रात्म प्राण भी उच्छिन्न हो जाते हैं। उसके पास पुनः विवाह का विकल्प तो होता है, किन्तु वह साधारण नारी की तरह पुरुष की सहचरी बनकर ही रह पाती है। पुनः कन्यादान के अभाव में नए पति के हृदय में उसके पिता के सूत्रात्म-प्राण प्रतिष्ठित नहीं हो पाते। आध्यात्मिक दृष्टि से वह पति की अर्द्धांगिनी नहीं बन पाती। दो शरीर दाम्पत्य भाव में रहते हैं। समाज में उसे पत्नी का पूरा सम्मान उपलब्ध रहता है।

कम वय में विधवा होने पर उसे संभ्रांत परिवारों

में पुनः विवाह का अवसर उपलब्ध हो जाता है। उच्च शिक्षा प्राप्त महिलाएं अपने विवेक से यह मार्ग निकाल तो लेती हैं, किन्तु कन्यादान शायद ही होता होगा। पुनः विवाह में माता-पिता कौन होंगे? प्राकृतिक माता-पिता अथवा सास-श्वसुर? मूल में सारा कार्य नए घर की स्वीकृति और व्यवस्था में ही होता है। वह लड़की सौभाग्यशाली मानी जाएगी जिसका पुनः कन्यादान हो सकेगा। यहां श्वसुर के प्राण (जो पूर्व पति में थे), वे ही नए पति के हृदय में प्रतिष्ठित हो जाएंगे। वह नए श्वसुर के प्राण उस दाम्पत्य भाव को दैविक पूर्णता प्रदान करेंगे। यह नए पति की प्राकृतिक अर्द्धांगिनी बन जाएगी।

नए जीवन की शुरुआत दिखाई तो सहज देती है, किन्तु स्त्री के लिए स्वयं को पुनः नए स्वरूप में तैयार करना- नए पति के लिए- सहज नहीं है। पहले उसने पीहर की पहचान छोड़ी। घर-आश्रय बदला- स्वयं को नए सांचे में ढाला। अब वह ढांचा भी टूट गया। तीसरे स्वरूप में ढालना होता है मन को–आत्मस्वरूप को। जो थी, उसे अब नहीं होना। जो नहीं थी, वैसी बनना है। एक मूर्ति को तोड़कर उसी पत्थर में दूसरी मूर्ति गढ़ना भी शायद उतना कठिन नहीं होगा। यह सहजता ही दिव्यता है। जहां रहती है, सब अपने हो जाते हैं। बाकी पराए हो जाते हैं। नए सिरे से नए लोगों के साथ सुरक्षा और अपनेपन का भाव पैदा करना स्त्री के लिए आसान नहीं है। नया परिवार, नई सन्तान, नए संस्कार, नया संसार।

जो स्थूल है, सहज है। सूक्ष्म स्तर पर देवासुर संग्राम होता है। परम्पराओं को बदलना सहज है, अभ्यास की बात है। संस्कार और निजी स्तर के सपने यूं ही नहीं बदल जाते। भीतर का बदलाव एक बड़े संकल्प और निरन्तरता के बिना नहीं होता। इस स्त्री के साथ अतीत की बेड़ियों का बड़ा भार होता है। एक ओर उनसे मुक्त होने का प्रयास तथा वहीं नई बेड़ियों में बंधने की स्वीकृति की अपेक्षाओं के बीच का द्वन्द्व झकझोर देता होगा। निजी जीवन के कई बोल समय-समय पर गूंजते हैं, कई चित्र उभरते रहते हैं, मिटते जाते हैं। भूकम्प-से झटके भी तो हिलाते रहते हैं, जीवन की नई नींव को।

नई अवस्था और व्यवस्था में सबसे कठिन कार्य है- जीवन के लक्ष्य को बदल पाना। पति के लक्ष्यों को समझना, उसके अनुसार स्वयं भीतर से तैयार होना, पुराने संकल्पों को समेटना, स्वयं का जीर्णोद्धार करना जैसे द्वन्द्वात्मक क्षेत्र उसके समक्ष रहते हैं। पति का वर्ण भी यदि दूसरा हो, कर्म भी भिन्न हो और समाज भी, तब तो संघर्ष और भी बड़ा हो जाता है। सम्प्रदाय भी दूर से धर्म जैसे दिखाई देने लगे। कट्टरता बढ़ रही है। भविष्य के लिए बच्चों को भी नए रूप से तैयार करना है। पुराने पति के बच्चों को अलग चिन्तन और परम्पराओं के अनुरूप ढाला होगा। यह समस्या तब और भी बड़ी लगती है, जब नए पति के साथ उसकी पुरानी पत्नी की सन्तानें भी रहती हों। स्त्री का शरीर ब्रह्म को यात्रा का मार्ग देने, उसका पोषण करने को बना है। उसके बाद वह मुक्त है। चूंकि उसकी मुक्ति पति की मुक्ति के साथ जुड़ी है, अतः वह भी अपने यज्ञ, तप और दान से पति के कर्मों की पूर्ति करते-करते विदा हो जाती है। यह भारतीय परिवेश में पली-बढ़ी स्त्री का जीवन है जबकि शीत प्रदेशों में, विकसित-पाश्चात्य देशों में उसका अलग रूप होता है। एक व्यक्ति के जीवन में प्रवेश करती है, उसे कुछ काल भोगती है और छोड़कर चली जाती है। व्यक्ति का घर नहीं बदलता। नारी अन्य पुरुष के घर में प्रवेश कर जाती है। छोड़ जाती है। इस प्रकार तीन, चार, पांच... बहता हुआ पानी है। घाट आते हैं,पीछे छूटते जाते हैं।

कुछ देश तो महिला को पदार्थ से अधिक महत्त्व देते ही नहीं हैं। जैसे मकान-कार जैसी सामग्री जुटाता है, बदलता रहता है, एक से अधिक को शान मानता है, वही हाल औरतों का है। कितने युद्ध, महायुद्ध हुए? उनके अन्त में महिलाओं की क्या दुर्दशा हुई- कबाड़ की तरह। कुछ लाख को तो मौत के घाट तक उतार दिया गया था।

gulabkothari@epatrika.com

काव्यांजलि...

सुखद बने पहचान

प्रियंका सौरभ

खिली-खिली हो जिंदगी, महक उठे अरमान।
आशा है नव साल की, सुखद बने पहचान॥

दर्द दुखों का अंत हो, विपदाएं हों दूर।
कोई भी न हो कहीं, रोने को मजबूर॥

छेड़ रही है प्यार की, मीठी-मीठी तान।
नए साल के पंख पर, खुशबू भरे उड़ान॥

बीत गया ये साल तो, देकर सुख-दुःख मीत।
क्या पता? क्या है बुना? नई भोर ने गीत॥

माफ करें सब गलतियां, होकर मन के मीत।
मिटे सभी की वेदना, जुड़े प्यार की रीत॥

जो खोया वह सोचकर, होना नहीं उदास।
जब तक सांसें हैं मिली, रख खुशियों की आस॥

पिंजड़े के पंछी उड़े, करते हम बस शोक।
जाने वाला जाएगा, कौन सके है रोक॥

पथ के शूलों से डरे, यदि राही के पांव।
कैसे पहुंचेगा भला, वह प्रियतम के गांव॥

रुको नहीं चलते रहो, जीवन है संघर्ष।
नीलकंठ होकर जीयो, विष तुम पियो सहर्ष॥

दुःख से मत भयभीत हो, रोने की क्या बात।
सदा रात के बाद ही, हंसता नया प्रभात॥

चमकेगा सूरज अभी, भागेगा अंधियारा।
चलने से कटता सफर, चलना जीवन सार॥

कहानी...

'शाबाश राहुल, आज सभी ने यह शिक्षा प्राप्त की है कि स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन। आप सभी को हैप्पी न्यू ईयर।' राहुल भैया के नेतृत्व में आज पूरी टीम उत्सव मनाने के साथ-साथ एक शिक्षा लेकर घर की ओर प्रस्थान कर रही थी।

हैप्पी न्यू ईयर

सुरेन्द्र कौर खंडूजा

आज दीपक भैया पूरी टीम को एकत्र करके बोले-'न्यू ईयर में पिकनिक कौन कौन जाना चाहता है?'

'भैया हम सभी चलेंगे।' सभी बच्चों ने समवेत स्वर में कहा।

'तो सभी तैयारी कर लें, हम सुबह आठ बजे निकलेंगे। अपना लंच सब घर से ही बना कर लाएंगे।'

'ओके भैया।' सभी बच्चों ने उत्तर दिया।

दीपक भैया जिस कॉलोनी में रहते हैं, वहां लगभग दस बारह बच्चे कम उम्र के भी रहते हैं। उनकी समस्याओं के समाधान के लिए दीपक भैया, कोचिंग सेंटर बताने के लिए दीपक भैया, खेलों में मार्गदर्शन देने के लिए दीपक भैया। अर्थात दीपक भैया इन बच्चों के लिए ऑल राउंडर हैं।

शहर के पास ही घोघरा जलप्रपात के पास पिकनिक मनाना तय किया गया। निर्धारित समय पर सब बच्चे दीपक भैया के नेतृत्व में निर्दिष्ट स्थान की ओर रवाना हो गए। दीपक भैया के साथ दो बड़े बैग थे। राहुल ने पूछा-'भैया इस बैग में क्या है?'

'यह पिकनिक स्पॉट पर जाकर पता लगेगा।' दीपक भैया ने उत्तर दिया।

पिकनिक स्पॉट पर पहुंच कर सभी बच्चे वहां की हरियाली, झरने, मनोहारी दृश्य का अवलोकन करने लगे। कुछ जलाशय के पानी में पैर डालकर बैठ गए, कुछ चट्टानों के ऊपर बैठ कर सेल्फी लेने लगे।

'बच्चों कैसा लगा यह स्पॉट?'

'बहुत सुंदर है भैया।' बच्चों ने उत्तर दिया।

'तुम्हें यहां सबसे सुंदर क्या दिख रहा है?'

'भैया झरना बहुत सुंदर है।'

'नहीं भैया वह ऊंची ऊंची चट्टानें बहुत सुंदर हैं।'

'जल प्रपात सुंदर है।' सभी बच्चों ने अपने-अपने दृष्टिकोण से उत्तर दिया।

'आप सभी को कुछ और नजर नहीं आ रहा?'

बच्चे शांत हो गए। उन्हें भैया का प्रश्न समझ नहीं आया।

'बच्चों अपने पैरों के पास दाएं, बाएं की जमीन देखो।'

बच्चों ने देखा जमीन पर खाली पानी की बोतलें, नमकीन के खाली पॉलिथीन,चॉकलेट के रैपर, मूंगफली के छिलके चारों ओर बिखरे पड़े हैं।

'क्या हम यहां बैठ कर खाना खा सकते हैं?'

'नहीं भैया।' सभी ने एक साथ उत्तर दिया।

'तो चलो मेरा बड़ा वाला बैग खोलो।'

दीपक ने उस बैग से ग्लव्स निकाल कर सभी बच्चों को पहनने को दिए। एक बड़ा बैग पेड़ के नीचे रख दिया और निर्देश दिया कि यह सारा कचरा इस बैग में डालते जाओ। लगभग आधे घंटे में बच्चों ने सारा कचरा बैग में भर दिया।

इसके पश्चात एक सघन पेड़ के नीचे दरी बिछाकर सबने खाना खाया। दीपक भैया ने सबको स्नेह से देखते हुए कहा कि -'आज आप सभी ने नववर्ष का आनंद तो लिया और क्या सबक सीखा ?'

'भैया हमें अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना है, कचरा नहीं फैलाना है और सफाई के लिए सामूहिक प्रयास करना है, यह किसी एक व्यक्ति के बस की बात नहीं है।'

'शाबाश राहुल, आज सभी ने यह शिक्षा प्राप्त की है कि स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन। आप सभी को हैप्पी न्यू ईयर।'

राहुल भैया के नेतृत्व में आज पूरी टीम उत्सव मनाने के साथ-साथ एक शिक्षा लेकर घर की ओर प्रस्थान कर रही थी।

दिल से...

मांगी माफी

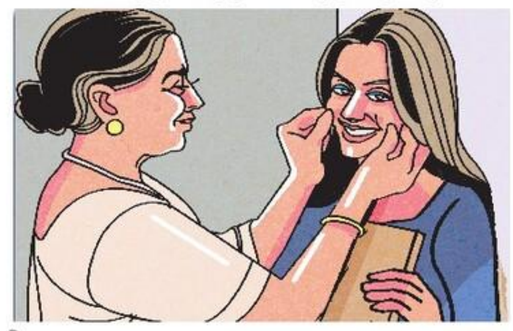

मेरी मां उमरावदेवी के विद्यार्थी जीवन की घटना है। उनकी शिक्षिका दाखबाई पूरी निष्ठा से अध्यापन करवाती थीं। एक बार गणित की कक्षा चल रही थी। सभी छात्र-छात्राओं को पहाड़े लिखने के लिए दिए गए। छात्रा उमराव ने बिना किसी काट-छांट के सुंदर लिखावट में पहाड़े लिखे और विनयपूर्वक अध्यापिका को दिखाए। जल्दबाजी में पहाड़ों को गलत बताकर अध्यापिका ने उमराव को थप्पड़ लगा दी। उमराव ने धीरज नहीं खोया। एक तरफ होकर वहीं खड़ी-खड़ी पुनः पहाड़ों का अवलोकन किया। उसने देखा, सारे पहाड़े पूरी तरह से सही हैं। उमराव ने अध्यापिका से पहाड़ों को पुनः जांचने का विनयपूर्वक अनुरोध किया। अध्यापिका ने ध्यानपूर्वक पहाड़ों को देखा। अध्यापिका को अपनी गलती का बहुत खेद हुआ। विद्यार्थियों की मौजूदगी में अध्यापिका ने उमराव से माफी मांगी।

प्रायश्चित्त स्वरूप स्वयं के हाथों से स्वयं के थप्पड़ लगाया। उमराव को शाबाशी दी। उसके बाद अध्यापिका ने किसी विद्यार्थी को थप्पड़ नहीं लगाई। उमराव ने तीस तक पहाड़े कंठस्थ किए। धन्य है वो अध्यापिका तथा उनकी छात्रा जिन्होंने सत्य, साहस और क्षमा को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। - डॉ. दिलीप धींग

अपने अनुभव साझा करें

हमारे साथ बांटिए रोचक अनुभव और प्रेरक प्रसंग। चयनित अनुभव को प्रकाशित किया जाएगा। आपकी रोचक याद या आपसे जुड़ा प्रेरक प्रसंग हमें 250 शब्दों में लिखकर वाट्सऐप या ईमेल करें।
parivar@epatrika.com

लघुकथा...

नया साल

नए साल की किट्टी चल रही थी, सभी सखियां खूब सज संवर कर आई थीं। बातों ही बातों में नए साल में संक्रांति के पर्व पर किसी सामाजिक संस्था में दान देने की बात भी हो रही थी। रीमा ने अपना घर भी बहुत सुंदर सजाया था। रीमा का घर देखकर सभी ने पूछा, तुम्हारा घर इतना सुंदर किसने सजाया? रीमा बोली,मेरी कामवाली बाई काशी है न , उसी ने सजाया है, वो तो उसके पति की तबीयत खराब है इसलिए वो अभी तक नहीं आई। इतने में काशी आ गई तो सभी ने पूछा काशी तेरे पति को क्या हुआ? सहमी सी काशी बोली, कैंसर है..लेकिन मेरे पास इलाज के पैसे नहीं है।

काशी के जाते ही रीमा सखियों से बोली, हम दान करने की बात कर रहे हैं, क्यों न काशी की ही सहायता की जाए। रीमा और सब सखियों ने कहा इससे बेहतर नए साल का सेलिब्रेशन नहीं हो सकता। हम सब काशी को पैसा देंगे। सहमी सी खड़ी काशी के आंख से अश्रु धारा बह रही थी। वह बोली सही मायने में नया साल तो मेरे जीवन में आया है। - रश्मि वैभव गर्ग

देश की पहली महिला अशोक चक्र से सम्मानित

जान देकर बचाई कई यात्रियों की जिंदगी

नीरजा भनोट

नीरजा की उम्र मात्र 22 वर्ष की थी जब उन्होंने अपनी जान देकर अपने विमान में सवार 360 यात्रियों की जिंदगी बचाई थी। हाईजैक यानी मृत्यु की तारीख से ठीक दो दिन बाद 7 सितंबर को उनका जन्म दिन था। उनके इस हौसले पर भारत सरकार ने उन्हें अशोक चक्र से नवाजा था। अशोक चक्र पाने वाली पहली और सबसे कम उम्र की महिला थीं। नीरजा की बहादुरी को देखते हुए उन्हें तमगा-ए-इंसानियत का खिताब भी दिया है। वहीं अमरीकी सरकार ने भी नीरजा के नाम पर हीरोइन ऑफ हाईजैक और 2005 में जस्टिस फॉर क्राइम अवॉर्ड का खिताब दिया था।

नीरजा मूल रूप से चंडीगढ़ की थीं। वैसे तो नीरजा भनोट को मॉडलिंग का काफी शौक था पर वे मूल रूप से एयरहोस्टेस थीं।

मुंबई से 5 सितंबर 1986 को उड़ान भरने वाली फ्लाइट में उनकी ड्यूटी थी। उसे आतंकियों ने हाइजैक कर लिया था। न्यूयॉर्क जाने वाला यह विमान पाकिस्तान के कराची शहर में हाईजैक हुआ था। तब अपने हौंसले और वीरता से नीरजा ने आतंकियों का सामना किया और इमरजेंसी डोर खोलकर यात्रियों की जान बचाई थी। इस प्रयास में उनकी जान चली गई थी।

कराची के जिन्ना एयरपोर्ट पर फ्लाइट लैंड हुई तो कुछ यात्री उतरे, कुछ आगे की यात्रा के लिए सवार हुए। पायलट ने टेकऑफ की तैयारी शुरू की। इसी बीच धड़धड़ाते हुए चार आतंकी विमान में दाखिल हो गए। अब प्लेन में चार आतंकी, 360 यात्री और क्रू मेंबर समेत 379 लोग सवार थे। इन्हीं क्रू मेंबरों में से एक थीं नीरजा भनोट। नीरजा के पास मौका था कि वह भाग सकें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। आतंकी अमरीकी नागरिकों को ढूंढ रहे थे।

उन्होंने नीरजा को अमरीकी नागरिकों को लाने के लिए कहा। जब नीरजा से पासपोर्ट इकट्ठे करने के लिए कहा तो उन्होंने अमरीकी नागरिकों के पासपोर्ट छिपा दिए और बाकी आतंकियों को थमा दिए। जब आतंकियों ने देखा कि विमान में कोई अमरीकी यात्री नहीं है, तो उनका पारा चढ़ गया। आतंकियों ने अथॉरिटी से बात करते हुए 17 घंटे बिताए। प्लेन में कुछ बच्चे भी थे, जिनकी तबीयत बिगड़ रही थी।

नीरजा भनोट ने मौका पाया और उन बच्चों को लेकर इमरजेंसी डोर की तरफ भागीं। आतंकियों ने जब ये देखा तो बच्चों पर बंदूक तान दी। नीरजा सामने आईं और अपनी पीठ पर आतंकियों की गोली खाई। घायल अवस्था में ही उन्होंने विमान का इमरजेंसी डोर खोल दिया।

इमरजेंसी गेट से वह यात्रियों को बाहर निकालती रहीं। आतंकियों ने भी गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें 100 से अधिक लोग घायल हुए। 18-19 लोगों की मौत हो गई, लेकिन तकरीबन 360 लोग सकुशल बच गए।

बोधकथा

लगाम

एक राजा अपने पुत्र को अपना राजपाट सौंपना चाहते थे। पुत्र गुणवान और बुद्धिमान था लेकिन वो अपने इन गुणों से अवगत नहीं था और कोई भी काम मन से नहीं करता था।

राजा परेशान था कि ये कैसे इतने बड़े राजपाट को संभाल पाएगा।

ये बात राजा ने अपने कुलगुरु

को बताई। दूसरे दिन गुरुदेव ने राजकुमार को बुलाया और कहा, चलो आज तुम मेरे साथ भ्रमण पर चलो। राजकुमार उनके घोड़े पर बैठ गया।

थोड़ी दूर जाते ही गुरुदेव ने अपने घोड़े की लगाम छोड़ दी और घोड़ा इधर उधर जाने लगा। राजकुमार बोला, गुरुदेव घोड़े की लगाम पकड़ो तभी तो आगे बढ़ पाएंगे वरना भटकते रहेंगे। गुरुदेव बोले, राजकुमार यही मैं आपको समझाना चाहता हूं।

आप भी अपने मन की लगाम को पकड़ो और अपनी एक दिशा तय करो। तभी आप एक महान राजा बन सकते हो। यह बात सुनते ही राजकुमार सारी बात समझ गया।

- तारावती सैनी 'नीरज'

माइंड गेम...

प्रत्यय तलाशिए

प्रत्यय शब्दों के अंत में जुड़कर शब्दों का अर्थ बदल देते हैं, हालांकि उनका खुद का कोई अर्थ नहीं होता। नीचे दिए शब्दों के मूल धातु और उनमें जुड़े प्रत्ययों को तलाशिए। उत्तर अंत में है।

1.माननीय	5.छलिया	9.ऐच्छिक	13.लुटैया	17.खिलौना
2.पठन	6.ढोलकी	10.बहुतायत	14.भाग्यवान	18.व्यावहारिक
3.सिलाई	7.भारी	11.सेठानी	15.पठित	19.सुखिन
4.पुष्पित	8.इच्छुक	12.पंडिताइन	16.हरि	

1.मान+नीय 2.पठ+अन 3.सिल+आई 4.पुष्प+इत 5.छल+इया 6.ढोलक+ई 7.भार+ई 8.इच्छ+उक 9.ऐच्छ+इक 10.बहुत+आयत 11.सेठ+आनी12.पंडित+आइन 13.लुट+ऐया 14.भाग्य+वान 15.पठ+इत 16.हर+इ 17.खेल+औना 18.व्यवहार+इक 19.सुख+इन।

नया साल, नई उमंगे : 2025 में एथलेटिक्स और क्रिकेट सहित कई बड़े टूर्नामेंटों की मेजबानी करेगा भारत

दुनिया देखेगी हमारी मेहमाननवाजी...

2036 ओलंपिक की मेजबानी के दावे को मिलेगा बल

स्पोर्ट्स डेस्क @ पत्रिका. साल 2024 खेलों के लिहाज से भारत के लिए खट्टे-मीठे अनुभव वाला रहा। पेरिस ओलंपिक में भारत ने जहां छह पदक जीते, वहीं विनेश फोगाट को अयोग्य घोषित किए जाने पर स्वर्ण हाथ से फिसलने की टीस भी रही। क्रिकेट में रोहित शर्मा की ब्रिगेड ने टी-20 विश्व कप जीत वनडे विश्व कप की हार का गम कम किया तो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 1-2 से पिछड़ने का मलाल भी रहा। लेकिन कहते हैं ना बीती बातें भूल कर आगे बढ़ना चाहिए। 2025 में भारत को कई बड़े टूर्नामेंटों की मेजबानी करनी है, जिनके सफल आयोजन से भारत के 2036 में ओलंपिक मेजबानी के दावे को मजबूती मिलेगी।

आइसीसी महिला वनडे विश्व कप

भारत चौथी बार महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी करने जा रहा है। यह आयोजन सितंबर-अक्टूबर में होगा। भारत ने इससे पहले 1978, 1997 और 2013 में महिला विश्व कप की मेजबानी की है। हालांकि इस बार भारत और पाकिस्तान के बीच हाई-प्रोफाइल मैच तटस्थ स्थल पर खेला जाएगा। बीसीसीआइ और आइसीसी के बीच हुए समझौते के तहत ऐसा होगा।

जूनियर शूटिंग विश्व कप

भारत में इस साल निशानेबाजी का भी एक बड़ा इवेंट होगा। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को जूनियर शूटिंग विश्व कप की मेजबानी सौंपी है। हालांकि अभी इसकी तारीख घोषित नहीं की गई है। संभावना है कि यह विश्व कप सितंबर-अक्टूबर या फिर अक्टूबर-नवंबर में हो सकता है। भारत 10 साल में नौंवी बार किसी विश्व कप की मेजबानी करेगा।

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप

दिल्ली में 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक विश्व के सबसे बड़े पैरा स्पोर्ट्स इवेंट पैरा एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन होगा। टूर्नामेंट जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में होगा। चैंपियनशिप का यह 12वां संस्करण होगा।

भारत एशिया का चौथा देश : भारत विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला एशिया का चौथा देश बनेगा। इस इवेंट के जरिए भारत के पास अपनी मेहमाननवाजी पूरी दुनिया को दिखाने का अच्छा मौका होगा। इससे पहले भारत ने 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। इससे पहले भारत को वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री की जिम्मेदारी भी दी गई है जो कि 11 से 13 मार्च तक होगी।

खो-खो विश्व कप

खो-खो विश्व कप के उद्घाटन संस्करण की मेजबानी भारत करने जा रहा है। 13 से 19 जनवरी तक होने वाले इस विश्व कप में पुरुष वर्ग में 20 और महिला वर्ग में 19 टीमें शिरकत करेंगी। इस इवेंट का आयोजन भी दिल्ली में होगा।

चेहरे वही, उम्मीदें नई

विश्व एथलेटिक्स में खिताब बचाने उतरेंगे नीरज

जापान के टोक्यो में 13 से 21 सितंबर तक विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। इस इवेंट में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद एक बार फिर भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा होंगे। नीरज विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। यह इस साल की सबसे बड़ी ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिता होगी। दक्षिण कोरिया में 27 मई से एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप भी बड़ा इवेंट है।

क्रिकेट में बादशाहत कायम करने का मौका

साल 2025 में भारत के पास पुरुष, महिला और जूनियर क्रिकेट में दबदबा कायम करने का मौका रहेगा।

चैंपियंस ट्रॉफी
19 फरवरी से 09 मार्च

पाकिस्तान की मेजबानी में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी। टीम की निगाहें 11 साल बाद फिर चैंपियन बनने पर होगी। भारतीय टीम ने आखिरी बार 2013 में ट्रॉफी जीती थी।

महिला विश्व कप
अगस्त से सितंबर

भारतीय महिला वनडे टीम को अपने घर में खेलने का बेहतरीन मौका मिलेगा। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम की नजरें पहली बार चैंपियन बनने और घर में यह खिताब जीत कर इतिहास रचने पर होगी।

अंडर-19 विश्व कप
18 जनवरी से 02 फरवरी

आइसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप में भारतीय लड़कियों की नजरें खिताब बचाने और लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने पर होंगी। मलेशिया में होने जा रहे इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कप्तानी निक्की प्रसाद करेंगी।

बैडमिंटन

लक्ष्य और सिंधू के पास विश्व चैंपियन बनने का अवसर

पेरिस में 25 से 31 अगस्त तक बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप का आयोजन होगा। इसमें पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन पर उम्मीदों का दारोमदार होगा। इन दोनों की नजरें पहली बार विश्व चैंपियन बनने और इतिहास बनाने पर होंगी।

विश्व ब्लिट्ज शतरंज फाइनल्स : हंपी बाहर

भारत की आर वैशाली क्वार्टरफाइनल में पहुंची

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

न्यूयॉर्क. भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप महिला वर्ग में क्वालीफायर राउंड जीतकर अंतिम-8 में जगह बना ली है। कोनेरू हंपी के शानदार प्रदर्शन के बाद वैशाली ने अपने खेल से प्रशंसकों का दिल जीता। उन्होंने महिला वर्ग में 11 में से 9.5 अंक लेकर बाजी मारी। रूस की कैटरीना लागनो के 8.5 अंक रहे, जबकि बाकी छह क्वालीफायर के आठ अंक रहे। हंपी टाइब्रेकर के कारण नौवें स्थान पर रहकर बाहर हो गईं। अब वैशाली का सामना चीन की झू जिनेर से होगा।

आर. वैशाली

कार्लसन संयुक्त शीर्ष पर: कार्लसन ने 13 में से 6 मुकाबले ड्रॉ खेले और क्वालीफायर के बाद संयुक्त शीर्ष पर रहे। रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि ने 9.5 अंक के साथ क्वालीफायर जीता। भारत का कोई खिलाड़ी शीर्ष आठ में नहीं पहुंचा।

खो-खो विश्व कप : महिलाएं द.कोरिया से भिड़ेंगी

भारत का पहला मैच नेपाल से

नई दिल्ली @ पत्रिका. यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाले खो-खो विश्व कप में भारत अपने अभियान का आगाज क्रमशः नेपाल और दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच से करेगा। भारत की पुरुष टीम 13 जनवरी को नेपाल से व महिला टीम 14 को दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी।

शीर्ष दो टीम पहुंचेंगी नॉकआउट में : टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाले दो टीमें नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। पुरुष वर्ग में भारत, नेपाल, पेरू, ब्राजील व भूटान ग्रुप-ए में हैं। वहीं महिलाओं में भारत, द.कोरिया, ईरान और मलेशिया ग्रुप-ए में हैं।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7212...

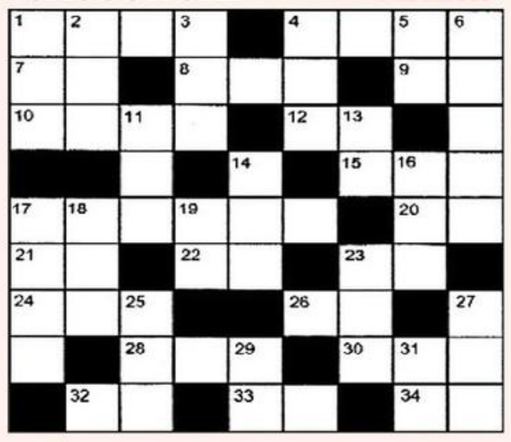

बाएं से दाएं... 1. कानून के रूप में बने हुए मौलिक नियम और सिद्धान्त (4), 4. वस्तु आदि की लंबाई-चौड़ाई-ऊं चाई आदि (4), 7. बात (2), 8. चंदन, गंधसार (3), 9. सहित, समेत (2), 10. पूर्व निश्चित (2-2), 12. पेंदा (2), 15. तरुणाई, यौवन (3), 17. प्रभावी, गुणग्राही (6), 20. मूल्य, कीमत,चौखट (2), 21. कानन, जंगल (2), 22. पानी, नीर (2), 23. वित्त (2), 24. शक्ति, बल (3), 26. देवस्थान (2), 28. इच्छा, अभिलाषा (3), 30. मूल्यवान, बहुमूल्य (3), 32. दण्ड (2), 33. नशा, खाता शीर्ष (2), 34. उद्घोष (2)

ऊपर से नीचे... हल 7211

1. सोहबत, साथ (3), 2. मिलन, अंत, प्रलय (3), 3. गलीचा (3), 4. समकोण चतुर्भुज (3), 5. अंधेरा (2), 6. आंसू, अश्रु, अश्क (3-2), 11. गिनती, गणना (3), 13. शर्म, हया (2), 14. आसान, सुगम (3), 16. बजाना (3), 17. ईश्वर का मनुष्य के रूप में जन्म लेना (4), 18. धुन, खब्त (3), 19. कार्य, काम (2), 23. घुड़की (3), 25. उधार की रकम मांगना (3), 27. तरबूज (3), 29. वस्तु, प्राणी आदि का बोध सूचक शब्द (2), 31. ना, इनकार (2)

SUDOKU 6947...

				9				
			2					1
8		9	5				2	
9			4		8			
	4	2					1	6
3	6							
7			3		5			9
				2		5		4
1								

हल 6946

6	4	9	7	5	8	1	3	2
5	1	2	4	6	3	8	7	9
3	7	8	1	2	9	6	4	5
7	2	5	3	4	1	9	6	8
1	6	3	8	9	5	4	2	7
8	9	4	2	7	6	5	1	3
9	5	1	6	3	7	2	8	4
2	8	7	9	1	4	3	5	6
4	3	6	5	8	2	7	9	1

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का पोल

क्या भारतीय टीम सिडनी टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर करा पाएगी?

YES NO

हमारे एक्स/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

मंगलवार का जवाब

हां 90% नहीं 10%

पिछला सवाल: क्या भारतीय कप्तान रोहित शर्मा सिडनी टेस्ट के बाद संन्यास लेंगे?

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस : रेनाटा को दी शिकस्त

सबालेंका ने आसान जीत से किया नए सीजन का आगाज

आर्यना सबालेंका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ब्रिस्बेन. विश्व नंबर एक महिला एकल खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में जीत के साथ अपने सीजन का शानदार आगाज किया। सबालेंका ने महिला एकल के पहले दौर में मैक्सिको की रेनाटा जाराजुआ को 6-4, 6-0 से शिकस्त दी। वहीं टूर्नामेंट में सातवीं वरीयता प्राप्त येलेना ओस्तापेंको पहले ही दौर में उलटफेर का शिकार हो गईं, उन्हें मैरी बुजकोवा ने 6-7, 6-4 से हराया। ओंस जेब्बोर भी अंतिम-16 का टिकट कटाने में सफल रहीं।

जोकोविच की आसान जीत: पुरुष एकल में शीर्ष वरीय सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने रिंकी हिजिकाटा को आसानी से 6-3, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। फ्रांसेस टियाफो व गेल मोंफिल्स भी दूसरे दौर का टिकट कटाने में सफल रहे।

विजय हजारे ट्रॉफी : पंजाब ने सौराष्ट्र को 57 रन से हराया

अभिषेक-प्रभसिमरन ने 298 रन जोड़कर दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी की

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा (170) और प्रभसिमरन सिंह (125) ने विजय हजारे ट्रॉफी के मंगलवार को खेले गए मैच में ओपनिंग साझेदारी में 298 रन जोड़ रेकॉर्ड बुक में नाम दर्ज कराया। अभिषेक और प्रभसिमरन ने घरेलू क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी की। उन्होंने 2022 में बंगाल के सुदीप घरामी व अभिमन्यु ईश्वरन के रेकॉर्ड की बराबरी की। इस मैच में पंजाब ने सौराष्ट्र को 57 रन से हराया।

पंजाब नौवीं टीम: पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 424 रन बनाए। इसके साथ ही पंजाब टूर्नामेंट इतिहास में 400 रन का स्कोर पार करने वाली नौवीं टीम बन गया। जवाब में सौराष्ट्र की टीम 50 ओवर में 367 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रेकॉर्ड तमिलनाडु के एन जगदीसन व बी साई सुदर्शन (416 रन) के नाम है।

तूफानी पारी
अभिषेक शर्मा
96 गेंद, **170 रन,**
22 चौके, 8 छक्के
प्रभसिमरन सिंह
95 गेंद, **125 रन,**
11 चौके, 8 छक्के

पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा अपनी शतकीय पारी के दौरान।

राजस्थान की जीत में महिपाल का शतक

मुंबई @ पत्रिका. कप्तान महिपाल लोमरोर (नाबाद 108) और कार्तिक शर्मा (53) की शानदार पारियों से राजस्थान ने ग्रुप-बी मैच में सेना को 5 विकेट से हरा दिया। सेना ने 47.5 ओवर में 232 रन बनाए। राजस्थान के कमलेश नागरकोठी ने 42 पर 4, राहुल चाहर ने 53 पर 3, दीपक चाहर ने 49 पर 2 और अनिकेत चौधरी ने 44 रन देकर एक विकेट लिया। जवाब में राजस्थान ने 46 ओवर में 5 विकेट पर 233 रन बनाकर मैच जीत लिया।

लिस्ट-ए क्रिकेट

आयुष ने तोड़ा यशस्वी का रेकॉर्ड

अहमदाबाद@ पत्रिका. मुंबई के आयुष म्हात्रे (181 रन) विजय हजारे ट्रॉफी मैच के दौरान लिस्ट-ए क्रिकेट में 150 से अधिक रन बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने यशस्वी जयसवाल को पीछे छोड़ा। म्हात्रे ने 17 साल और 168 दिन की उम्र में यह रेकॉर्ड बनाया। यशस्वी ने 2019 में 17 साल और 291 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

सम्मान

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुमराह को बनाया बेस्ट टीम का कप्तान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सिडनी. बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के कारण भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को साल की अपनी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम का कप्तान चुना, जबकि युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल को भी टीम में जगह दी। बुमराह इस साल 13 मैच में 14.92 की औसत से 71 विकेट लेकर 2024 में टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। टीम में एलेक्स कैरी और जोश हेजलवुड के रूप में दो ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को जगह मिली है। इंग्लैंड के बेन डकेट, जो रूट और हैरी ब्रूक, न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और मैट हेनरी, श्रीलंका के कामिंडु मेंडिस और दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज को भी टीम में जगह मिली है।

इंग्लिश प्रीमियर लीग // रेलिगेशन की दहलीज पर खड़ा लीग का शीर्ष फुटबॉल क्लब, न्यूकैसल यूनाइटेड ने पहले 19 मिनट में दो गोल कर मेजबान को 2-0 से हराया

45 साल में पहली बार घर में लगातार तीन मैच हारा मैनचेस्टर यूनाइटेड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मैनचेस्टर. इंग्लैंड के शीर्ष क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए साल 2024 अच्छा नहीं रहा। टीम ने इस सीजन सभी टूर्नामेंटों में निराशाजनक प्रदर्शन किया। इंग्लिश प्रीमियर लीग के सोमवार देर रात खेले गए मैच में मैनचेस्टर यूनाइटेड को अपने घरेलू मैदान पर न्यूकैसल यूनाइटेड के हाथों 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर यह मैनचेस्टर यूनाइटेड की लगातार तीसरी हार है जो कि घरेलू मैदान पर 45 साल में उसका सबसे निराशाजनक प्रदर्शन है। इस हार के बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड पर प्रीमियर लीग से रेलिगेट होने का खतरा मंडरा रहा है।

1970 के बाद घरेलू मैदान पर *सबसे खराब प्रदर्शन*

04 मैच *लगातार हारे* मैनचेस्टर यूनाइटेड ने

09 मैच हारी है टीम इस सीजन लीग के 19 मैचों में से

52 साल में दूसरी बार दी मात

न्यूकैसल यूनाइटेड ने 1972 के बाद ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर मेजबान मैनचेस्टर यूनाइटेड को महज दूसरी बार हराया है। न्यूकैसल ने चौथे ही मिनट में एलेक्जेंडर इसाक के शानदार गोल से मेजबान पर 1-0 की बढ़त बना ली। जोएलिंतोन ने 19वें मिनट में दूसरा गोल कर न्यूकैसल को 2-0 की बढ़त दिला दी जो अंत तक कायम रही।

एमोरिम भी नहीं बदल सके टीम की किस्मत मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इस सीजन के बीच में नए मैनेजर रूबेन एमोरिम से करार किया था। लेकिन वे भी टीम की किस्मत नहीं बदल सके और उनके आने के बाद से टीम ने 11 में से छह मैच गंवाए हैं। टीम रेलिगेशन जोन से चार स्थान ही ऊपर हैं। ऐसे में उन्हें शेष सीजन में शानदार प्रदर्शन करना होगा।

न्यूकैसल यूनाइटेड के एलेक्जेंडर इसाक (बाएं) ने चौथे ही मिनट में कुछ इस अंदाज में किया गोल।

आस्था का उत्सव: महाकुंभ के लिए सजी संगम नगरी, श्रद्धालुओं के लिए टेंट सिटी बनकर तैयार

प्रयागराज. महाकुंभ की तैयारियां लगभग अंतिम चरण में है। संगम नगरी में साधु संत और अतिथियों के लिए सजी टेंट सिटी। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक मेले में 45 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

डिजिटल महाकुंभ

रेलकर्मी की जैकेट पर लगा क्यूआर कोड स्कैन करने से बनेगा टिकट

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. महाकुंभ के श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे नए प्रयोग कर रहा है। प्रयागराज जंक्शन पर हरे रंग की जैकेट पहन कर रेलकर्मी विशेष ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। उनके जैकेट पर लगे क्यू आर कोड को स्कैन कर कोई भी श्रद्धालु अनारक्षित टिकट बुक कर सकेगा। डिजिटल भुगतान के माध्यम से टिकट बुकिंग की इस प्रक्रिया से समय की बचत के साथ महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को परेशानी से निजात दिलाएगी।

तत्काल बुकिंग के समय वेबसाइट ठप

नई दिल्ली @ पत्रिका. रेलवे टिकटों की तत्काल बुकिंग के समय मंगलवार को आइआरसीटीसी की वेबसाइट ठप होने से लोगों ने परेशानी झेली। साइट पर मैसेज था कि मैंटेनेंस के कारण बुकिंग व कैंसिलेशन सेवा एक घंटे के लिए उपलब्ध नहीं है। 26 और नौ दिसंबर को भी यह समस्या पैदा हुई थी।

विडंबना: पुलिस-आइटी-कोर्ट में लगाने पड़े चक्कर

दाऊद की संपत्ति खरीदी, 23 साल बाद मिला मालिकाना हक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. मुंबई हमलों के भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम की नीलामी में संपत्ति खरीदने वाले हेमंत जैन को आखिर 23 साल बाद मालिकाना हक मिला। जैन को संपत्ति रजिस्टर्ड करवाने के लिए, आयकर विभाग, पुलिस और कोर्ट के चक्कर लगाने पड़े और प्रधानमंत्री कार्यालय को कई चिट्ठियां लिखनी पड़ीं।

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद निवासी जैन ने 2001 में जयराज भाई की गली स्थित दाऊद की 144 वर्ग फीट की दुकान आयकर विभाग से नीलामी में दो लाख रुपए में खरीदी थी लेकिन मालिकाना हक के लिए उसकी रजिस्ट्री नहीं हो पाई और सरकारी अधिकारी टालमटोल करते रहे। शुरू में आयकर विभाग के अधिकारियों ने सहयोग नहीं किया तो पीएमओ को कई पत्र लिखने पड़े। वहां से फाइल निकली तो रजिस्ट्री ऑफिस में फाइल गुम हो गई। इसके लिए अधिकारियों और पुलिस ने सहयोग नहीं किया तो उन्हें अदालत में जाना पड़ा। अंततः दुकान उनके नाम दर्ज हो गई। हेमंत अगले माह दुकान का कब्जा लेंगे।

पत्रिका पोल

Q क्या बांग्लादेश में बदलता घटनाक्रम अंतरिम सरकार के लिए खतरा है?

कल का सवाल था
क्या भारत में उच्च शिक्षा पर सार्वजनिक क्षेत्र के बजट को बढ़ाने की आवश्यकता है?

जवाब
95% हां 05% नहीं

क्यूआर कोड स्कैन करें...

बिहार में राजनीतिक सरगर्मी तेज, दिल्ली से लौटकर राज्यपाल से मिले सीएम नीतीश
बिहार की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

कुंभनगरी में गूंजी किलकारी, बेटे का नाम 'कुंभ' और बेटी का नाम 'गंगा' रखा
उत्तर प्रदेश की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

केरल वायनाड भूस्खलन प्राकृतिक आपदा

तिरुवनंतपुरम @ पत्रिका. केंद्र सरकार ने सोमवार को वायनाड भूस्खलन को 'गंभीर प्राकृतिक आपदा' घोषित किया है। इस आपदा में 254 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 128 अब तक लापता हुए। वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने फैसले का स्वागत करते हुए एक्स पर लिखा, मुझे खुशी है गृहमंत्री अमित शाह ने इसे प्राकृति आपदा घोषित किया। इससे पुनर्वास में मदद मिलेगी, यह निश्चय ही सही दिशा में उठाया गया कदम है।

कर्नाटक उथप्पा को मिली हाईकोर्ट से राहत

बेंगलूरु @ पत्रिका. पीएफ धोखाधड़ी मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा के गिरफ्तारी जारी वारंट पर अस्थायी रोक लगा दी। जस्टिस सूरज गोविंदराज की अगुवाई वाली बेंच ने वारंट और पीएफ मामले से संबंधित सभी कार्रवाइयों पर अंतरिम रोक लगा दी।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

कुवैत सीरिया को भेजी मानवीय सहायता

कुवैत सिटी @ पत्रिका. असद सरकार के पतन के बाद कुवैत ने पहली बार सीरिया के लिए मानवीय सहायता लेकर विमान भेजा है। इसमें 20 टन भोजन के साथ टेंट और कंबल भेजे गए हैं। कुवैत रेड क्रिसेंट सोसायटी के अध्यक्ष खालिद अल-मुगामिस ने कहा, बहुत जरूरी मानवीय सहायता से भरा यह राहत सीरिया के साथ कुवैत की एकजुटता दर्शाने और सीरियाई लोगों की उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास है।

इराक इराक में सात आइएस आतंकवादी ढेर

बगदाद @ पत्रिका. मध्य इराक में हुए एक सैन्य अभियान के दौरान आतंकवादी संगठन आइएस के सात आतंकवादी मारे गए है। सेना ने वायु सेना के साथ मिलकर सलाहुद्दीन और दियाला प्रांतों की हमरीन पर्वत श्रृंखला में आइएस के ठिकानों पर हमले किए। इसमें सात आतंकी मारे गए, जबकि उनके 20 ठिकाने, तीन गुफाएं और पांच सुरंगें नष्ट की गई।

पड़ोस: हजारों छात्र ढाका में एकत्रित, संविधान बदलने की मांग

बांग्लादेश में छात्र फिर सड़कों पर, अब यूनुस को अल्टीमेटम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ढाका. बांग्लादेश में एक बार फिर छात्र सड़कों पर हैं। छात्रों ने अब मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में चल रही अंतरिम सरकार और प्रमुख राजनीतिक दल बीएनपी के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है। छात्रों ने सरकार को अल्टीमेटम दिया है कि जुलाई और अगस्त में जिस क्रांति के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा, उसे क्रांति की मान्यता देने की घोषणा करें। छात्र यह भी चाहते हैं कि 1972 के शेख मुजीबवादी संविधान को खारिज कर नया संविधान बनाया जाए, जिसमें बांग्लादेश को नया नाम भी दिया जाए। इस संविधान में बांग्लादेश को इस्लामिक घोषित करते हुए बांग्लादेश को नया नाम दिया जाने की मांग की गई है, जो कि उसके इस्लामिक चरित्र को घोषित करता है। मांग के समर्थन में मंगलवार को पूरे देश से 1000 से ज्यादा बसों में हजारों की संख्या में छात्र ढाका विश्वविद्यालय के शहीद मीनार परिसर में जमा हुए। छात्रों ने अपनी मांग मानने के लिए यूनुस सरकार को 15 जनवरी तक समय दिया है। गौरतलब है कि आंदोलन से जुड़े संगठन यूनुस सरकार से 'जुलाई-अगस्त क्रांति की घोषणा' की मांग करते आ रहे थे। छात्रों ने 31 दिसंबर को इसकी घोषणा के लिए रैली का ऐलान किया था। इसी को लेकर मंगलवार को छात्र एकजुट हुए।

ढाका यूनिवर्सिटी में 1000 से ज्यादा बसों से पहुंचे छात्रों का जमावड़ा।

इस्लामिक बांग्लादेश की मांग

शहीद मीनार से छात्रों की अहम घोषणाएं

- हम एक इस्लामिक बांग्लादेश चाहते हैं। यूनुस सरकार इस फासीवादी व्यवस्था को खत्म करने के लिए जल्दी से जल्दी कदम उठाए। नहीं तो '24 की क्रांति के टाइगर' इस मामले को अपने हाथ में ले लेंगे।
- बांग्लादेश के लोग सुधार, एक नए संविधान और 15 जनवरी तक जुलाई क्रांति की घोषणा की मांग कर रहे हैं। इस नए संविधान का निर्माण आम चुनाव में निर्वाचित प्रतिनिधियों के द्वारा किया जाए। अगर 15 जनवरी तक क्रांति की घोषणा नहीं की गई तो छात्र फिर से सड़कों पर उतरने को मजबूर हो जाएंगे।

कर्नाटक

इंफोसिस के कैंपस में दिखा तेंदुआ, घर से काम करने के निर्देश

बेंगलूरु @ पत्रिका. आईटी दिग्गज कंपनी इंफोसिस के मैसूरु कैंपस में मंगलवार को तेंदुआ देखे जाने के बाद प्रबंधन ने कर्मचारियों को घर से काम करने के निर्देश दिए हैं। तेंदुए का पता लगाने के लिए ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा है और अधिकारियों ने रात के समय हस्तक्षेप बढ़ाने के लिए थर्मल ड्रोन तैनात किए हैं। इन्फोसिस के मैसूरु प्रभाग में लगभग 15,000 कर्मचारी काम करते हैं, जिनमें से ज्यादातर सॉफ्टवेयर पेशेवर हैं। 370 एकड़ में फैले परिसर में 10,000 छात्रों को प्रशिक्षित करने की क्षमता है।

समझौता खत्म: यूक्रेन से यूरोप को रूसी गैस की आपूर्ति बंद

कीव @ पत्रिका. पांच साल पहले रूस और यूक्रेन के बीच हुआ गैस पारगमन समझौता खत्म होने के बाद यूक्रेन की पाइपलाइनों के जरिए यूरोप को मिलने वाली गैस सप्लाई बंद हो जाएगी। नए साल के पहले दिन आखिरी बार सप्लाई पहुंचेगी। कभी रूस यूरोप महाद्वीप को गैस का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता था, लेकिन 2022 में यूक्रेन से युद्ध शुरू होने के बाद यूरोपीय संघ के ज्यादातर देशों ने रूस से बंद कर अमरीका, नॉर्वे और कतर से गैस लेना शुरू कर दिया।

उत्तर प्रदेश

मुरादाबाद में 44 साल बाद खुला गौरी शंकर मंदिर

मुरादाबाद. उत्तर प्रदेश में संभल और वाराणसी के बाद अब मुरादाबाद में 44 साल से बंद गौरी शंकर मंदिर मिला है। नगर निगम की टीम को गर्भगृह की खुदाई में मलबे में दबा शिवलिंग और कई खंडित मूर्तियां मिलीं, जिन्हें बाहर निकाला गया है। पुजारी की शिकायत के बाद वहां खुदाई की गई थी।

सदर एसडीएम राम मोहन मीणा ने बताया कि यह मंदिर 1980 दंगे के बाद से बंद था। मंदिर के गेट खुलवाकर गर्भगृह की खुदाई करवाई गई तो वहां पुरानी मूर्तियां, शिवलिंग और खंडित मूर्तियां भी निकली हैं। हमारा पूरा प्रयास है कि इसको मूल रूप में वापस लाएंगे और नई मूर्तियों की स्थापना कराई जाएगी।

खुशहाली की कामना: नए वर्ष का स्वागत का अलग अंदाज

नोम पेन्ह. कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह में मंगलवार को रॉयल पैलेस के सामने नव वर्ष कार्यक्रमों की श्रृंखला में सेलिब्रेटिंग कंबोडिया कार्यक्रम के दौरान विशाल बैलून के जरिए एक नर्तक को दर्शाया गया।

ट्रेंडिंग न्यूज

सुलह की राह पर इमरान की पार्टी

पाकिस्तान सरकार और जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआइ के बीच राजनीतिक मतभेदों को सुलझाने के लिए गुरुवार को संसद भवन परिसर में अहम बैठक रखी गई है।

महिला को बनाया सीरियाई बैंक का गवर्नर

सीरिया में मायसा सबरीन को सेंट्रल बैंक का कार्यवाहक गवर्नर नियुक्त किया गया है। वे सीरिया के सेंट्रल बैंक के प्रमुख के पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला हैं। एकाउंटिंग में पीएचडी सबरीन अक्टूबर 2018 से यहां प्रथम उप गवर्नर के रूप में कार्य कर रही हैं।

अब 97.3-98.2 डिग्री शरीर का सामान्य तापमान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वॉशिंगटन. एक सदी से माना जाता रहा है कि स्वस्थ मानव शरीर का औसत तापमान 36.6 डिग्री से. (98.6 डिग्री फॉरेनहाइट) होता है, लेकिन स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन में इसे खारिज कर दिया। इसमें दावा किया गया कि मानव शरीर का औसत तापमान 36.2 डिग्री से 36.8 डिग्री से. (97.3 से 98.2 डिग्री फॉरेनहाइट) के बीच होता है।

डॉ. जूली पार्सोनेट के नेतृत्व में हुए इस अध्ययन में 2008 से 2017 तक स्टैनफोर्ड हेल्थ केयर में आए 6.18 लाख रोगियों के बाह्य तापमान मानकों का विश्लेषण किया गया। इसके साथ ही माप का समय, रोगी की उम्र, लिंग, बॉडी मास इंडेक्स के अलावा दवाओं और स्वास्थ्य स्थितियों का भी अध्ययन किया गया। इसमें ज्यादातर लोगों का तापमान 36.2 डिग्री से 36.8 डिग्री सेल्सियस के बीच था।

शोधकर्ताओं ने छह लाख से ज्यादा लोगों पर किया अध्ययन

इसलिए आई गिरावट...

शोधकर्ताओं का मानना है कि औसत तापमान में कमी का मुख्य कारण मेटाबॉलिक रेट में बदलाव है। पिछले 200 वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता, खाद्य उपलब्धता और जीवन स्तर में सुधार के कारण शारीरिक बदलाव से तापमान कम हुआ है।

आदतें और परिवेश भी प्रमुख वजह

डॉ. पार्सोनेट का कहना है कि समय के साथ हमारी शारीरिक स्थिति में बदलाव आया है। हमारे आसपास का वातावरण भी बदल गया है, जिससे हमारे घरों का तापमान नियंत्रित हुआ है, सूक्ष्मजीवों के संपर्क में कमी आई है और हमारे पास बेहतर और पोषक खाद्य पदार्थ उपलब्ध हुए हैं। यह दर्शाता है कि भले ही हमें लगे की हम मानव विकास के दौरान एक जैसे रहे हैं, लेकिन वास्तव में शारीरिक रूप से बदल रहे हैं।

शब्द पहेली में हैं नए साल के कुछ संकल्प, जो आपको नए उत्साह से भर देंगे

नववर्ष पहेली

मो	कि	स	उ	भू	भ	र	श	ले	प्रि	ब	गां	र	स
दीं	रा	म	पी	चि	दं	ब	र	मे	खि	सु	धा	र	क्रा
आ	सा	र्प	द	सं	क	ल्प	र्म	ह	सी	ता	रा	म	रा
त्म	प्रि	ण	जी	धैं	र्य	जे	पी	न	द	व	जे	सा	त्म
नि	ज	खि	कि	आ	य	ज	रे	त	ट	सा	फ्रें	र्जी	क
र्भ	ह	भ	ला	ध्या	स	म	य	प्र	बं	ध	न	ण	ता
र	ल	ज	मि	त्मि	खि	ई	त्र	दि	य	ध्या	न	म्स	उ
ता	त्रा	सं	थ	क	व	दि	शा	त्य	पा	भू	त्रि	उ	मा
ती	स	न	तु	घे	भ	ध	ट	चि	ले	त्स	त्कृ	वा	नि
सु	धा	र	व	ल	ध	यो	ग्य	ता	न	ष्ट	व	गां	र्म
चि	रो	य	श	वं	न	रा	व	बी	ना	न्हा	ण	र्जी	ला
वि	ह	ख	ती	सं	म्पू	र्ण	ता	ती	ट	मि	भ	ल	क्ष्य
चा	भू	आ	र	च	शा	न	मु	ख	म	क्ष	ही	र्जी	ता
र	अ	खि	घ	ले	य	र्जी	भ	ण	ज	म	अ	ख	रा
प्र	ति	ब	द्ध	ता	भ	ज	न	भू	सा	ता	भ	शां	ति

प्रस्तुति : प्रतिमा सिंह

वर्ष 2025 में खास

जनवरी

13 जनवरी को महाकुंभ प्रयागराज में शुरू हो रहा है। 45 दिनों का कुंभ मेला 26 फरवरी तक चलेगा। पहला शाही स्नान पौष पूर्णिमा 13 जनवरी को होगा।

फरवरी

दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव फरवरी में हो सकते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त के सेवानिवृत होने से पहले यह चुनाव कराए जा सकते हैं। पार्टियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

मार्च

नासा और इसरो ने मिलकर NISAR स्पेस मिशन की तैयारियां पूरी कर ली हैं, जो मार्च 2025 में लॉन्च होगा। सैटेलाइट को अंतरिक्ष में तैनात किए जाने के बाद आपदाओं के बारे में पूर्व जानकारी मिल सकेगी।

अप्रेल

17 अप्रेल से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हवाई सेवाएं शुरू हो जाएंगी। इसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे। जेवर एयरपोर्ट से पहले दिन लगभग 30 उड़ानें निर्धारित हैं।

मई

आइआइटी कानपुर ने जेईई एडवांस्ड 2025 का शिड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षा का आयोजन 18 मई को होगा। योग्य उम्मीदवार 2 मई तक फॉर्म भर सकेंगे।

जून

आइसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-2025 का फाइनल मैच 11 जून को लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। समापन 15 जून को होगा।

जुलाई

फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 का फाइनल मैच 13 जुलाई को न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में होगा। पूरे वर्ल्ड कप के दौरान संयुक्त राज्य अमरीका के 12 स्टेडियम में 63 मैच होंगे।

अगस्त

यूएस ओपन टेनिस ग्रैंड स्लेम के मैच 25 अगस्त 2025 से शुरू होने हैं। चैम्पियनशिप 12 दिन तक चलेगी। इसका समापन 5 सितंबर को होगा। इसके मैच न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले जाएंगे।

सितंबर

पैराएथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप के 12वें संस्करण की मेजबानी पहली बार भारत करने जा रहा है। यह 26 सितंबर से दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शुरू होगी। इसमें 100 देशों के 1,000 से अधिक एथलीट्स भाग लेंगे।

अक्टूबर

बिहार विधानसभा की 243 सीटों पर चुनाव इस साल अक्टूबर में होना संभावित हैं। साल की शुरुआत से ही एनडीए की तैयारियां भी शुरू होंगी। 15 जनवरी से एनडीए की संयुक्त बैठक शुरू होगी, जो 25 फरवरी तक चलेगी।

नवंबर

इस बार 20वीं G-20 समिट की मेजबानी साउथ अफ्रीका करने जा रहा है। 22 और 23 नवंबर को आयोजित इस समिट में G-20 के सदस्य देश भागीदारी निभाएंगे। वैश्विक अर्थव्यवस्था इस बार मुख्य मुद्दा रहेगा।

दिसंबर

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के कार्यकारी बोर्ड ने भारत को पहली बार जूनियर हॉकी विश्व कप की मेज़बानी दी है। दिसंबर में विश्व कप का आयोजन भारत में होगा।

उत्तर : नववर्ष पहेली

उत्कृष्टता, संकल्प, आत्मनिर्भरता, लक्ष्य, सकारात्मकता, धैर्य, समर्पण, मेहनत, प्रतिबद्धता, योग्यता, आध्यात्मिक, शांति, ध्यान, सुधार, समय प्रबंधन, दिशा, क्षमता, विचार, संपूर्णता, संतुलन

"स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।